26 जुलाई 2024 शुक्रवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

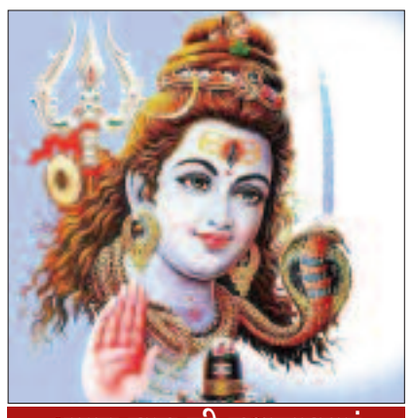

श्रावण मास की शुभकामनाएं

विशेष राज्य का दर्जा दिलाने के लिए 15 अगस्त से शुरू करेंगे यात्रा: तेजस्वी यादव 2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

पटना में कार कंपनी के वर्कशॉप में लगी भीषण आग, 50 से अधिक गाड़ियां जलीं

- आग लगने की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचीं फायर ब्रिगेड की 30 गाड़ियां
- दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया जा सका काबू
- आग लगने से करोड़ों रुपए के नुकसान होने का अनुमान

केटी न्यूज/पटना

पटना के दानापुर स्थित सगुना मोड़ के पास गुरुवार की सुबह करीब आठ बजे हुंडई कंपनी के सर्विस सेंटर में भयानक आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि इसकी लपटें पास के फोर्ड कंपनी के वर्कशॉप तक पहुंच गईं। इसके बाद देखते ही देखते सर्विस सेंटर में लगी दर्जनों लग्जरी गाड़ियां आग में जलकर खाक हो गईं। आग लगने से आसपास अफरा-तफरी का माहौल बन या था। आग लगने की सूचना मिलने के बाद मौके पर फायर ब्रिगेड की 30 गाड़ियां पहुंचीं। दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। जैसे ही कार के वर्कशॉप में आग लगी। आसपास के घरों को खाली करा दिया गया। आग कैसे लगी यह अभी तक पाता नहीं चल पाया है। आग लगने से करोड़ों का नुकसान हुआ है।

कहा जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी थी। इस अगलगी की घटना में कई लग्जरी गाड़ियां बर्बाद हो गईं। आग बुझाने में बगल में एसएसबी कार्यालय में तैनात एसएसबी के जवानों ने भी अपने स्तर से काफी प्रयास किया। घटना के संबंध में जिला फायर अफसर पटना मनोज कुमार नट ने बताया कि दानापुर के सगुना मोड़ के पास हुंडई के वर्कशॉप में आग लगने की सूचना मिली। आग लगने से 20 से 25 गाड़ियां जल गईं। आग पर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड की 30 गाड़ियां मौके पर पहुंच गई थीं। आग पर काबू पा लिया गया है। हुंडई सर्विस सेंटर के ओनर का कहना है कि नई-पुरानी मिलाकर करीब 50 गाड़ियां जल गई हैं। वहीं, फोर्ड की बाहर खड़ी 7-8 गाड़ियां जली हैं।

आसपास के घरों के लोगों को दूसरी जगह भेजा गया

बताया जा रहा कि मौके पर सबसे पहले एसएसबी के 40 वाहिनी के जवान पहुंचे। अगलगी की सूचना अग्निशमन की टीम को देते हुए आसपास के घरों के लोगों को बाहर निकाल सुरक्षित जगह पहुंचाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि सुबह 8 बजे अचानक धुआं का उठने लगा। उसे देखकर आसपास के लोग बाहर निकले। तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया था। आसपास के लोगों ने इस बात की जानकारी दानापुर अग्निशमन को दी। हुंडई सर्विस सेंटर के पीछे टीन के शेड के बाद ही फोर्ड के सर्विस में भी आग फैल गई। पुलिस प्रशासन ने एहतियात के तौर पर तीन बिल्डिंग को तुरंत खाली कराया।

गुजरात में मकान की दीवार गिरने से महिला व उसके बच्चे की मौत

गांधीनगर। गुजरात के साबरकांठा जिले में बृहस्पतिवार को एक कच्चे मकान की दीवार गिरने से 35 वर्षीय महिला और उसके नाबालिग बेटे की दबकर मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। घटना हिम्मतनगर तालुका के राजपुर गांव में बृहस्पतिवार तड़के हुई। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान शिल्पा परमान (35) और उनके बेटे कृष (नौ) के रूप में हुई है। गंभोई थाने के निरीक्षक वीआर चौहान ने बताया कि बारिश के कारण कमजोर हुई कच्चे मकान के भीतर की एक दीवार गिर गई। महिला का पति भी घायल हुआ है, जो बगल के कमरे में सो रहा था।

केंद्रीय बजट पर चर्चा में कांग्रेस सांसद ने मोदी सरकार पर बोला हमला

किसानों के लिए सर्वाधिक परेशानी का सबब बन गया है एमएसपी: सुरजेवाला

- लगाए आरोप- सरकार घोषित एमएसपी पर किसानों से पर्याप्त मात्रा में फसलों की खरीद नहीं कर रही
- एमएसपी की घोषणा के बाद भी इस आधार पर नहीं होती खरीद

एजेंसी/नई दिल्ली

कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य रणदीप सुरजेवाला ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) किसानों के लिए 'सर्वाधिक परेशानी' का सबब बन गया है। उन्होंने कहा कि 2024-25 का बजट कृषि गतिविधियों से जुड़े लोगों के मुद्दों का समाधान करने में विफल रहा है। केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए सुरजेवाला ने कहा, यह बजट गठबंधन सरकार को बचाने, सहयोगियों को खुश करने और हार का बदला लेने का प्रयास है। उन्होंने कहा, वित्त मंत्री ने जब तीन शब्दों किसानों, गरीबों और युवाओं के साथ बजट भाषण की शुरूआत की तो पूरा देश उम्मीदों से भर गया। लेकिन कुछ ही मिनटों में स्पष्ट हो गया कि यह बजट 'कुर्सी बचाओ-सहयोगी दल बचाओ' और 'हार का बदला लेते जाओ' बजट है। कांग्रेस नेता ने पूछा कि बजट में किसानों, युवाओं और गरीबों के लिए क्या है? उन्होंने इसे खेती और किसान विरोधी बजट बताया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीते दस वर्षों में किसानों को परेशानी हुई है। इसके लिए उन्होंने तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के प्रदर्शन का उदाहरण दिया। सुरजेवाला ने 2024-25 के खरीफ के सीजन में एक भी फसल के लिए 'सी2+50%' फॉर्मूले के आधार पर एमएसपी तय न करने के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा, वित्त मंत्री ने सदन के पटल पर एक गलत बयान दिया है कि सरकार ने उत्पादन लागत पर 50% पर एमएसपी दिया है। सुरजेवाला ने अपनी बात साबित करने के लिए कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी) द्वारा शिफारिश की गई विभिन्न फसलों के एमएसपी की तुलना 'सी2 + 50%' के आधार और सरकार द्वारा घोषित वास्तविक एमएसपी के आधार पर की। 'सी2 +50%' का फॉर्मूला दिवंगत प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन ने पेश किया था। इसके तहत सी2 में उत्पादन शामिल होनी चाहिए, जिसमें किसानों के स्वामित्व वाली भूमि और मशीनरी पर किराया और ब्याज शामिल है।

इसके अलावा, उन्होंने कहा कि सरकार घोषित एमएसपी पर किसानों से पर्याप्त मात्रा में फसलों की खरीद नहीं कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया, वे एमएसपी की घोषणा करते हैं, लेकिन एमएसपी पर खरीद नहीं करते हैं। भाजपा और मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में एमएसपी किसानों के लिए सबसे ज्यादा परेशानी की वजह बन गया है।

दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ पर इंडेक्सेशन बहाल करें: चड्ढा

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने केंद्रीय बजट 2024-25 में भाग लेते हुए कहा कि पुरानी संपत्तियों की बिक्री पर इंडेक्सेशन लाभ हटाने के सरकार के फैसले से रियल एस्टेट क्षेत्र में बड़े पैमाने पर कालाधन आएगा। उन्होंने कहा कि इससे इस क्षेत्र में निवेश कम होगा। सरकार से प्रस्ताव वापस लेने की मांग करते हुए चड्ढा ने कहा कि लोग कभी अपने सपनों का घर नहीं खरीद पाएंगे। चड्ढा ने कहा, दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ पर इंडेक्सेशन को बहाल करें। पूरी दुनिया में निवेशकों को निवेश करने के लिए आकर्षित करने के लिए उन्हें प्रोत्साहन दिया जाता है। इस देश में इंडेक्सेशन को हटाकर हम निवेशक वर्ग को हतोत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इंडेक्सेशन को हटाना, निवेशकों को दंडित करने जैसा है।

एनटीए ने नीट का संशोधित फाइनल रिजल्ट जारी किया

नई दिल्ली। नीट यूजी पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद गुरुवार को एनटीए ने नीट का संशोधित फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया है। बता दें कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद कहा था कि नीट यूजी का संशोधित रिजल्ट दो दिनों के भीतर जारी किया जाएगा। ऐसे में यह रिजल्ट जारी कर दिया गया है, नीट में शामिल हुए उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट exam.nta.ac.in/NEET पर जाकर इसे देख सकते हैं।

बता दें, भौतिकी के सवालों के सही विकल्प पर विचार करने के बाद संशोधित परिणाम घोषित किया गया है। नीट यूजी रिजल्ट पहले 4 जून को जारी किया गया था। जिसमें 67 परीक्षार्थियों ने 720 में से 720 अंक हासिल करके टॉप किया था। लेकिन इसके बाद नीट यूजी विवाद सुप्रीम कोर्ट सुप्रीम कोर्ट चला गया। जिसमें ग्रेस मार्क्स विवाद भी था। बता दें कि मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने परमाणु से संबंधित एक सवाल के सही उत्तर को लेकर आईआईटी दिल्ली के विशेषज्ञों की रिपोर्ट फिजिक्स के 19 नंबर प्रश्न के विकल्प 4 को सही उत्तर मानते हुए नीट-यूजी 2024 के परिणाम को संशोधित करने और नये सिरे से जारी करने का आदेश दिया था।

आरक्षी नागरिक पुलिस के 60244 पदों के लिए अगस्त में होगी परीक्षा

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड का निर्णय

- प्रतिदिन 2 पालियों में संपन्न कराई जाएगी परीक्षा, प्रत्येक पाली में करीब 5 लाख अभ्यर्थी परीक्षा में होंगे सम्मिलित

केटी न्यूज/लखनऊ

पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारियों में लगे लाखों युवाओं के लिए अच्छी खबर है। योगी सरकार द्वारा हाल ही में निरस्त की गई पुलिस भर्ती परीक्षा की नई तारीख की घोषणा कर दी है। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आरक्षी नागरिक पुलिस के 60244 पदों पर सीधी भर्ती-2023 की लिखित परीक्षा अब 23,24,25 अगस्त एवं 30,31 अगस्त 2024 को आयोजित कराने का निर्णय लिया गया है। पेपर लीक के आरोपों के चलते छात्रों की मांग पर यह परीक्षा निरस्त कर दी गई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परीक्षा निरस्त करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया था कि यह परीक्षा 6 माह के अंदर शुचिता एवं पारदर्शिता के उच्चतम मानकों के अनुसार पुनः आयोजित कराई जाए।

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आरक्षी नागरिक पुलिस के 60244 पदों पर सीधी भर्ती 2023 की लिखित परीक्षा निर्धारित तिथियों में आयोजित की जाएगी। जन्माष्टमी त्योहार के कारण परीक्षा में अंतराल दिया गया है। इन तिथियों को प्रतिदिन 2 पालियों में यह परीक्षा संपन्न कराई जाएगी तथा प्रत्येक पाली में लगभग 5 लाख अभ्यर्थी इस परीक्षा में सम्मिलित होंगे। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की निःशुल्क बस सेवा की सुविधा प्राप्त होगी। अभ्यर्थी अपनी सुविधानुसार इसका लाभ ले सकते है, जिसके लिए बस से यात्रा करने वाले अभ्यर्थियों को अपने प्रवेश पत्र की अतिरिक्त दो प्रतियां डाउनलोड करनी होगी तथा उसकी एक प्रति परीक्षा केंद्र के जनपद तक की यात्रा एवं दूसरी प्रति परीक्षा के बाद अपने जनपद तक की यात्रा के लिए बस कंडक्टर को प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

पेपर लीक करने वालों पर कसेगा शिकंजा: परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करना, नकल करना या नकल कराना, प्रश्न पत्र का प्रतिरूपण करना या प्रकट करना या प्रकट करने का षड्यंत्र करना आदि की स्थिति में एक करोड़ तक का जुर्माना और आजीवन कारावास तक की सजा, दोनों हो सकती है।

भारी बारिश से मुंबई और पुणे का बुरा हाल, कई इलाकों में भरा पानी, पुणे में चार लोगों की मौत

एजेंसी/मुंबई

महाराष्ट्र में मॉनसून ज्यादा मेहरबान हो गया है। भारी बारिश के कारण मुंबई का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मुंबई को पानी आपूर्ति करने वाली तीन झील पूरी तरह लबालब हो चुकी है। बीएमसी ने बताया कि मुंबई की विहार झील से गुरुवार सुबह लगभग 3:50 बजे पानी ओवरफ्लो होने लगा। इसके अलावा अतिवर्षा के कारण पुणे के कई रिहायशी इलाकों में पानी भर गया है। ठाणे, पालघर और रायगढ़ समेत प्रदेश के कई जिलों में स्कूल-कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। लगातार हो रही भारी बारिश के कारण पुणे में चार लोगों की मौत हो गई। पुणे में खडकवासला बांध के ओवरफ्लो होने के कारण कई इलाकों में बाढ़ आ गई, जिसके कारण लोगों को निकालना पड़ा। सिंहगढ़ रोड, आनंद नगर, एकता नगर और विट्ठल नगर के अलावा मुथा नदी के किनारे बसे वारजे और शिवाने में भारी बारिश के बाद घरों में पानी घुस गया। अचानक आई बाढ़ के कारण गुरुवार सुबह लोग अपने ही घर में कमर तक पानी में फंस गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि खड़कवासला से पानी छोड़ने के कारण गुरुवार सुबह 3 बजे के आसपास जल स्तर में अचानक उछाल आया। इस बारे में जल संसाधन विभाग या पुणे नगर निगम (पीएमसी) अधिकारियों ने अलर्ट भी जारी नहीं किया था।

राजद के एमएलसी सुनील सिंह की जा सकती है विधान परिषद सदस्यता

केटी न्यूज/पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मिमिक्री करने के मामले में राजद के एमएलसी सुनील कुमार सिंह की विधान परिषद सदस्यता पर खतरा मंडरा रहा है। सुनील कुमार सिंह ने पिछले सत्र में सदन के अंदर नीतीश कुमार का अंदाज की कॉपी करते हुए मिमिक्री की थी। आरजेडी के एक और एमएलसी कारी सोहैब ने भी इसी तरह का बर्ताव किया था। आरजेडी के दोनों एमएलसी के खिलाफ विधान परिषद की आचार समिति के पास मामला भेजा गया था। समिति के सामने आरजेडी एमएलसी कारी सोहैब ने अपनी गलती स्वीकार की थी, लेकिन सुनील कुमार सिंह ने गलती नहीं मानी थी। समिति ने जांच के बाद अपनी फाइनल रिपोर्ट सभापति को भेज दी थी. तत्कालीन सभापति देवेशचंद्र ठाकुर ने इसपर निर्णय भी लिया था. रिपोर्ट के मुताबिक सुनील कुमार सिंह को गलत आचरण का दोषी पाया गया। सुनील कुमार सिंह की सदस्यता खत्म करने की अनुशंसा की गई है।

गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने संसद में उठाया आदिवासियों की घटती आबादी और हिंदुओं का मुद्दा

बांग्लादेशी मुसलमान जबरदस्ती खाली करा रहे हिंदुओं के गांव

एजेंसी/नई दिल्ली

झारखंड के गोड्डा से सांसद डॉक्टर निशिकांत दुबे ने संसद में आदिवासियों की घटती आबादी का मुद्दा उठाया। उन्होंने अपने संबोधन की शुरूआत 'संविधान खतरे में है से की और कहा कि हम यहां दलितों की बात करते हैं, आदिवासी की बात करते हैं। कहीं किसी की भी सरकार हो, उसका एकमात्र लक्ष्य यही है कि अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है। बीजेपी सांसद ने कहा कि जिस संथाल परगना से आता हूं, वहां जब बिहार से झारखंड अलग हुआ तब आदिवासियों की आबादी 36 परसेंट थी। आज घटकर 26 परसेंट है। 10 परसेंट आदिवासी कहां गायब हो गए, कहां खो गए? उन्होंने कहा कि इसके बारे में कभी भी ये सदन चिंता की बात नहीं करता है, वोटबैंक की पॉलिटिक्स करता है।

उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की घुसपैठ हमारे यहां लगातार बढ़ रही है। आदिवासी महिलाओं के साथ बांग्लादेशी घुसपैठिए शादी कर रहे हैं। हिंदू और मुसलमान का सवाल नहीं है। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि हमारे यहां जो लोकसभा का चुनाव लड़ती हैं महिला, वह आदिवासी कोटे से लड़ती हैं और उनके पति मुसलमान हैं। गोड्डा सांसद ने कहा कि जिला परिषद की जो अध्यक्ष हैं, उनके पति मुसलमान हैं। हमारे यहां सौ आदिवासी मुखिया हैं जो आदिवासी के नाम पर हैं और उनके पति मुसलमान हैं। उन्होंने कहा कि हमारे यहां अभी चुनाव हुआ, यहां सभी लोग चुनाव लड़कर आए हैं। प्रत्येक चुनाव में 15 से 17 प्रतिशत आबादी बढ़ती है, हमारे यहां 123 परसेंट।

दुबे ने संसद में कहा, झारखंड के पाकुड़ तारा नगर इलामी और दागा पाड़ा में दंगा हुआ। यह दंगा सिर्फ इसलिए हुआ क्योंकि बांग्लादेश से घुसपैठ कर बंगाल पहुंचे मुसलमान जबरदस्ती हिंदूओं के गांवों को खाली करवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूरा मालदा, मुर्शिदाबाद, अररिया, कटिहार, किशनगंज से आकर लोगों ने हिंदूओं पर जुल्म किया। उन्होंने भारत सरकार की हस्तक्षेप की मांग की और इन इलाकों को यूनियन टेरिटरी बनाने की मांग की। साथ ही एनआरसी लागू करने की मांग की और संसद की कमिटी भेजने की मांग की और धर्मांतरण के जरिए शादी के लिए परमिशन जरूरी करने की मांग की।

बोले पूर्व मंत्री आरसीपी सिंह... मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सबके गार्जियन

केटी न्यूज/पटना

कल तक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ बयान देते नहीं थकने वाले जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व भाजपा नेता आरसीपी सिंह उनकी तारीफ में कसीदे गढ़ रहे हैं। अचानक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति आरसीपी सॉफ्ट दिख रहे हैं। नहीं तो पहले कोई दिन ऐसा नहीं था जब आरसीपी सिंह नीतीश कुमार पर हमलावर ना हुए हो। अचानक से नीतीश के प्रति उनका प्रेम इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल मानसूत्र सत्र के दौरान बिहार विधानसभा में बुधवार को आरजेडी महिला विधायक के खिलाफ नीतीश कुमार ने टिप्पणी की थी। अब नीतीश कुमार का बचाव करते आरसीपी सिंह नजर आए। आरसीपी सिंह ने कहा कि इस मामले को तूल देने की जरूरत नहीं है। नीतीश बाबू सबके गार्जियन हैं, गार्जियन कभी नाराजगी जाहिर करे तो उसे दिल से नहीं लेनी चाहिए।उन्होंने आगे कहा कि यदि कुछ ऐसा बात लगा होगा तब कभी कभी गुस्सा आ जाता है। पहली बार बिहार में महिलाओं को आरक्षण नीतीश

बाबू ने दिया। विपक्ष का तो काम ही हंगामा करना है। खगड़िया में मीडिया से बातचीत करते हुए आरसीपी सिंह ने यह बातें कही। उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले को ज्यादा तूल देने की जरूरत नहीं है। नीतीश कुमार बिहार के गार्जियन हैं, गार्जियन कभी नाराजगी जाहिर करे, तो उसे दिल से नहीं लेनी चाहिए। नीतीश सभी वर्ग के लोगों के लिए काम करते है। उनके कार्य की जीतनी सराहना की जाए। उतनी कम है। नीतीश कुमार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई स्कीम चलाएं हैं। पंचायती राज व्यवस्था में पहली महिलाओं को आरक्षण दिलवाए हैं। बिहार में नीतीश कुमार का काम बोलता है। आरसीपी सिंह ने केंद्रीय बजट को बिहार के लिए ड्रीम बजट बताया। उन्होंने कहा कि बिहार को पहली बार केंद्रीय बजट में इतना संसाधन मिला। इससे बिहार का विकास तेजी से होगा।

मोतिहारी कोर्ट में शौचालय का ग्रिल काटकर दो कैदी फरार, एक पकड़ाया

केटी न्यूज/मोतिहारी

मोतिहारी में एक बार फिर से पुलिस से भारी चूक हुई है और इसका लाभ उठाकर न्यायालय में पेशी के दौरान गए दो अभियुक्त कोर्ट हाजत से फरार हो गए। दोनों अभियुक्तों पर आधे-आधे दर्जन मामले लंबित हैं। कोर्ट से फरार अभियुक्तों की पहचान आदापुर के इनरवा निवासी अरविंद कुमार ऊर्फ टूना ठाकुर और पताही अमोरिया टोला वार्ड छग निवासी अरुण सहनी के रूप में की गई है।अरविंद कुमार पर मर्डर, लूट इत्यादि के पांच मामले हैं। वहीं, अरुण सहनी पर भी कई गंभीर मामलों के आधे दर्जन केस हैं। दोनों को मोतिहारी कारागार से न्यायालय में उपस्थापन हेतु जिला पुलिस बल की अभिरक्षा में भेजा गया था। यहां कोर्ट हाजत में रखने के दौरान दोनों शातिर अभियुक्तों ने बाथरूम का ग्रिल काट दिया और हाजत से भाग निकले। दोनों को पकड़ने के लिए कोर्ट परिसर के चप्पे-चप्पे पर पुलिस मुस्तैद हो गई। वहीं, पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए इन दोनों में से एक कैदी को पुलिस ने पकड़ लिया है। जबकि दूसरा पुलिस पकड़ में नहीं आ सका है।

बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिलने पर जमकर निकाली सत्ता पक्ष पर भड़ास

विशेष राज्य का दर्जा दिलाने के लिए 15 अगस्त से शुरू करेंगे यात्रा : तेजस्वी

केटी न्यूज/पटना

बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता और राज्य के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव आखिरकार दिख गए। बिहार में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेता कई दिनों से लगातार उनके गायब रहने की बात पर चुटकी ले रहे थे। बिहार विधानसभा के पांच दिवसीय सत्र में भी चार दिन गैरहाजिर रहने पर तेजस्वी यादव को लेकर कई तरह की बातें की जा रही थीं। अब तेजस्वी यादव ने सामने आकर सबसे पहले विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिलने पर भड़ास निकाली और फिर बता दिया कि 15 अगस्त से शुरू हो रही अपनी यात्रा से पहले फिट होने के लिए गए थे। तेजस्वी भले विधानसभा नहीं गए, लेकिन पटना लौटने के बाद अपने आवास पर उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल के विधायकों की बैठक बुला ली है। इस बैठक में वह विधानसभा के अंतिम दिन की कार्यवाही की रूपरेखा के साथ 15 अगस्त से शुरू हो रही अपनी यात्रा के बारे में बात करेंगे। इस यात्रा के माध्यम से जनता के बीच जाकर सरकार का करेंगें पर्दाफाश।

जदयू के दम पर मोदी हैं प्रधानमंत्री

एयरपोर्ट पर उतरते ही तेजस्वी यादव ने सबसे पहले भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि हमको तो पहले से ही पता था कि यह लोग (भारतीय जनता पार्टी) सिर्फ धोखा देना जानते हैं। यह सब सिर्फ नौटंकी है। तेजस्वी यादव ने कहा कि येलोग विशेष राज्य के दर्जे की मांग करते हैं लेकिन सच्चाई है कि यह लोग सरकार में हैं। इतना ही नहीं तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री का नाम लेते हुए कहा कि जनता दल यूनाइटेड की वजह से ही नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। विशेष राज्य के दर्जे के मुद्दे को लेकर भाजपा शुरू से ही मन बनाई हुई थी कि नहीं देंगे। और यह बात जनता दल यूनाइटेड भी जानता है। जदयू के लोग भी यह जानते हैं कि यह लोग नहीं देंगे।

संशोधन करने की मांग की

तेजस्वी यादव ने कहा कि हम लोगों की पुरानी मांग रही है विशेष राज ज्य को लेकर कि यह मिलना चाहिए. इसमें कोई भी संशोधन अगर करने की जरूरत है तो किया जाए। लेकिन आप देखिएगा कि भारत सरकार इसमें कोई भी इंटरेस्ट नहीं दिखा रही है। उन्होंने कहा कि बहुत सारे बड़े-बड़े संशोधन हुए हैं, यह तो मामूली सा संशोधन करना है। इसमें तो कम से कम बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देना चाहिए।

पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने केंद्रीय मंत्री ललन सिंह पर साधा निशाना

पटना। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने केंद्रीय मंत्री ललन सिंह पर जमकर हमला बोला है। विधान परिषद् के बाहर पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए राबड़ी देवी ने कहा कि ललन सिंह लगातार अपने बयानों से महिलाओं का अपमान कर रहे हैं। मैं उनसे पूछना चाहती हूं कि उनकी माता और पत्नी कितनी पढ़ी-लिखी है। उनलोगों की शैक्षणिक योग्यता का प्रमाण पत्र दिखाएं। ललन सिंह ने कहा था कि मैं बजट नहीं समझती हूं। यह बयान देकर उन्होंने मेरा ही नहीं देश की महिलाओं का अपमान किया है। जदयू नेता की इस हरकरतके लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को माफी मांगनी चाहिए। साथ ही ललन सिंह भी देश की सभी महिलाओं से माफी की मांग करें।इतना ही नहीं राबड़ी देवी ने बजट को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए बजट में बिहार और आंध्रप्रदेश के लिए राशि आवंटित की।

तीन लाख का रिश्वत लेते कृषि विभाग के ज्वाइंट डायरेक्टर व हेड क्लर्क को निगरानी ने दबोचा

केटी न्यूज/पटना

कृषि विभाग का घूसखोर ज्वाइंट डायरेक्टर और हेड कलर्क अरेस्ट, तीन लाख रिश्वत लेते रंगेहाथ धराए बिहार में निगरानी विभाग की टीम ने बड़ा एक्शन लिया है। निगरानी विभाग की टीम ने कृषि विभाग के संयुक्त सचिव और डेड क्लर्क को रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। दोनों एक शख्स से काम कराने के एवज मे तीन लाख रुपए घूस के

तौर पर ले रहे थे, तभी निगरानी की टीम ने दोनों को धर दबोचा। जानकारी के मुताबिक, निगरानी विभाग को दोनों के बारे में शिकायत मिली थी। शिकायत मिलने के बाद निगरानी की टीम ने जांच में आरोप को सही पाया और दोनों को रंगेहाथ पकड़ने के लिए जाल बिछा दिया। संयुक्त निदेशक विभू विद्यार्थी और प्रधान लिपिक सत्यनारायण कुमार घूस के तीन लाख रुपए ले रहे थे। तभी निगरानी की टीम पहुंच गई और दोनों को तीन लाख रुपए कैश के साथ गिरफ्तार कर लिया। दोनों को गिरफ्तार करने के बाद टीम उन्हें अपने साथ ले गई है, जहां पूछताछ के बाद उन्हें निगरानी की कोर्ट में पेश किया जाएगा।

बाढ़ के साथ सीएम नीतीश सूखे से चिंतित, किसानों के लिए अफसरों को दिए कई निर्देश

- किसानों के लिये 8 घंटे की जगह 14 घंटे प्रतिदिन निर्बाध बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित की जाय
- किसानों को डीजल अनुदान की स्वीकृति दी जाय

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को 01 अणे मार्ग स्थित संकल्प में संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ की स्थिति की समीक्षा की। बैठक में आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने मुख्यमंत्री को वर्षापात की स्थिति से अवगत कराया तथा आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा की गयी तैयारियों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। कृषि विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को धान एवं मक्का की रोपनी की विस्तृत जानकारी दी।ठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि कई जिलों में अल्प वर्षापात की स्थिति को देखते हुये ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के लिये 8 घंटे की जगह 14 घंटे प्रतिदिन निर्बाध बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित की जाय। उन्होंने निर्देश दिया कि कम वर्षापात की स्थिति को देखते हुये इच्छुक किसानों को डीजल अनुदान की स्वीकृति दी जाय। मुख्यमंत्री ने जल संसाधन विभाग को निर्देश दिया कि किसानों के हित में नहर के अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। ताकि किसानों को पटवन में सहूलियत हो। उन्होंने कहा कि बाढ़ और सुखाड़ दोनों की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए संबंधित विभागों के अधिकारी सतत निगरानी करते रहें। उन्होंने कहा कि हर चीज पर नजर रखनी है और पूरी तरह से सतर्क रहना है। मुस्तैदी के साथ सभी लोग लगे रहेंगे तो आपदा की स्थिति में लोगों को राहत मिलेगी। बैठक में जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, कृषि विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार एवं अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पूजा अर्चना करने आए भाई बहन गंडक नदी में डूबे

समस्तीपुर। भाई-बहन की पहचान विभूतिपुर थाना क्षेत्र के ही सिंघिया घाट टोल हांसदा निवासी पप्पू सहनी के पुत्र वीर कुमार 12 वर्ष और विपतिका कुमारी 13 वर्ष के रूप में की गई है। घटना के बाद पारिवारिक सदस्यों के बीच कोहरा मचा हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस व प्रशासनिक पदाधिकारी मौके पर पहुंचकर बचाव व राहत कार्य में जुट गए हैं। शव की तलाश को लेकर एसडीआरएफ टीम भी लगातार प्रयास कर रही है। हालांकि समाचार ऑपरेशन तक शव बरामद नहीं हो पाया था। घटना के संबंध में बताया जाता है कि पप्पू सहनी के पैतृक गांव बखरी हैं। वह आवास की जगह नहीं होने के कारण सिंघिया बुजुर्ग उत्तर पंचायत के सलखन्नी वार्ड 12 स्थित रामचन्द्र सहनी के यहां अपने ससुराल में रहते थे। नाग पंचमी मेले के दिन विभूतिपुर आकर मां भगवती स्थान में पूजा अर्चना करते हैं।

बिहार विधानसभा का मानसून सत्र रहा हंगामेदार, विपक्षी सदस्यों ने कई बार रोका सत्र

बिहार लोक सेवा परीक्षा, माल और सेवा कर, बिहार लिफ्ट एवं एस्कलेटर विधेयक विधान परिषद में पास

केटी न्यूज/पटना

बिहार विधानसभा परिषद् में तीन विधेयक पास हो गए। इनमें बिहार लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) विधेयक 2024, बिहार माल और सेवा कर (संशोधित) विधेयक 2024 और बिहार लिफ्ट एवं एस्कलेटर विधेयक 2024 विधान परिषद में पास हो गए। विधानसभा अध्यक्ष के कार्यालय के सामने करीब आधे घंटे तक हंगामे के बाद अध्यक्ष ने विपक्ष के विधायकों से मिलें। अध्यक्ष ने विधायकों को समझा बुझाया इसके बाद प्रदर्शन खत्म हुआ। इधर, विधान परिषद की कार्यवाही शुरू हुई। सीएम नीतीश कुमार भी परिषद पहुंच चुके थे। विधानसभा की कार्यवाही स्थगित होते ही विपक्ष के विधायक अध्यक्ष के कार्यालय के सामने धरने पर बैठक गए। अभी विधायक बिहार सरकार के विरोध में नारेबाजी रहे थे। विपक्ष की आवाज दबाना बंद करो, लोकतंत्र की हत्या करना बंद करो, हिटलरशाही बंद करो जैसे नारे लगाकर विपक्ष के विधायक प्रदर्शन किया। सदन की कार्यवाही के बीच महागठबंधन के विधायक

हंगामा किया। अध्यक्ष लगातार विपक्ष को वेल से वापस लौटने के लिए कह रहे थे। लेकिन, विपक्ष के विधायकों ने उनकी बात नहीं मानी। टेबल उठाकर घुमा दिया। इसके बाद अध्यक्ष ने चार बजे तक सदन की कार्यवाही को स्थगित कर दी गई।

भाजपा विधायक ने कही यह बात : भाजपा विधायक जीवेश मिश्र ने कहा कि 23 हजार करोड़ का बजट राबड़ी देवी की सरकार में पेश किया गया था। एनडीए सरकार में ढाई गुना अधिक सिर्फ शिक्षा विभाग के लिए दिया है। एनडीए सरकार केवल जनता के लिए सोचती है। लंच के बाद विधानसभा की कार्यवाही फिर से शुरू हुई थी। विपक्ष के विधायक फिर से हंगामा करने लगे थे। विधानसभा अध्यक्ष के विपक्ष के विधायकों के समझाने की कोशिश की लेकिन वह नहीं माने और वेल में आकर हंगामा करने लगे। बिहार विधानसभा का सत्र सोमवार से शुक्रवार तक के लिए ही है। गुरुवार को भी अबतक विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने सदन में हाजिरी नहीं बनाई है। वह राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के साथ दिल्ली से पटना लौट आए थे।

खुलासा: युवक ने खुद के अपहरण की रची साजिश, पुलिस ने 24 घंटे में किया बरामद

♦ सिकरौल थाना क्षेत्र के सतुहड़ी गांव का है युवक, यूपी के चंदौली से बरामद कर पुलिस ने कोर्ट के समक्ष किया प्रस्तुत

केटी न्यूज/डुमरांव

एक युवक ने खुद के अपहरण की साजिश रचते हुए अपने परिजनों को ह्वाट्सऐप कॉलिंग के जरिए पांच लाख रूपए की डिमांड कर डाली तथा बताया कि रूपया नहीं देने पर अपहरणकर्ता उसे जान से मार देंगे। उसने परिजनों को डराने के लिए उसने कुछ फोटो भी ह्वाट्सऐप पर भेजे जिसमें उसके सर पर चोट के निशान जैसा कुछ था। इसके बाद उसके दादा ने तुरंत सिकरौल पुलिस को इस घटना की जानकारी दी। युवक के अपहरण की सूचना मिलते ही सिकरौल पुलिस ने एसपी मनीष कुमार को पूरी घटना बताई। उन्होंन तत्काल डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी के नेतृत्व में एक टीम गठित कर युवक को बरामद करने का निर्देश दिया। इस निर्देश पर डीएसपी ने तकनीकी साधनों तथा मोबाईल सर्विलांस का सहारा लिया। जिसमें युवक के चंदौली में होने की जानकारी मिली। इसके बाद एक पुलिस टीम भेज उसे सकुशल बरासद कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। गुरूवार को डीएसपी ने प्रेस वार्ता आयोजित कर इस संबंध में जानकारी दी।

प्रेस वार्ता में डीएसपी ने बताया कि सतुहड़ी के विजय कुमार का पुत्र उपेन्द्र कुमार 23 जुलाई को अपने घर से दिल्ली जाने के लिए निकला था। वह, शाम तीन बजे बक्सर स्टेशन से जनसाधारण एक्सप्रेस पकड़ दिल्ली के लिए रवाना हुआ। लेकिन, दिल्ली जाने के बजाए किसी तरह डीडीयू स्टेशन पर ही उतर गया। शाम सात बजे उसी के मोबाईल से ह्वाट्सऐप कालिंग के जरिए परिजनों को अपरहण की जानकारी दे पांच लाख रूपए की मांग की गई। उपेन्द्र ने रोते हुए बताया था कि ये लोग काफी खतरनाक है तथा रूपया नहीं देने पर मुझे जान से मार देंगे। इसके बाद उसके दादा नंद किशोर सिंह ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने 24 घंटे में उक्त युवक को बरामद कर लिया।

मामले की चल रही है जांच : प्रेस वार्ता के दौरान जब डीएसपी से पूछा गया कि क्या युवक ने खुद के अपहरण की साजिश रची थी तो उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया मामला ऐसा ही लग रहा है। इसकी गहराई से जांच की जा रही है। हालांकि, पुलिस की पूछताछ में अबतक युवक ने कुछ भी स्पष्ट नहीं बताया है। जिससे इस बात की आशंका गहराने लगी है कि वह परिजनों से रूपया ऐठने के लिए ही खुद के अपहरण का नाटक रचा था। लेकिन पुलिस की मुश्तैदी तथा डुमरांव डीएसपी की सुझबूझ से उसकी एक न चली। बहरहाल युवक के सकुशल बरामद होने के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली है तथा डुमरांव डीएसपी को धन्यवाद दिया है। डीएसपी ने बताया कोर्ट के निर्णय के अनुसार इस मामले में आगे कार्रवाई की जाएगी।

चक्की में भारी मात्रा में शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

केटी न्यूज/डुमरांव

♦ तीन अन्य तस्कर अंधेरे का फायदा उठा भाग निकले

अनुमंडल के भरियार (चक्की) ओपी पुलिस ने ओपी क्षेत्र के चक्की लक्ष्मण डेरा के पास एक शराब तस्कर को शराब की खेप के साथ पकड़ा है। जबकि उसके तीन अन्य साथी अंधेरे का फायदा उठा खेत के रास्ते भागने में सफल रहे। तस्कर के पास से बंटी बबली देसी ब्रांड का 14 पेटी तथा दबंग ब्रांड का दो पेटी शराब बरामद किया है। जिसका कुल वजन 144 लीटर बरामद किया गया।

गिरफ्तार शराब तस्कर कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के अरक गांव का गोविंद चौधरी है। डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने गुरूवार को प्रेस वार्ता आयोजित कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भरियार ओपी पुलिस को सूचना मिली थी कि अरक के कुछ शराब तस्कर रात के अंधेरे में यूपी से शराब की खेप लेकर खेत के रास्ते आते है तथा उसकी इलाके में सप्लाई करते है। ओपी प्रभारी संजय पासवान ने इसकी सूचना डीएसपी को दी। डीएसपी के निर्देश पर एक टीम गठित कर रात में ही चक्की भोला डेरा के बर के पास पुलिस तस्करों की टोह में तैनात हो गई। गुरूवार की अहले सुबह करीब चार बजे चार लोग अपने सर पर थैला रख आते दिखाई दिए, जो सड़क छोड़ खेत के रास्ते चल रहे थे। पुलिस ने उन्हें रूकने का इशारा किया तो वे भागने लगे। इसके बाद पुलिस ने उन्हें दौड़ाया तो तीन अपना थैला फेक भाग निकले, जबकि एक पकड़ा गया। डीएसपी ने कहा कि भागने वाले तीनों तस्करों की पहचान कर ली गई है। इस संबंध में चार के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज किया गया है। गिरफ्तार तस्कर को आवश्यक पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया है। जबकि फरार तस्करों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। उन्हें भी जल्दी ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। प्रेस वार्ता के दौरान डीएसपी अफाक के साथ भरियार ओपी प्रभारी मौजूद थे।

खबरें फटाफट

स्कूल जांच के दौरान अनुपस्थित पांच शिक्षकों पर बीडीओ ने की कार्रवाई

बक्सर। गुरूवार को राजपुर बीडीओ अशोक कुमार द्वारा प्रखंड के दो विद्यालयों की जांच की गई। इस जांच में उपस्थिति पंजी में उपस्थिति बनाकर गायब हो जाने वाले पांच शिक्षकों पर कार्रवाई की गाज गिरी। जहां पांचों शिक्षकों पर स्पष्टीकरण के साथ एक दिन का वेतन कटौती करने का निर्देश दिया गया है। बीडीओ अशोक कुमार ने बताया कि आला अधिकारियों के निर्देश पर गुरुवार को प्रखंड के सरेंजा स्थित राजकीय बुनियादी विद्यालय व सरेंजा मध्य विद्यालय की जांच की गई। जहा शैक्षणिक व्यवस्था से लेकर एमडीएम व शिक्षकों की उपस्थिति, बच्चों की उपस्थिति आदि की जांच की। इस दौरान राजकीय बुनियादी विद्यालय में चार शिक्षक नितेश राज, फैयाज अहमद, मु. रियाजुल हक व शिखा उपस्थिति पंजी पर उपस्थिति बनाकर नदारद हो गए थे। वहीं, मध्य विद्यालय सरेंजा का निरीक्षण किया गया। यहां भी एक शिक्षिका कुमारी वीणा पांडेय उपस्थिति बना गायब हो गई। बीडीओ ने बताया कि इन सभी अनुपस्थित शिक्षकों पर कार्रवाई के तहत स्पष्टीकरण के साथ एक दिन का वेतन काटने का निर्देश जारी किया गया है।

जंगलीनाथ मंदिर में महारुद्राभिषेक का आयोजन आज

डुमरांव। स्थानीय नगर परिषद क्षेत्र में स्थित जंगलीनाथ महादेव मंदिर में सावन महोत्सव के दौरान शुक्रवार को मंदिर परिसर में सवा लाख पार्थिक शिवलिंग के निर्माण कर महारुद्राभिषेक का भव्य आयोजन होगा। रुद्रसागर सेवा संस्थान द्वारा आयोजित इस अनुष्ठान के बाद भंडारा व महाप्रसाद का भी वितरण होगा। संस्था के सचिव रविशंकर चौबे ने बताया कि इसकी तैयारी पूरी कर ली गयी हैं। उन्होंने बताया कि सामूहिक रूद्राभिषेक में एक साथ 151 लोग रूद्राभिषेक करेंगे। इस समिति में आचार्य पंडित विंध्याचल ओझा, पं गणेश ओझा, पं संजीव मिश्रा, पं बलिराम उपाध्याय के अलावे वार्ड पार्षद अनु कुमारी और निर्मला देवी शामिल हैं।

निकृष पंप योजना का निर्माण पूरा नहीं होने से किसान आक्रोशित, बोले रोपनी में हो रही देरी

12 वर्षो के इंतजार का सब्र का बांध टूटा, सड़क पर उतरे आक्रोशित किसान

♦ पंप हाउस से पानी उपलब्ध कराने का पांच वर्षों से दिया जा रहा आश्वासन
♦ किसानों ने कहा- किस लिए निस्वार्थ पम्प हाउस निर्माण के लिए भूमि दी!

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा में धरना देते आक्रोशित किसान।

चौसा में बंद पड़ा पंप हाउस।

गुरूवार को चौसा के किसानों ने सड़क पर उतर जोरदार प्रदर्शन किया। उनका यह प्रदर्शन निकृष पंप योजना के चालू नहीं किए जाने को लेकर था। प्रदर्शन करने वाले किसानों का कहना था कि हर बार प्रशासन द्वारा सिर्फ इस महत्वपूर्ण योजना को शीघ्र चालू करने का आश्वासन दिया जाता है। लेकिन धरातल पर योजना का काम अधर लटका है। पिछले पांच वर्षों से किसान सिर्फ आश्वासन पर ही जी रहे है। खेतों में पानी नहीं मिलने से किसानों की खेती पिछड़ रही है। इस बार भी मानसून अभी तक किसानों को दगा दे रहा है।

पानी के अभाव में खेतों में धान की फसल लहलहाने के जगह धूल उड़ रहा है। किसान रोपनी की चिंता छोड़ बिचड़ा बचाने की जुगत में जुटे है। यही कारण है कि उनका गुस्सा सातवे आसमान पर था। किसानों ने जमकर प्रदर्शन किया और कहा कि अब किसान चुप बैठने वाले नहीं है। किसानों ने चौसा मोहनिनया पथ पर निकृष पंप हाउस के पास मुख्य पथ को पूरे दिन जाम कर दिया। हालांकि, पूरे दिन चले धरना प्रदर्शन के बाद शाम करीब चार बजे स्थानीय बीडीओ व सीओ के आश्वासन के बाद धरना समाप्त हुआ।

धरना पर बैठे किसान बोले किसपे किया जाए भरोसा...

अब किसका भरोसा किया जाय, विगत पंद्रह दिन पहले डीएम अंशुल अग्रवाल द्वारा पम्प हाउस का निरीक्षण किया गया। इस दौरान किसानों को आश्वस्त किया गया था। महज दस दिन बाद पम्प हाउस पानी उगलने लगेगा। लेकिन, आश्वासन का समय बीत गया। अब किसपर भरोसा किया जाय। विगत पांच वर्षों से क्षेत्र के किसानों को सिर्फ आश्वासन ही मिल रहा है कि इस वर्ष खरीफ में या अगले रबी में निकृष पम्प पानी उगलने लगेगा। सुनते-सुनते किसानों का सब्र टूट गया। इसलिए हम किसान अब सड़क पर उतरने को मजबूर हो गए। आज सिंचाई के पानी के अभाव में खेतों से धूल उड़ रहे है। ऐसे में किसान क्या करें। जबकि निकृष पम्प में महज कुछ काम सड़क के नीचे पाइप बिछा पक्के नहर से कनेक्ट करना बाकी है।

उक्त बातें निकृष पम्प हाउस का निर्माण पूरा न होने व खेती के समय उड़ रहे धूल को देख सड़क पर उतरे लगभग चार से पांच गांव के किसानों द्वारा कही गई। इस दौरान वे गुरुवार की सुबह चौसा मोहनिया पथ को निकृष पम्प के पास सड़क जाम कर दिए थे और प्रशासन मुदार्बाद के नारे लगाए हालांकि, इस जाम की खबर के बाद पहुंचे जल संसाधन विभाग के सहायक अभियंता रौशन कुमार, थानाध्यक्ष संतोष कुमार, किसानों को समझाते रहे, लेकिन किसान बड़े अधिकारियों को बुलाने की मांग पर अड़े थे। जो उन्हें सही आश्वस्त कर सके। किसान हरेंद्र राय, देवेंद्र राय, कलिका चौबे, उमा राय, ब्रजेश पांडेय, शिवशंकर राय, अरविंद कुमार मुखिया, कल्लू मुखिया, पूजा देवी जिप सदस्य, परमेश्वर सिंह , बबलू, मुन्ना सिंह आदि किसानों ने कहा रोपनी का समय बीतता जा रहा हमारे यहा रोपनी अभी नही हो पाई क्षेत्र में सूखे जैसी हालात है। कैनाल 2022 में चालू होने वाला था। लेकिन उस वक्त भी काम पूरा नहीं हुआ तो 2023 में चालू होने का आश्वासन दिया गया है। उस समय भी चालू नहीं हुआ। अप्रैल 2024 में चालू होने का समय दिया गया, यह भी फेल हो गया। कुछ दिन पहले डीएम अंशुल अग्रवाल भी निरीक्षण करने आए तो 10 दिन में चालू कराने की बात कही थी। लेकिन आज 20 दिन हो गया। अभी पंप हाउस का कार्य अधूरा पड़ा है। अब हम किसान कैसे खेती करें। बाद में बीडीओ अशोक कुमार, सीओ अनिता कुमारी के समझाने के बाद जाम हटाया गया।

इधर, जल संसाधन विभाग के सहायक अभियंता रौशन कुमार ने बताया कि निकृष पंप हाउस में सिविल का कार्य पूरा कर लिया गया है। लेकिन मैकेनिक का कार्य अभी बाकी है। लगभग 500 मीटर पाइप बिछाने के साथ ही नदी की तरफ से पाइप जोड़ने का कार्य अभी अधूरा है। नदी की तरफ से पाइप लगाने में समस्या है, क्योंकि कर्मनाशा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है।

महदह हत्याकांड: पत्नी ने अज्ञात पर की प्राथमिकी, जांच में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/बक्सर

मंगलवार की रात मुफस्सिल थाना के महदह गांव में घर के बाहर सोए दुग्ध विक्रेता की हुई हत्या मामले में बुधवार की देर शाम पुलिस ने मृतक के पत्नी के फर्द बयान पर अज्ञात के खिलाफ मुफस्सिल थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। जिसके बाद पुलिस इस हत्याकांड के मामले में नए सिरे से जांच शुरू की गई।

बता दें कि महदह के मनोज कुमार यादव प्रतिदिन की तरह खाना खाकर घर के बाहर चारपाई बिछा सोए थे। जिनका देर रात धारदार हथियार से सर पर वार कर घायल कर दिया था। जिनका इलाज के दौरान मौत हो गई। हालांकि हत्या के पीछे पुलिस द्वारा एफएसएल टीम के साथ डॉग स्कॉयड टीम बुलाई गई थी। मगर, पुलिस को कोई खास सफलता नही मिल पाई थी। हालांकि, जांच में कई तरह की चर्चा थी कि दूध विक्रेता सूद पर लेन-देन का कार्य करते थे तथा जमीन विवाद में हत्या होने की आशंका जाहिर की जा रही थी। मगर,घर वालों द्वारा मनोज की किसी अदावत न होने तथा दूसरे दिन मृतक की पत्नी कृष्णावती देवी द्वारा अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज कराए जाने से पुलिस के लिए मामला फिर से नए सिरे से जांच किये जाने के लिए तैयार होना पड़ा।

थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया महदह हत्याकांड की गुत्थी अभी सुलझी नही है। हालांकि, बहुत जल्द मामले का उद्भेदन कर दिया जाएगा। इस मामले में मृतक की पत्नी कृष्णावती देवी के फर्द बयान पर अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

बधार में पेड़ से लटकता मिला शव, मची सनसनी

केटी न्यूज/बक्सर

इटाढ़ी थाना क्षेत्र के मुरारपुर गांव के पूरब बधार में पेड़ से लटकता एक व्यक्ति का शव मिला है। जिसकी उम्र 45 वर्ष होगी। इस घटना को लेकर गांव में सनसनी फैल गई। इसकी सूचना खेतों में काम करने वाले ग्रामीण मजदूरों द्वारा थाने को दी गई। जहा पुलिस पहुंच शव की पहचान के साथ जांच में जुट गई। बताया जाता है कि उक्त युवक की पहचान कर ली गई है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार की सुबह इटाढ़ी थाने के मुरारपुर गांव के पूरब बधार में खेत में काम करने पहुंचे मजदूरों ने देखा कि आम के पेड़ से एक व्यक्ति का शव लटका हुआ है। इसकी सूचना मजदूरों द्वारा इटाढ़ी थाने को दी गई। जहा पहुंची पुलिस मृत युवक की पहचान के साथ हत्या या आत्महत्या की जांच में जुट गई। अगल-बगल के थाने को भी सूचित किया गया। मामले की जानकारी धनसोइ थाने से मिली। जहा युवक की पहचान थाना क्षेत्र के मटकीपुर पंचायत के गोसैसी डिहरा निवासी गणेश चौरसिया के रूप में हुई। बताया गया कि वे बुधवार की शाम अपनी पत्नी से कुछ पैसे मांगे थे, पैसे नहीं मिले तो वह घर से कहीं चला गए। सुबह इटाढ़ी थाने के मुरारपुर में पेड़ से लटकता उनका शव मिला।

इटाढ़ी थानाध्यक्ष रविकांत प्रसाद ने बताया कि मृतक धनसोई थाना क्षेत्र के गोसैसी डिहरा गांव निवासी गणेश चौरसिया के रूप में हुई है मृतक यहां कैसे पहुंचे इस बात की जांच की जा रही है। वही धनसोई थानाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश सिंह ने बताया कि मृतक शाम से ही अपने घर से गायब थे। इसी बीच इटाढ़ी थाने की सीमा पर उनका शव बरामद होने की सूचना मिली।

राज हाई स्कूल में प्रधानाध्यापक व शिक्षकों के नेतृत्व में चला पौधरोपण अभियान

पेड़-पौधे जीवन हैं, इनको बचाना ही लक्ष्य, एनसीसी कैडेटों ने लिया संकल्प

♦ प्रधानाध्यापक ने छात्रों को पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के राज प्लस टू हाईस्कूल में गुरुवार को एनसीसी के कैडेटों ने पौधरोपण किया। इस दौरान एनसीसी के छात्रों ने कहा कि देश में पर्यावरण को बचाने के लिए पौधरोपण जरूरी है। पौधरोपण करने से हमें ऑक्सीजन प्राप्त होती है। इसी से इंसान को सांस मिलती है। 30 बिहार बटालियन एनसीसी बक्सर के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल रितेश रंजन के निदेर्शानुसार इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्कूल के प्राचार्य अनुराग कुमार मिश्रा, एनसीसी ऑफिसर अभयानंद प्रजापति व संजय रंजन सिन्हा मौजूद रहे। इस दौरान एनसीसी कैडेट्स ने पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ पौधे रोपित कर पृथ्वी संरक्षण का संकल्प लिया।

प्रधानाध्यापक ने कहा कि पर्यावरण में पेड़ों की पूर्ण भूमिका होती है, अगर पेड़ पौधे नहीं रहे तो इंसान का जीवन नहीं बच सकता है। उन्होंने छात्रों से कहा कि पेड़-पौधे अपने घरों के आसपास भी लगाये तथा उनकी देखभाल को लेकर सजग रहे। उन्होंने कहा कि हमारा पर्यावरण तेजी से बिगड़ा है। पिछले कुछ वर्षों में पेड़ पौधों की अंधाधूंध कटाई की गई है। जिस कारण पर्यावरण में असंतुलन पैदा हो गया है। यही कारण है पिछले कुछ वर्षों में धरती का तापमान बढ़ा है तथा वर्षा भी अनियमित हो गई है। कही अति वृष्टि हो रही है तो कही बारिश हो ही नहीं रही है। उन्होंने कहा कि बिगड़ चुके पर्यावरण को बचाने का एकमात्र उपाय है कि हम अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाए तथा उसकी देखभाल करें। एनसीसी ऑफिसर संजय ने कहा कि धरती को हरा भरा रखने के लिए पेड़ पौधों का खास महत्व है। इससे हमे ऑक्सीजन प्राप्त होती है। साथ ही पर्यावरण संतुलन भी बना रहता है। पर्यावरण संतुलन के लिए पौधरोपण बेहद जरूरी है। उन्होंने कैडेटो को प्रेरित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण में एनसीसी कैडेट महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते है। उन्होंने कैडेटो को अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधा लगाने तथा दूसरों को भी पौधरोपण के लिए प्रेरित करने की सीख दी। एनसीसी कैडेट्स द्वारा विभिन्न फलदार व छायादार पौधों का रोपण उत्साह के साथ किया। कार्यक्रम का अंत कैडेट्स को धरती की हरियाली के लिए अधिक से अधिक पौधरोपण व वृक्षों की सुरक्षा का संकल्प दिलाकर किया।

एक नजर

दर्दनाक हादसा: रेलिंग तोड़ पुल से नीचे गिरी ट्रक, मालिक सह चालक की मौत

डुमरांव। एनएच 922 पर सड़क दुर्घटनाओं का दौर थमने का नाम नहीं ले रही है। गुरुवार को अहले सुबह करीब तीन बजे नया भोजपुर ओपी थाना क्षेत्र के लेवाड़ के पास एक तेज रफ्तार ट्रक कांव नदी पर बने पुल की रेलिंग तोड़ नीचे गिर गई। इस हादसा में ट्रक के बिना बैठे मालिक सह चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ट्रक को चला रहा खलासी ऐन वक्त पर ट्रक से कुद जान बचाने में सफल रहा। हालाकि उसे भी गंभीर चोट लगी है। घटना ट्रक चला रहे खलासी के झपकी आने के कारण घटित हुई है। इसकी जानकारी मिलते ही नया भोजपुर आपी पुलिस मौके पर पहुंच जेसीबी के सहारे घंटों मशक्कत कर ट्रक चालक के शव को निकाल पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेजा। मृतक की पहचान सिमरी थाना क्षेत्र के मंझवारी गांव निवासी लक्ष्मण यादव पिता रामसुशील यादव के रूप में हुई है, जबकि जख्मी खलासी उसी गांव का गुड्डू यादव है। दोनों वाहन संख्या यूपी 65 एचटी 4066 पर दनवार बिहटा से बालू लादकर पुराना भोजपुर की तरफ आ रहे थे। ट्रक को खलासी गुड्डू यादव चला रहा था और वाहन सह मालिक लक्ष्मण यादव ट्रक के केबिन में सो रहा था। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया है। गौरतलब हो कि एनएच 922 पर आए दिन ऐसी दुर्घटनाएं हो रही है। अभी 2 दिन पहले घटनास्थल से करीब 200 मीटर पूर्व कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र में दो टेलर की टक्कर में एक टेलर चालक की मौत हो गई थी। नया भोजपुर ओपी प्रभारी मनीष कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

डॉ. विनीश कुमार के नाम पर भोजपुर जिला में संचालित हो रहा है फर्जी अस्पताल

डुमरांव। बक्सर सदर अस्पताल के चिकित्सक तथा डुमरांव में देव इमरजेंसी अस्पताल का संचालन करने वाले डॉ. विनीश के नाम पर भोजपुर जिले में फर्जी तरीके से अस्पताल खोल लिया गया है। बिना इनके जानकारी के इनक सर्टिफिकेट, रजिस्ट्रेशन नंबर के साथ ही उक्त अस्पताल संचालक द्वारा बोर्ड पर इनके नाम का इस्तेमाल भी किया गया है। मामला जब भोजपुर सीएस के संज्ञान में आया तो उन्होंने डॉ. विनीश को पत्र लिख इस संबंध में जब जानकारी मांगी तब उन्हें इस बात की जानकारी मिली कि गलत तरीके से उनके नाम व रजिस्टेज्शन नंबर का इस्तेमाल किया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार भोजपुर जिले में संचालित होने वालले उक्त फर्जी हास्पिटल में डॉक्टर के रूप में डॉ. विनीश का नाम बोर्ड पर लिखा गया है। यही नहीं अस्पताल संचालक ने फर्जी तरीके से उनके रजिस्ट्रेशन का इस्तेमाल भी किया है। डॉ. विनीश ने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि भोजपुर जिले के हास्पिटल संचालक द्वारा फर्जी तरीके से उनके नाम व रजिस्टेज्शन का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने सूचना जारी कर कहा है कि वे सिर्फ डुमरांव के देव इमरजेंसी अस्पताल में ही अपनी सेवाएं देते है। इसके अलावे बक्सर या बिहार के किसी निजी अस्पताल से उनका कोई वास्ता नहीं है। उन्होंने पत्र के माध्यम से भोजपुर सीएस को इसकी जानकारी देने के साथ ही उक्त अस्पताल पर कानूनी कार्रवाई भी करेंगे।

मुद्दा: डुमरांव विधायक ने क्षेत्र के पानी संकट को लेकर विधानसभा में उठाया प्रश्न

डुमरांव। सूबे में अप्रैल महीने से ही भीषण गर्मी के कारण पानी का स्तर काफी नीचे चला गया है जिससे साधारण चापाकल भी फेल होने से दलित-महादलित बस्तियों में पीने के पानी का भारी संकट उत्पन्न हो गयी है। इस संबंध में लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग से बड़ी संख्या में चापाकल लगाने के उद्देश्य से बिहार विधानसभा में स्थानीय विधायक डॉ अजीत कुमार सिंह द्वारा तारांकित प्रश्न पूछा गया। विधायक ने बताया कि प्रश्न के प्रतिउत्तर में सरकार का जवाब जो उनके अधिकारीयों द्वारा तैयार किया गया है वो और भी आश्चर्यचकित करने वाला है। कार्यपालक अभियंता लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग बक्सर के मुताबिक बक्सर जिले के डुमरांव विधानसभा में कहीं भी पानी की समस्या ही नहीं है। जबकि वास्तविकता यह है कि नल जल योजना का शुद्ध पानी अब तक सभी घरों तक नहीं पहुंच पाया है। अरियांव मुसहर टोली व केसठ नट टोली में नल जल फेल है। रजडीहा के वार्ड संख्या 1, 2, व 3 में नल जल फेल है। रेहियां, डुमरांव वार्ड संख्या 21, ठाकुर दयाल सिंह के डेरा, धरहरा, नंदन पंचायत के वार्ड नंबर 3 में भी नल जल योजना फेल है। मुरार वार्ड नंबर 2 में पानी टंकी लगने के 3 महीने बाद से ही खराब है और आज तक नहीं बना। वहां के वार्ड नंबर 7 और 8 में ऐसे घर हैं जहां नल जल का पानी पहुंचता भी नहीं है। लगभग सभी पंचायत में किसी भी वार्ड के सभी नल से आज तक जल नहीं निकला। उन्होंने कहा कि वर्षों के बाद भी मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना धरातल पर नहीं उतर सकी लेकिन बजाय इसे ठीक करने के सरकार समस्या ही नहीं मानती है। शिकायतों के लगातार बढ़ने से सरकार ने नल-जल संचालित करने की जिम्मा पीएचईडी को दे दी। लेकिन व्यवस्था सुधरने की अपेक्षा बिगड़ती जा रही है। शुद्ध पानी पीने का सपना धरा का धरा रह गया। लोगों को यह योजना बेमानी लगने लगी है। उस पर से अधिकारीयों की मनमानी ने समस्या से ही पल्ला झाड़ कर सरकार की पीठ थपथपाने में लगी है।

भोजपुर जिले के आयर थाना क्षेत्र के आयर मोड़ के समीप हुई घटना

तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी सवार आईसक्रीम विक्रेता को रौंदा, मौत

- इलाज के लिए सदर अस्पताल लाने के दौरान रास्ते में तोड़ा दम

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले के आयर थाना क्षेत्र के आयर मोड़ के समीप बेलगाम ट्रक ने स्कूटी सवार आईसक्रीम विक्रेता को रौंद दिया। इलाज के लिए आया सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतक चरपोखरी थाना क्षेत्र के बाबूबांध गांव निवासी काशीनाथ साह का 31 वर्षीय पुत्र राजेश साह है। वह पेशे से आईसक्रीम विक्रेता था एवं स्कूटी पर आईसक्रीम लादकर गांव-गांव घूम कर बेचता था। इधर मृतक के रिश्तेदार पंकज कुमार ने बताया कि वह प्रतिदिन की भांति स्कूटी पर आईसक्रीम लादकर आयर थाना क्षेत्र के बलिगांव व लालगंज में बेचने गया था। जब वह आईसक्रीम बेचकर स्कूटी से वापस अपने गांव लौट रहा था। उसी दौरान आयर मोड़ के समीप विपरीत दिशा से आ रही बेलगाम ट्रक में उसे रौंद दिया। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी गया। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे और उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल ले आए। जहां चिकित्सक ने देख उसे मृत घोषित कर दिया। इसके पश्चात परिजन द्वारा इसकी सूचना सदर अस्पताल में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी को दी। सूचना पाकर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने तीन भाई व दो बहन में दूसरे स्थान पर था। उसके परिवार में मां कुंती देवी,पत्नी सीमा देवी व दो पुत्री खुशी, केडी एवं एक पुत्र पियूष है। घटना के बाद मृतक के घर में हाहाकार मच गया है। घटी इस घटना के बाद मृतक की मां कुंती देवी,पत्नी सीमा परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं दूसरी ओर इस घटना के बाद चालक अपना ट्रक लेकर भागने में सफल रहा।

ऑटो ने सड़क किनारे टहल रहे युवक को रौंदा, मौत

आरा। गड़हनी थाना क्षेत्र के बगवां गांव स्थित शहीद गेट के समीप गुरुवार की सुबह अनियंत्रित ऑल्टो कार ने मॉर्निंग वॉक पर निकले अधेड़ को रौंद दिया। हादसे में उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं मृतक को रौंदने के बाद ऑल्टो कार भी अनियंत्रित होकर चार्ट में पलट गई। इसके बाद ऑल्टो पर सवार अन्य सवारी मौके से फरार हो गए। जबकि स्थानीय ग्रामीणों ने चालक को पकड़ लिया। इसके पश्चात ग्रामीणों द्वारा इसकी सूचना गड़हनी थाना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर गड़हनी थानाध्यक्ष रणवीर कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और उक्त चालक को गिरफ्तार कर ऑल्टो कार को भी जब्त कर लिया है। उसके बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। जानकारी के अनुसार मृतक गड़हनी थाना क्षेत्र के बगवां गांव वार्ड नंबर 3 निवासी सूरज साह के 58 वर्षीय पुत्र कामेश्वर साह है एवं वह पेशे से मजदूर थे। इधर मृतक के बेटे रोहित कुमार ने बताया कि वह हर रोज सुबह टहलने के लिए सड़क पर जाते थे। गुरुवार की सुबह भी वह सड़क किनारे टहलने के लिए गए थे। उसी दौरान पीछे से आ रही अनियंत्रित ऑल्टो कार ने उन्हें रौंद दिया। जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इसके बाद टक्कर मारने के बाद ऑल्टो कर भी अनियंत्रित होकर चार्ट में पलट गई। इसके बाद स्थानीय लोगों द्वारा इसकी सूचना परिजनों को मिली। सूचना पर परिजन फॉरेन वहां पहुंचे और उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। बताया जाता है कि मृतक अपने तीन भाई व में छोटा था। उनके परिवार में पत्नी प्रभा देवी,दो पुत्री बेबी कुमारी,निशा कुमारी व दो पुत्र सन्नी कुमार एवं रोहित कुमार है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। घटी इस घटना के बाद मृतक की पत्नी प्रभा देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है

दोहरे हत्याकांड का खुलासा, पुलिस ने हथियार के साथ तीन को दबोचा

- दोहरे हत्याकांड का एसडीपीओ संजय ने किया खुलासा
- बक्सर जिले के दो युवकों की गोली मारकर हुई थी हत्या

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

स्थानीय थाना परिसर में गुरुवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार संजय ने दोहरे हत्याकांड का किया खुलासा। प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने बताया कि 18 जुलाई 2024 को धारूपुर गांव से पश्चिम डुमरांव लाइन नहर घाट के पास सूर्य मंदिर के सामने दो अज्ञात शव जिसकी हत्या गोली मारकर की गई थी । जिसकी पहचान विनय कुमार उर्फ गंगासागर पिता हृदयानंद यादव ग्राम मनपा थाना मुरार जिला बक्सर तथा दूसरे शव की पहचान हिमांशु कुमार उर्फ प्रदीप राव पिता अरुण कुमार सिंह ग्राम खड़हना थाना सिमरी जिला बक्सर के रूप में हुई थी। इसे लेकर एक टीम गठित की गई थी। गठित टीम ने अनुसंधान के क्रम में तीन संदिग्ध को पकड़ा गया, जिससे पूछताछ में इस घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार किया । उन्होंने हत्याकांड में शामिल हथियार के बारे में भी बताया। जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया। इस घटना को तीनों द्वारा एक दूसरे की हत्या करने को लेकर झांसे में लाकर गोली मारकर हत्या करने की बात का पता चला है। दोहरे हत्याकांड में संलिप्त गिरफ्तार अभियुक्त धारूपुर निवासी दिलीप पंडित के 24 वर्षीय पुत्र विकास कुमार उर्फ विकास पंडित ,भरत सिंह के 19 वर्षीय पुत्र चंदन कुमार एवं स्वर्गीय सत्येंद्र सिंह के 20 वर्षीय पुत्र विकास कुमार को गिरफ्तार किया गया है । इनके पास से एक देशी पिस्टल, चार जिंदा गोली, 03 मोबाइल एवं एक पल्सर बाइक को जब्त किया गया है।

एक नजर

बक्सर के कामगर की उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में मौत, गांप में पसरा मातम

बक्सर। बक्सर के एक कामगर की यूपी के मुजफ्फरनगर शहर में अचानक मौत हो गई है। घटना मंगलवार की शाम चर बजे की है। मृतक बक्सर सदर प्रखंड के कुल्हड़िया गांव का रहने वाला था तथा करीब 28-30 वर्ष से मुजफ्फरनगर में मजदूरी कर अपने परिवार का जीवीकोपार्जन करता था। गुरूवार को बक्सर के मुक्तिधाम चरित्रवन में उसका अंतिम संस्कार किया गया। जानकारी के अनुसार वह मंगलवार की शाम करीब चार बजे अपने किराए के घर से ड्यूटि के लिए निकला था। लेकिन, रास्ते में अचानक साइकिल से गिर गया। पुलिस द्वारा उसे उठाकर अस्पताल पहुंचाया गया। जहां, डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद से पीड़ित परिवार में कोहराम मच गया। मृतक की पत्नी अंजू यादव 10 वर्षीय पुत्र सर्वजीत तथा छह वर्षीय बेटी कोमल का रो रोकर बुरा हाल था। परिजनों की माने तो घर में वही एकमात्र कमाउ सदस्य था तथा वह अपने बच्चों की अच्छी परवरिश तथा उन्हें उच्च शिक्षा दिलाने की लालसा में हाड़तोड़ मेहनत करता था। लेकिन, उसके मौत से सारे अरमान टूट गए है। यही कारण है कि घटना के तीसरे दिन भी पत्नी तथा बच्चों के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहा था। वही, अन्य परिजनों का भी यही हाल था।

एक माह बाद अखिलेश हत्याकांड की गुत्थी सुलझी, हत्यारा गिरफ्तार

बक्सर। बक्सर के सोहनी पट्टी निवासी स्व. घनश्याम प्रसाद के पुत्र अखिलेश कुमार की हत्या चोरी के पैसे के बंटवारे के विवाद में हुई थी। पुलिस ने करीब एक महीने बाद इस हत्याकांड की गुत्थी सुलझाते हुए उसके हत्यारे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। अखिलेश का हत्यारा चोरी के वारदात में उसका पार्टनर रहा बारी टोला के सुनील वर्मा का पुत्र आकाश वर्मा निकला। पुलिस की पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। नगर थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने पूछताछ के दौरान आकाश ने बताया कि दोनों ने मिलकर एक टीन शेड की चोरी की थी, जिसे बेचने के बाद जो पैसा मिला उसके बंटवारे के लिए जमुना चौक स्थित एक पुराने मकान में दोनों एकत्रित हुए थे। उस दौरान दोनों नशे की हालत में थे तथा पैसा बंटवारे के दौरान दोनों के बीच विवाद हो गया तथा मारपीट शुरू हो गई। गंभीर चोट लगने के कारण अखिलेश की मौके पर ही मौत हो गई थी। दो तीन दिन बाद जब शव से दुर्गंध उठने लगा था तब आस पास के लोगों की शिकायत पर पुलिस ने शव को बरामद किया था तथा उसकी पहचान सोहनी पट्टी क अंबेडकर नगर निवासी अखिलेश के रूप में हुई थी। इस हत्याकांड की अनुसंधान कर रही पुलिस को पता चला था कि उसके साथ बारी टोला का आकाश वर्मा नाम का युवक रहता था। तब पुलिस ने आकाश को पकड़ पूछताछ किया तो उसने अपना जुर्म कबूलते हुए अखिलेश की हत्या की पूरी दास्तान पुलिस को सुना दी। इसके बाद पुलिस ने उसे जेल भेज दिया। वही जानकारों का कहना है कि अखिलेश बक्सर से बाहर कही नौकरी करता था तथा मौत होने के तीन चार दिन पहले ही अपने घर आया था।

पेयजल की समस्या से जूझ रहे हैं रामपुर वार्ड नंबर चार के निवासी, जलस्तर गया नीचे

केसठ। प्रखंड अंतर्गत रामपुर पंचायत के स्थानीय गांव के चार नंबर वार्ड में इन दिनों पेयजल की समस्या गंभीर हो गई है। चापाकल का जलस्तर काफी नीचे चला गया है जिसके चलते चापाकल पानी देना बंद कर दिया है। इस वार्ड में मात्र एक चापाकल पीएचईडी विभाग द्वारा लगाया गया ही चालू है। जिससे लोगों का काम चल रहा है। यह चापाकल ताजिया चौक के पास अवस्थित है। जिस पर सुबह होते ही गैलन, बाल्टी के साथ अनेकों महिला पुरुषों की भीड़ लग जाती है। आगाह पानी भरने के लिए आपस में तू तू मैं मैं का सवाल उत्पन्न होने लगता है। इस तरह का मामला गुरुवार को सुबह देखा गया। जहां की पानी भरने के लिए लोग आपस में तू तू मैं मैं करते नजर आए। जैसे लगता था कि आपस में लोग झंझट कर देंगे। लोगों के अनुसार इस वार्ड में नल जल योजना भी है, लेकिन नल जल योजना का मोटर विगत 10 दिनों से जल गया है। जिसके चलते और समस्या उत्पन्न हो गई है। मोटर के संबंध में उक्त वार्ड के शमीम अंसारी, हैदर अली, आलमगीर अंसारी, राहुल यादव, छोटे यादव, भोला सोनार, शिवलाल केसरी, छोटक कोहार, अफराज अंसारी आदि ने बताया कि इस संबंध में संबंधित लोगों को कई बार सूचित किया जा रहा है लेकिन आज कल का आश्वासन मिल रहा है। लोगों का कहना है कि अगर नल जल सुरक्षित रहता तो पेयजल की समस्या उत्पन्न नहीं होती। लोगों का कहना है कि एक चापाकल पर सारे लोगों का भीड़ लग जाता है, जिससे झगड़ा झंझट होने की संभावना बनी रहती है। अगर इस पर संबंधित लोगों द्वारा ध्यान दिया जाता है तो इस तरह की समस्या उत्पन्न नहीं होती। लोगों द्वारा संबंधित विभाग से नल जल योजना को दुरुस्त कराने के लिए अपील किया जा रहा है

प्रीमियम जमा करने में आरा को मिला प्रथम स्थान

आरा। डाक निदेशालय, नई दिल्ली द्वारा डाक जीवन बीमा के लिए चलाये गए स्पेशल ड्राइव में भोजपुर डाक प्रमंडल ने डाक जीवन बीमा के नया व्यवसाय करने और प्रीमियम जमा करने के क्षेत्र में एक और कीर्तिमान बनाते हुए बिहार सर्किल में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। डाक अधीक्षक पवन कुमार वर्मा ने बताया कि 24 जुलाई 2024 को डाक निदेशालय, नई दिल्ली द्वारा देशभर में डाक जीवन बीमा का स्पेशल ड्राइव चलाया गया। जिसमें भोजपुर डाक प्रमंडल ने एक दिन में लगभग 100 लोगों का करीब 5 करोड़ (बीमित राशि) का बीमा किया है । इस ड्राइव को सफल बनाने के लिए विकास पदाधिकारी मनोरंजन कुमार सिंह व डाक सहायक कुमार अमित ने भोजपुर डाक प्रमंडल के सभी सेल्स फोर्स को स्पेशल ड्राइव के दो-तीन दिनों पहले से ही अधिक से अधिक ग्राहकों से सम्पर्क करने और अधिकतम व्यवसाय कर प्रीमियम जमा करने के लिए उत्प्रेरित किया गया। इस ड्राइव में केशव पाण्डेय, आदित्य नारायण, जीतेन्द्र तिवारी, काजल कुमारी एवं अफरोज आलम ने बेहतरीन प्रदर्शन कर भोजपुर को प्रथम स्थान प्राप्त कराने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

खबरें फटाफट

ड्रग्स के साथ एक तस्कर गिरफ्तार, पूछताछ जारी

बिक्रमगंज। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार संजय ने बिक्रमगंज थाना परिसर में प्रेसवार्ता करते हुए बताया कि सूर्यपुरा पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि श्रीनाथ पासवान उर्फ बचनी पासवान उम्र 45 वर्ष पिता विंध्याचल पासवान ग्राम धर्मागतपुर थाना सूर्यपुरा द्वारा अपने घर में हीरोइन मादक पदार्थ छिपाकर बिक्री करते हैं। जिस सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु सूर्यपुरा थाना के प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष कंचन राज , पुलिस अवर निरीक्षक प्रिया कुमारी सहित अन्य लोगों के साथ छापेमारी दल गठित कर दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति में सीओ रजत कुमार वर्णवाल के उपस्थिति में उपरोक्त श्रीनाथ पासवान उर्फ बचनी पासवान के घर पर विधिवत छापेमारी की गई। जिस क्रम में कुल डिब्बा सहित 133 ग्राम हीरोइन मादक पदार्थ के साथ पकड़े गए।

बैंक में असफल चोरी का प्रयास करने वाला चोर गिरफ्तार

आरा। मुफस्सिल थाना को सुबह एक सूचना प्राप्त होती है कि मुफस्सिल थाना अंतर्गत सरैया बाजार में स्थित एक दक्षिण बिहार ग्रामीण विकास बैंक में रात्रि में ग्रिल को मोड़कर चोरी करने का असफल प्रयास किया गया था लेकिन चोर गेट पर स्थित केवल एक बायोमेट्रिक स्कैनर जिससे अटेंडेंस होता था ले गए थे। सूचना प्राप्त होते ही मुफस्सिल थाना अध्यक्ष और अन्य सीनियर पदाधिकारी घटनास्थल का निरीक्षण करने के उपरांत त्वरित कार्रवाई करते हुए एक प्राथमिक की दर्ज की जाती है तथा सूचना संकलन सीसीटीवी फुटेज के आधार पर 24 घंटे के अंदर इस घटना में सम्मिलित दो अभियुक्त में से एक अभियुक्त मंटू पासवान पिता राजकुमार पासवान सरैया को गिरफ्तार कर लिया गया तथा इसके पास से अटेंडेंस वाला एक बायोमेट्रिक स्कैनर भी बरामद कर लिया गया इस घटना में इस अभियुक्त के साथ एक और अभियुक्त शामिल था जो इसका साथी था उसका नाम पता स्थापित हो गया है फिलहाल वह फरार हो गया है उसकी गिरफ्तारी के लिए टीम जगह-जगह छापामारी की जा रही है। जल्द उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

करंट की चपेट में आने से खेत में काम कर रहे मजदूर की मौत

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले के सहार थाना क्षेत्र के हनुमान छपरा गांव में गुरुवार की सुबह करंट की चपेट में आने से खेत में काम कर रहे एक मजदूर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतक सहार थाना क्षेत्र के हनुमान छपरा (एकवारी) गांव निवास स्व. घूरफेकन राम के 45 वर्षीय पुत्र राजेंद्र राम है एवं वह पेशे से मजदूर थे। उधर घटना के बाद मृतक के परिजन एवं स्थानीय ग्रामीणों का आक्रोश भड़क उठा। जिसके बाद आक्रोशित ग्रामीण एवं मृतक के परिजन द्वारा मुआवजे की मांग को लेकर आरा-अरवल मार्ग पर एकवारी बस स्टैंड के समीप शव को सड़क के बीच रख सड़क जाम कर दिया। आक्रोशित लोगों द्वारा करीब चार घंटे तक सड़क जाम रखा गया। सड़क जाम होने का कारण सड़क के दोनो तरफ वाहनों की लंबी कतारे लगी रही एवं आवागमन पूरी तरह ठप रहा। चार घंटे तक जब वहां पर कोई अधिकारी नहीं पहुंचे तो उनके शव को वहां से उठाकर पेरहाप गांव स्थित पावर ग्रेड के पास ले जाकर सड़क जाम कर दिया। करीब डेढ़ घंटे तक वहां भी आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम रखा। सड़क जाम की सूचना पाकर सहार थाना पुलिस,सहार प्रखंड के सीईओ एवं बिजली विभाग के जेई वहां पहुंचे और बीस हजार का अनुदान राशि दिया और जल्द ही मुआवजा भी देने आश्वासन दिया। जिसके बाद जाम हट पाया। इसके पश्चात पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। इधर मृतक के बेटे विकाश कुमार ने बताया कि गुरुवार की सुबह गांव बधार में स्थित खेत में बिचड़ा डालने गए थे। वह जिस खेत में बिचड़ा डाल रहे थे। उसी खेत में ट्रांसफार्मर लगा हुआ था। उसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गए।

चोरों ने दो दुकानों को बनाया निशाना लाखों के सामान पर किया हाथ साफ

- दुकान की दीवार तोड़कर लाखों रुपये मूल्य के मोबाइल ले गये अपने साथ
- चोरों ने पिछले 10 दिनों के भीतर 4 जगहों पर चोरी की बडी वारदात को दिया है अंजाम

केटी न्यूज/जहानाबाद

मखदुमपुर थाना से लगभग 2 किलोमीटर की दूरी पर पिछले 10 दिनों के भीतर 4 जगहों पर चोरी की बडी वारदात को अंजाम दिया है। चोरों ने बीती रात पाई बीघा मोड़ स्थित दो दुकानों को निशाना बनाया है। पहला निशाना मोबाइल दुकान को बनाया। मोबाइल दुकान में दीवार तोड़कर लाखो की चोरी को अंजाम दिया है। दुकानदार सन्नी कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि हर दिन की तरह वह देर शाम अपनी दुकान बंद कर घर चले गये थे। सुबह उन्हें सूचना दी गई कि आपके दुकान में चोरी हो गई हैं। सूचना सुन कर दुकान पहुंचा तो देखा कि दुकान का पिछला हिस्सा टूटा पड़ा हैं साथ ही एक शेटर भी डैमेज है। और दुकान में रखा सारा कीमती मोबाइल और लैपटॉप गायब है। दुकानदार ने बताया कि लगभग डेढ़ लाख का नुकसान है। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। वही दूसरी वारदात पाईबीघा मोड़ पर ही एक मिल में सेंधमारी कर आटा और तेल चोर ले भागा हैं। दोनों की घटनाओं की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। स्थिति का जायजा लेते हुए आसपास के इलाके में छानबीन की। परंतु पुलिस को कोई सुराग नहीं मिल पाया। पुलिस अब भी खाली हाथ है। ऐसे में व्यवसायियों के बीच आक्रोश बढ़ता जा रहा है। बता दे कि इस लाइन में ये पहले वारदात नहीं है इससे 8 दिन पूर्व भी बन्द मकान और एक मोटरसाइकिल चोरी की वारदात को अंजाम दिया जा चुका है। चोरों के हौसले इतने बुलन्द हैं की मखदुमपुर को अपने आतंक से हिला रखा है। वहीं पुलिस कुछ नहीं कर रही है।

कारगिल शहीदों के सम्मान में भाजयुमो ने निकाला मशाल जुलूस, जलाया अखंड दीप

केटी न्यूज/बक्सर

कारगिल विजय दिवस के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर पूर्व संख्या पर भारतीय जनता युवा मोर्चा ने बक्सर जिला मुख्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। जिसमें भाजपा के प्रदेश मंत्री रत्नेश कुशवाहा के नेतृत्व कोइरपुरवा से कारगिल विजय स्मारक तक मशाल जुलूस निकाल कर अखंड दीप प्रज्ज्वलित किया गया। वहां 24 घंटे की अखंड दीप प्रज्वलित कर कारगिल युद्ध में शहीद अमर जवानों को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान प्रदेश मंत्री रत्नेश कुशवाहा ने कहा कि साल 1999 में पाकिस्तानी की तरफ से आए घुसपैठी आतंकी और पाकिस्तानी सैनिक चोरी-छिपे कारगिल की पहाड़ियों में घुस आए थे। भारतीय सेना ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन विजय की शुरूआत की। इस दौरान हजारों घुसपैठियों और पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट उतारा गया। इस युद्ध का अंत 26 जुलाई को हुआ।

भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष भोला सिंह ने कहा कि हमारे देश के जवानों ने जिस प्रकार से पाकिस्तान के परमाणु शक्ति को प्राप्त करने के बाद कारगिल युद्ध में उन्हें हमारे देश की मिट्टी से खदेड़ा था उस बहादुरी के प्रति भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह निष्ठा रखती है। मौके पर कार्यक्रम प्रभारी अन्जय चौबे, युवा मोर्चा प्रदेश प्रभारी दुर्गेश सिंह, रत्नेश जी, अक्षय ओझा, अभिनंदन मिश्रा, गोलू मिश्रा, सौरभ तिवारी बिमलेश सिंह, महावीर गुप्ता, सतेंद्र पाण्डेय,

चुनाव में निर्विरोध चुने गए नोखा प्रखंड के प्रमुख एवं उपप्रमुख

केटी न्यूज/नोखा

अनुमंडल पदाधिकारी कार्यालय में नोखा प्रखंड प्रमुख एवं उप प्रमुख का चुनाव संपन्न हुआ। जिसके तहत 18 पंचायत समिति सदस्य में 10 पंचायत समिति सदस्य अनुमंडल पदाधिकारी सासाराम में चुनाव प्रक्रिया में भाग लिया। जिसके तहत प्रमुख पद हेतु एक नामांकन अरविंद चंद्रवंशी ने किया। जबकि विपक्ष में किसी प्रत्याशी द्वारा नामांकन नहीं किया गया। जिसके तहत अरविंद चंद्रवंशी नोखा प्रखंड प्रमुख के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। जबकि उप प्रमुख पद हेतु पुष्पा देवी के द्वारा नामांकन किया गया। जिनके विरुद्ध में किसी अन्य प्रत्याशी द्वारा नामांकन नहीं होने के वजह से अनुमंडल पदाधिकारी सासाराम ने पुष्पा देवी को उप प्रमुख पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया। जिनके विजयी होने पर समर्थकों ने रंग गुलाल उड़ा मिठाई खिला जीत का जश्न मनाया। बधाई देने वानलों में नागेंद्र चंद्रवंशी, रिंकू सिंह, रूपेश चंद्रवंशी, राकेश कुमार, मुन्ना, अजय कुमार मिश्रा, डब्लू, वीरेंद्र सिंह भूली, अक्षयबर कुमार सिंह, जितेंद्र सिंह, अयोध्या गिरी, मुरली तिवारी सहित अन्य शामिल रहे।

रोहतास जिले में एमडीए अभियान को सफल बनाने के लिए प्रखंड प्रमुखों को किया गया उन्मुखीकरण

फाइलेरिया के लक्षण दिखने पर नजरअंदाज न करें: डीएमसी

केटी न्यूज/सासाराम

आगामी फाइलेरिया उन्मूलन अभियान को लेकर आगमी 10 अगस्त से एमडीए की शुरूआत की जानी है इसके पूर्व लोगों को फाइलेरिया के साथ-साथ एमडीए अभियान की जानकारी देने में स्वास्थ्य विभाग के साथ सहयोगी संस्थाएं जुट गई है। उसी के तहत बुधवार को सासाराम के जिला परिषद सभागार में जिले के सभी प्रखंड प्रमुख, बीपीआरओ एवं कार्यपालक सहायकों को फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर चलाए जाने वाला एमडीए अभियान की जानकारी दी गई। विरामल स्वास्थ्य के प्रोग्राम लीडर (संचारी रोग) हेमंत कुमार ने वहां मौजूद सभी पंचायती राज विभाग के जन प्रतिनिधियों के साथ-साथ अधिकारियों, कार्यपालक सहायकों को फाइलेरिया के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दिया। उन्होंने बताया कि यह एक संक्रामक बीमारी है जो क्यूलेक्स नमक मादा मच्छर के काटने से फैलता है। उन्होंने बताया कि यह बीमारी यदि एक बार हो जाए तो इसे ठीक नहीं किया जा सकता है। उन्होंने इस बीमारी होने के कारण और इसके लक्षण भी बताया।

लक्षण को ना करें नजरअंदाज : पीसीआई के डीएमसी आशीष रावत ने वहां मौजूद जनप्रतिनिधियों को बताया कि यह एक खतरनाक बीमारी है। उन्होंने बताया कि इस बीमारी का लक्षण मुख्यतः 12 से 15 साल के बाद दिखाई देता है। इस बीमारी का थोड़ा सा भी लक्षण लक्षण दिखाई दे तो इसे नजरअंदाज ना करें। आशीष रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बीमारी से हमारा पूरा बिहार ग्रसित है, जिसमें रोहतास जिला भी शामिल है। रोहतास जिले में माइक्रोफाइलेरिया दर काफी ज्यादा है इसलिए हम इसे नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं।

फाइलेरिया का दवा पूरी तरह सुरक्षित : फाइलेरिया विभाग से आए वीडीसीओ गौरव कुमार एवं रोशन कुमार सिंह ने बताया कि एमडीए के दौरान खिलाई जाने वाली दवाएं पूरी तरह से सुरक्षित है। इससे किसी प्रकार का कोई नुकसान या साइड इफेक्ट्स नहीं होता है। बताया गया कि यदि दवा खाने के बाद उल्टी, मिचली, सिर दर्द, चक्कर जैसा लक्षण दिखाई दे तो इससे घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि यह तभी होता हैं जब लोगों में फाइलेरिया के परजीवी मर रहे हो। इसलिए यह एक अच्छा संकेत है। दवा खाने के बाद परजीवी पर असर होते ही इस तरह के लक्षण दिखाई देते है।

जगह जगह छापेमारी से जनपद में मचा हड़कंप : एडीजी व डीआईजी ने किया अवैध वसूली का भंडाफोड़, एसपी व एएसपी का हुआ तबादला

बड़ी कार्रवाई: नरहीं थाना प्रभारी, चौकी इंचार्ज समेत सभी 9 पुलिसकर्मी सस्पेंड; मामले में कुल 18 लोगों का हुआ चालन

- छिपेमारी में मौक से 50 से अधिक मोबाइल एवं दर्जनों से अधिक बाइक भी किए गए जब्त
- इस दौरान घंटों तक थाने में डटे रहे सभी आला अधिकारी

केटी न्यूज/बलिया

जनपद के नरहीं थाना के चर्चित वसूली केन्द्र यूपी बिहार की सीमा स्थित भरौली चौराहा पर एडीजी वाराणसी पीयूष मोरडिया व डीआईजी आजमगढ़ वैभव कृष्ण ने बुधवार की देररात में छापेमारी की। अधिकारियों ने यह कार्रवाई शराब, पशु तस्करी, लाल बालू तस्करी आदि की शिकायत पर की। मौके से अधिकारियों ने दो पुलिसकर्मी समेत 18 को हिरासत में ले लिया। छापे में मौक से 50 से अधिक मोबाइल, दर्जनों से अधिक बाइक भी पुलिस ने कब्जे में लिया।

नरहीं थाना में घंटों तक डीआईजी, एसपी, एएसपी मौजूद रहे व कार्रवाई करने में जुटे रहे। आधिकारियों ने थाना प्रभारी का कमरा सील कर दिया और पुलिसकर्मियों के बॉक्स को खंगाला। डीआईजी वैभव कृष्ण ने बताया कि छापे मे मौके से 37500 नगद बरामद हुआ है। बताया कि नरही थाना प्रभारी समेत नौ पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया गया है। यह भी बताया कि अवैध वसूली मे संलिप्तता मे कोरंटाडीह चौकी के प्रभारी समेत चौकी के सभी पुलिसकर्मियों को भी सस्पेंड किया गया है। अवैध वसूली में कुल नौ पुलिसकर्मी हैं। सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। दो सिपाही समेत 18 लोगों का चालान किया गया है।

जनपद में पुलिस की उगाही और वसूली का खेल कोई नया नहीं है, लेकिन पहली बार बलिया पुलिस के इस कारनामे से पूरा महकमा शर्मिंदा है। दरअसल डीआईजी आजमगढ़ और एडीजी वाराणसी की संयुक्त रेड में बलिया के नरही थाने को लेकर खुलासा ही ऐसा हुआ है। इसमें अब निलंबन और गिरफ्तारियों का दौर शुरू हो गया है। उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जिले बलिया में पुलिस खुल कर उगाही और वसूली का खेल करती है। अब तक यह बात केवल कही जाती थी, लेकिन अब डीआईजी आजमगढ़ और एडीजी वाराणसी की संयुक्त रेड में यह बात दस्तावेजों में आ गई है। बलिया पुलिस की इस हरकत से पूरा महकमा शर्मिंदा हो रहा है। अब खुद डीजीपी प्रशांत कुमार ने मामले को संज्ञान में लेते हुए एडीजी वाराणसी को आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए है।

बालू, गाय एवं शराब तस्करी में संलिप्त होने की सूचना पर हुई कार्रवाई

एक साथ तीन जगह दी दबिश

डीआईजी आजमगढ़ वैभव कृष्णा के मुताबिक चार दिन पहले ऐसी जानकारी आई थी कि बलिया पुलिस के कुछ कर्मचारी भरौली चेकपोस्ट पर उगाही करते हैं। पुलिस कर्मी बालू, शराब व गाय की अवैध तस्करी में संलिप्त हैं। इसके लिए इन पुलिसकर्मियों की विधिवत ड्यूटी लगती है। इस इनपुट के बाद एडीजी वाराणसी और डीआईजी आजमगढ़ की संयुक्त टीम बनी और बुधवार की देररात एक साथ भरौली चेकपोस्ट, कोरंटाडीह पुलिस चौकी और नरही थाने में दबिश दी गई। इस दबिश में दोनों वरिष्ठ आईपीएस खुद भी मौजूद रहे।

दीवार कूदकर भागे नरहीं एसओ

दोनों अधिकारियों ने इस रेड की इतनी गोपनीयता रखी कि इसकी सूचना एसपी बलिया को भी नहीं दी। इस रेड के दौरान भरौली चेकपोस्ट पर उगाही का खेल पकड़ा गया। वहीं चौकी में तो कोई नहीं था, लेकिन चौकी इंचार्ज थाने में नरहीं थाना प्रभारी के सामने उगाही का हिसाब देते देख लिए गए। जैसे ही पुलिसकर्मियों को पता चला कि डीआईजी और एडीजी की टीम ने रेड किया, सभी पुलिसकर्मी थाना छोड़ कर भागने लगे। नरही थाना प्रभारी तो सात फुट ऊंची थाने की चाहरदीवारी कूद कर फरार हो गए।

रडार पर बक्सर जिले के कई थानों की पुलिस व अधिकारी भी

बलिया। वैसे एडीजी और डीआईजी की छापेमारी में सिर्फ बलिया पुलिस ही कार्रवाई की जद में आई है। जबकि सूत्र की मानें तो इसमें बिहार प्रांत के बक्सर जिले के कई थानों के पुलिस भी इसमें संलिप्त है। लेकिन इनका काम सिर्फ कुंवर सिंह सेतु के उस पार तक ही है। जिसके चलते हैं वह एडीजी और डीआईजी की छापेमारी में पकड़ में नहीं है और इस पर छापेमारी की भनक लगते ही बक्सर के थानों के पुलिसकर्मी हवा की रफ्तार में गायब हो गए। सूत्र की मानें तो एडीजी और डीआईजी बिहार पुलिस के उच्चाधिकारियों से बात की है। ऐसे में एक बात तो तय है कि कार्रवाई का सिलसिला अभी भी जारी रहेगा। वहीं, अधिकारियों का कहना है कि थानेदार की जब्त की गई वसूली रजिस्टर की जांच में बक्सर जिले के तस्करों के साथ वहां के इंडस्ट्रीयल थाना, उत्पाद विभाग और यातायात विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों का भी काला चिट्ठा खुलेगा। जिसके बाद मोबाइल सर्विलांस व कॉल डंपिंग के आधार पर उक्त अधिकारियों का लोकेशन व गतिविधियों के आधार पर तस्करी के खेल में बक्सर जिले के संलिप्त अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए वहां के जिला पदाधिकारी व पुलिस अधीक्षक से पत्राचार किया जाएगा।

हटाए गए बलिया एसपी व एएसपी

योगी सरकार ने बलिया में नरही थाने की वसूली मामले में बड़ा ऐक्शन लिया है। योगी सरकार ने बलिया एसपी देव रंजन वर्मा और एएसपी दुर्गा प्रसाद तिवारी को हटाया गया है। दोनों अधिकारियो उनको वेटिंग लिस्ट में डाल दिया है। इसके अलावा सीओ सदर को निलंबित कर दिया है। साथ ही सीओ, नरही थानाध्यक्ष और कोरंटाडीह पुलिस चौकी इंचार्ज के विरुद्ध उनकी संपत्ति के संबंध में योगी सरकार ने जांच के आदेश दिए हैं। वहीं, मामले में थानाध्यक्ष पन्नेलाल, कोरंटाडीह चौकी प्रभारी उ.नि. राजेश कुमार, आरक्षी बलराम सिंह, आरक्षी हरिदयाल, आरक्षी सतीष गुप्ता, हे. कॉ. विष्णु यादव, रविशंकर यादव, विवेक शर्मा, जितेश चौधरी, विरेंद्र राय, सोनू सिंह, अजय कुमार पांडेय, विरेंद्र सिंह यादव, अरिवंद यादव, रमाशंकर चौधरी, जवाहिर यादव, धर्मेंद्र यादव, विकास राय, हरेंद्र यादव, सलाम अंसारी, आनंद कुमार ठाकुर व दिलीप कुमार यादव पर नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है।

छापेमारी के दौरान नरहीं थाने में खड़े आला अधिकारियों के वाहन।

छापेमारी के बाद नरहीं थाने में खड़ी सभी जब्त बाइक।

एआरटीओ ऑफिस पर औचक छापेमारी, दो दलाल व चार कर्मचारी पकड़े गये

बलिया। जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार के निर्देश पर सीडीओ ओजस्वी राज ने एआरटीओ आफिस पर औचक छापेमारी की। इस दौरान 2 दलाल व स्मार्ट चिप कम्पनी के 4 कर्मचारी पकड़े गये। सभी को सुखपुरा थाने को सौंप दिया गया, जहां उनके विरूद्ध कार्रवाई की जा रही है। संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय पर अव्यवस्था व दलालों के सम्बन्ध में शिकायत पूर्व में जिलाधिकारी को मिली थी। इस पर जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी, सिटी मजिस्ट्रेट व सीओ सिटी को औचक निरीक्षण करने के लिए एआरटीओ कार्यालय पर भेजा। सीडीओ अचानक पहुंचे व कर्मचारियों से पूछताछ करनी शुरू कर दी। इस दौरान संदिग्ध जवाब मिलने पर दो दलालों को पकड़ लिया। इसके अलावा स्मार्ट चिप कम्पनी के चार कर्मचारियों की भी संलिप्तता संज्ञान में आने पर उन्हें भी पकड़ लिया गया। सभी को विधिक कार्रवाई के लिए सुखपुरा थाने को सौंप दिया गया। सीडीओ ने सभी कर्मचारियों को साफ शब्दों में चेतावनी दी कि कार्यालय में आने वाले लोगों का कार्य समयबद्ध व नियमानुसार किया जाए। किसी भी आम लोगों को किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़े, अन्यथा सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी की जवाबदेही तय करते हुए कड़ी कार्रवाई की।

खबरें फटाफट

पेड़ से टकराकर दो युवकों की मौत

बलिया। खेजुरी थाना क्षेत्र के पचखोरा-करम्मर मार्ग पर गुरुवार की सुबह दो युवकों की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बता दें कि करम्मर गांव निवासी संतोष पासवान (32) स्व गुलाब चंद्र तथा नरेश भारती (35) स्व. शिव गोविन्द राम गुरुवार की सुबह पचखोरा बाजार से सामान की खरीदारी कर दोनों गांव लौट रहे थे। जैसे ही दोनों करम्मर पुलिया से करीब 100 मीटर आगे बढ़े कि उनकी बाइक के सामने बकरी आ गई। जिसके चपेट में बाइक आ गई और अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। देखते ही देखते घटनास्थल पर भारी भीड़ इकट्ठा हो गई।

महाहर धाम : तेरहमुखी शिवलिंग का हुआ रुद्राभिषेक

गाजीपुर। जनपद की पौराणिक नगरी महाहर धाम में बृहस्पतिवार को तेरहमुखी शिवलिंग का रुद्राभिषेक एवं श्रृंगार कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। जनपद की सबसे पुरानी समाजिक संस्था शारदा ज्योति समाज परिवार के तत्वावधान में विगत अठारह वर्षो की भांति इस 19वें वर्ष भी बृहस्पतिवार को तेरहमुखी शिवलिंग का विधि विधान पूर्वक रुद्राभिषेक, श्रृंगार एवं विशेष आरती का आयोजन सावन माह के चौथे दिन पूरे हर्षोउल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ गणपति, गौरी एवं महादेव के वंदना व दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। महासरस्वती व आदिशक्ति चंडी की स्तुति की गई। इस कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन संस्था के सक्रिय सदस्य डॉ. अरविंद ने किया। माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि परिवार के सभी लोगों द्वारा तेरहमुखी महाहर महादेव जी का रुद्राभिषेक दूध, दही, घी, शहद, चीनी, पंचामृत, आमरस, अनार, भाग, भस्म, अष्टगन्ध, चन्दन आदि से विधिवत किया गया।

बीबीसी सदस्यों की खुली बैठक में वर्ष 2024-25 में दो करोड़ दस लाख रुपये के बजट पर प्रस्ताव मांगा

- नाली, इंटरलॉकिंग, पौधरोपण के माध्यम से गांवों में आई नई क्रांति

केटी न्यूज/ गाजीपुर

मरदह विकास खंड के सभागार में क्षेत्र पंचायत की खुली बैठक भारी गहमागहमी के बीच ब्लाक प्रमुख सीता सिंह के अध्यक्षता में हुई। जिसमें वित्तीय वर्ष 2024-25 में दो करोड़ दस लाख रुपये के बजट पर प्रस्ताव मांगे गए। इसमें चार दर्जन जनप्रतिनिधियों ने नये कार्यों के लिए प्रस्ताव दिए। ब्लाक प्रमुख ने कहा कि क्षेत्र पंचायत का समग्र विकास हमारी प्राथमिकता होगी। विकास खंड को माडल विकास खंड बनाने में सभी कर्मचारियों व जनप्रतिनिधियों का सहयोग आवश्यक है। एपीओ विनय प्रकाश राय ने क्षेत्र पंचायत से संबंधित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि मनरेगा योजना रोजगार की गारंटी देती है। मनरेगा योजना के चलते गांवों में विकास होता है। नाली, इंटरलॉकिंग, आरसीसी पौधरोपण के माध्यम से गांवों में नई क्रांति आई है। उन्होंने कहा कि इस साल का लेबर बजट काफी बढ़ा है। गांव अमृत सरोवर की खुदाई की गयी। गांव को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। छायादार वृक्ष भी लगाए जाएंगे, पानी की निरंतरता के लिए व्यवस्था की जा रही। बाल विकास विभाग से क्रान्ति देवी संचालित योजनाओं को रखा। इसी क्रम में पशु पालन विभाग से डां. चन्द्रकांत सिंह, स्वास्थ्य विभाग से बीसीपीएम प्रेमप्रकाश राय, कृषि विभाग से शशिभूषण तिवारी, सहकारिता से विद्या प्रकाश श्रीवास्तव, ग्राम विकास से भूपेंद्र कुमार सिंह, स्वच्छ भारत मिशन से कौशल किशोर सिंह ने विभागीय योजनाओं को सदन के माध्यम से सबको जानकारी दी। क्षेत्र पंचायत सदस्य हिमांशु सिंह, अरविन्द सिंह, नरेश यादव प्रधान राजबहादुर सिंह, रामविजय यादव, राधेश्याम सिंह यादव ने विभिन्न प्रकार के जन समस्याओं को पूरजोर तरीके से उठाकर समाधान की मांग की। जिला पंचायत सदस्य शशि प्रकाश सिहं, पारसनाथ यादव, शैलेश यादव ने सरकार की सामूहिक विवाह योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना का लाभार्थियों को लाभान्वित करने की मांग किया।

दूध सहित कई खाद्य पदार्थों का चलाया गया चेकिंग अभियान

केटी न्यूज / गाजीपुर

आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, सेक्टर-सी अलीगंज, लखनऊ तथा जिलाधिकारी आर्यका अखौरी के आदेश एवं दिनेश कुमार अपर जिलाधिकारी आरसी पांडेय सहायक आयुक्त (खाद्य) गाजीपुर के निर्देशन में खाद्य एवं पेय पदार्थो की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कई जगह छापेमारी कर खाद्य पदार्थों का नमूना लिया गया। जिसमें अधोमानक खाद्य पदार्थों की बिक्री से लेकर वर्षा ऋतु में खुले, कटे-फटे, सड़े गले एवं कृत्रिम रूप से पकाये गये फलों तथा दूषित खाद्य पदार्थों यथा फलों के जूस, गन्ने का रस, कैल्सियम कार्बाइड एवं अन्य कैमिकल से पकाये गये फलों तथा समस्त फल, आइसक्रीम व आइसकैण्डी आदि के निर्माण व विक्रय पर प्रभावी रोकथाम हेतु अभिसूचना आधारित प्रभावी प्रवर्तन व विशेष अभियान चलाकर कुल 05 नमूना संग्रहित किया गया। इस क्रम में जमानियां मोड़ स्थित फेरी में दुग्ध विक्रेता जितेन्द्र यादव, सुभाष यादव, रामविलास यादव से गाय का दूध का 01 नमूना, पक्का पुल बेरीयर, रजागंज स्थित फेरी में दुग्ध विक्रेता रजनीश कुमार राय से गाय का दूध का 01 नमूना, पक्का पुल रजागंज पुलिस चौकी स्थित फेरी में दुग्ध विक्रेता संतोष कुमार यादव से मिश्रित दूध का 01 नमूना संग्रहित किया गया। संग्रहित नमूने खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला, उ0प्र0 प्रेषित किये जा रहे है। जॉच रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम- 2006 के अन्तर्गत विधिक कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर

ट्रेनों के ठहराव को लेकर प्रदर्शन व चक्काजाम का खेल पुलिस ने बिगाड़ा, नजरबंद हुए नेता

गाजीपुर। भदौरा रेलवे स्टेशन पर पूर्व नियोजित कार्यक्रम के तहत बृहस्पतिवार को होने वाला धरना प्रदर्शन नेतृत्व कर्ता राकेश सिंह पिंटू के गिरफ्तारी के साथ ही स्थगित हो गया। लोगों को एक बार पुनः मायूसी हाथ लगी है। पुलिस प्रशासन के इस क्रूर रवैया के कारण लोगों में आक्रोश बना हुआ है। बता दें कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय दानापुर रेलखंड के भदौरा रेलवे स्टेशन पर कोरोना काल के दौरान रुक रही विभिन्न ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर आज धरना प्रदर्शन व चक्का जाम प्रस्तावित था। नेतृत्वकर्ता राकेश सिंह पिंटू के द्वारा डीआरएम एवं अन्य उच्च अधिकारियों को अपनी ट्रेन ठहराव की मांग को लेकर 24 जुलाई तक अल्टीमेटम दिया गया था। उन्होंने अपने पत्रक में बताया कि अगर 24 जुलाई तक हमारी मांगे पूरी नहीं होती है तो हमारे द्वारा 25 जुलाई को धरना प्रदर्शन एवं चक्का जाम किया जाएगा। चक्का जाम की सूचना पर पुलिस देर रात से ही राकेश सिंह पिंटू को उनके आवास पर नजर बंद किए हुए थी। गुरुवार को तय समय पर राकेश सिंह पिंटू चकमा देकर रेलवे स्टेशन भदौरा पहुंच गए पहले से ही मौजूद सैकड़ों की संख्या में पुलिसकर्मियों के द्वारा उन्हें हिरासत में लेते हुए अन्य लोगों को खदेड़ दिया गया। जिसे प्रस्तावित चक्का जाम वहीं स्थगित हो गया। वही ग्रामीणों ने बताया कि रेलवे प्रशासन भदौरा रेलवे स्टेशन के साथ सौतेला व्यवहार कर रहा है। कोरोना काल के दौरान रुक रही पटना कोटा एक्सप्रेस, फरक्का एक्सप्रेस एवं पंजाब मेल ट्रेन के मांग लगातार की जा रही है। इस दौरान आरपीएफ अस्सिटेंट कमांडेंट दानापुर एस एन हसन, एसीएम प्रदीप कुमार, आरपीएफ इंसपेक्टर बाल गंगाधर, प्रभारी निरीक्षक गहमर अशोक मिश्रा, दिलदारनगर जीआरपी चौकी प्रभारी रावेन्द्र मिश्रा, चौकी प्रभारी सेवराई अनूप यादव आदि अधिकारीगण मौजूद रहे।

25 वें ब्रह्मलीन स्वामी बालकृष्ण यति का 12वां निर्वाण दिवस श्रद्धाभाव से मना

गाजीपुर। अध्यात्म जगत में ख्यातिलब्ध सिद्धपीठ हथियाराम मठ के 25वें ब्रह्मलीन महंत महामंडलेश्वर स्वामी बालकृष्ण यति का 12वां निर्वाण दिवस गुरुवार को श्रद्धाभाव से मनाया गया। गौदान, शिवोपासना और समाधि पूजन के साथ ही भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें शामिल होने वाले श्रद्धालुओं ने संतो और विद्वतजनों के सद्विचारों संग महाप्रसाद ग्रहण किया। सिद्धपीठ के पीठाधिपति महामंडलेश्वर स्वामी भवानी नन्दन यति महाराज ने यजमान रणजीत सिंह के परिजनों के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में शिवोपार्चन किया। तत्पश्चात समाधि पूजन और यजमान परिवार ने गौदान किया। ज्ञातव्य हो कि परम पूज्य ब्रह्मलीन महंत पवाहारी स्वामी बालकृष्ण यति महाराज का वाराणसी के जागेश्वर आश्रम में श्रावण कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि पर 27 जुलाई 2013 को तिरोधान हुआ था। वह करीब 900 वर्ष प्राचीन सिद्ध संतो की तपोस्थली सिद्धपीठ हथियाराम मठ के 25वें महंत रहे। उनका आविर्भाव (जन्म) हिमालय के कूर्मांचल भूमि पर स्थित अल्मोड़ा के जोशी गांव में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा अल्मोड़ा, उज्जैन, मिजापुर और वाराणसी में हुई थी। संपूणानंद संस्कृत महाविद्यालय वाराणसी द्वारा उन्हें वेदांताचार्य की उपाधि से विभूषित किया गया था। स्वामी बालकृष्ण यति महाराज ने सन्यास ग्रहण कर नर्मदा तट एवं हिमालय में साधना किया। अट्ठाईस वर्षों तक फलाहार करते हुए उन्होंने तप साधना किया था। बाल्यकाल से ही अलौकिक प्रतिभा के धनी स्वामी बालकृष्ण यति ने कठिन साधना, हठयोग, समाधि तथा तपस्या से अध्यात्म जगत में महत्वपूर्ण स्थान बनाया था। हरिद्वार के ज्वालापुर में शंकर आश्रम, इंदौर में विश्वनाथ धाम, हल्द्वानी में महालक्ष्मी अष्टादास का विख्यात मंदिर, वाराणसी , बलिया, मऊ के साथ ही हरियाणा, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, मध्यप्रदेश, बिहार आदि प्रांतों व विदेशों में बड़ी संख्या में शिष्य हैं। धर्माध संदेश को लेकर उन्होंने कई बार विदेश दौरा भी किया था।

रेड क्रॉस सोसायटी बलिया एवं नरही के अधीक्षक ने प्राथमिक उपचार व सर्पदंश के बारे में बताया

बाढ़ से निपटने को किया गया अभ्यास, दी गयी जानकारी

केटी न्यूज / बलिया

नदियों में बढ़ रहे जलस्तर को देखते हुए जिला प्रशासन अभी से अलर्ट मोड पर आ गया है। जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार के निर्देश पर गुरूवार को गंगा नदी के उजियार घाट पर बाढ़ के दौरान किसी भी प्रकार की आपदा से निपटने के लिए मॉक ड्रिल (मूक अभ्यास) किया गया। इसमें बाढ से दौरान किसी के डूबने पर बचाव कार्य तथा पानी से घिरे गांवों से लोगों को निकालने का अभ्यास किया गया। वहां गोष्ठी आयोजित कर बाढ़ प्रभावित इलाकों में दवा वितरण या कीटनाशक दवाओं का छिड़काव करने से लेकर लोगों के स्वास्थ्य व पशुओं का भी ख्याल रखने के तरीकों के बारे में बताया गया।

जिला आपदा विशेषज्ञ पीयूष कुमार सिंह ने बाढ़ के दौरान क्या करें और क्या न करें, इसके बारे में लोगों को विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि बाढ़ में किसी प्रकार की घटना होने के बाद किस तरह तत्परता से कार्यवाही करनी है। इस मॉक ड्रिल में सुबह 9 बजे इमरजेंसी आपरेशन सेंटर (ईओसी) को उजियार में गंगा नदी में जलस्तर बढ़ने व गांव के मैरूण्ड (चारों तरफ से पानी से घिरा होना) की सूचना मिलती है। इस पर तत्काल एडीएम के अलावा वायरलेस से पुलिस कन्ट्रोल रूम को सूचित किया गया। स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, पशुपालन विभाग के अधिकारियों को फोन किया गया। आपदा मित्र टीम भी तत्परता से कैंप से निकलकर घटनास्थल तक पहुंचती है और 9:25 बजे तक, यानि 25 मिनट के अन्दर बाढ में फंसे व्यक्तियों को बाहर निकालकर बाढ राहत केंद्र तक लाती है। रेड क्रॉस सोसायटी बलिया एवं नरही के अधीक्षक डॉ पंकज ने प्राथमिक उपचार व सर्पदंश के बारे में बताया। इसके अलावा मॉक ड्रिल में डूबते व्यक्ति को कैसे बचाया जाए, इसका भी अभ्यास कर लोगों को दिखाया गया। इस अभ्यास में आपदा मित्र धर्मेंद्र कुमार ने नदी के बीच लगभग आधे घंटे तक सोये रहने का करतब दिखाया। सर्पदंश से पीड़ित व्यक्ति को एंबुलेंस से ग्रीन कॉरीडोर बनाकर सीएचसी तक ले जाना, गर्भवती महिला का सुरक्षित प्रसव कराया जाना, डूबे व्यक्ति की शव की तलाश करना, पशुओं को सुरक्षित पशु शिविर तक ले जाना तथा उनका उपचार कराने का भी अभ्यास किया गया।

सभी लोगों ने रखे अपने–अपने विचार

बलिया। कार्यक्रम के अंत में गोष्ठी की गई, जिसमें सभी सहयोगी विभागों की बाढ़ पूर्व तैयारियों की समीक्षा की गई। इसमें सभी विभागाध्यक्षों ने अपनी तैयारियों से अवगत कराया तथा अपने अपने विचार रखे। बीएसए मनीष सिंह, पशुपालन विभाग से एसके मिश्र, रेड क्रॉस सोसायटी बलिया से शैलेन्द्र पाण्डेय ने स्वास्थ्य विभाग से डा जियाउल हुदा, नेहरू युवा केन्द्र से कपिल देव ने जरूरी बातें बताई। अपर जिलाधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह ने सभी के प्रति आभार जताया। इस दौरान तहसीलदार प्रवीण सिंह, सप्लाई विभाग से डिंपल सिंह, पीडब्लूडी से एसके सिंह, एई बाढ़ मोहित गुप्ता, रेड क्रॉस सोसायटी से नितेश पाठक, फार्मासिस्ट शैलेन्द्र पाण्डेय, स्वास्थ्य विभाग नरही से डा फैयजल खां, प्रभारी कोटवां नारायणपुर संगम, अनीता राय, के अलावा भारी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद थे।

बाढ़ पूर्व तैयारियों को लेकर हुआ मॉक ड्रिल

गाजीपुर। रेवतीपुर ब्लाक के बाढ़ प्रभावित रामपुर साधोपुर गांव के प्राथमिक विद्यालय परिसर में गुरुवार को राज्य व जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की? ओर से बाढ़ से बचाव एवं बाढ़ पूर्व तैयारियों को लेकर माक ड्रिल का डेमो रिहर्सल किया गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस प्रशासन के अधिकारियों से लेकर अन्य विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मी व ग्रामीण भी मौजूद रहे, माक एक्साइज अभ्यास के दौरान आपदा प्रबंधन एवं बाढ़ राहत बचाव दल व पीएसी के जवानों द्वारा विभिन्न तरह के एक्साइज, ड्रील का डेमों प्रदर्शित कर लोगों को आश्वस्त दिया कि राहत एवं बचाव दल बाढ़ को लेकर पूरी तरह से अलर्ट है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मॉक एक्सरसाइज के दौरान ग्रामीणों को बाढ़ से निपटने व सावधानी बरतने का प्रशिक्षण दिया गया। बाढ़ के दौरान होने वाली मुश्किलों को कम समय में दूर करने के लिए बचाव दल ने रिहर्सल भी किया। ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि बाढ़ के दौरान कोइ दिक्कत नहीं होने दी जाएगी। एसडीएम संजय ने कहा कि माक रिहर्सल का मुख्य उद्देश्य पूर्व में बाढ़ से प्रभावित गावों के लोगों को यह आश्वस्त करना था कि राहत व बचाव दल, प्रशासन एवं आपदा प्रबंधन सम्भावित बाढ़ को लेकर पूरी तरह से सतर्क है।

खुशखबरी : मसालों की खुशबू से महकेगी भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण की धरती

केटी न्यूज/ कुशीनगर

♦ कुशीनगर में हल्दी के साथ ही अब जीरा, सौंफ, मंगरैल, धनिया और अजवाइन की खेती का बढ़ेगा दायरा

भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण की धरती। कभी इसी धरती से सत्य और अहिंसा के संदेश से दुनिया का बड़ा हिस्सा आलोकित हुआ था। अब उसी धरती से उपजे मसालों की खुशबू शुरू में स्थानीय और बाद में देश-दुनिया में रहने वाले हर भारतीय के किचन के भोजन की लज्जत बढ़ाएंगे। इसमें वर्षों से कुशीनगर में होने वाली हल्दी की खेती का योगदान तो होगा ही, धनिया जीरा, सौंफ, मंगरैल, सौंफ और अजवाइन की खेती इसका दायरा बढ़ाएंगे। इस बावत डबल इंजन (मोदी और योगी) की सरकार पहल भी कर चुकी है। राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र अजमेर की मदद से इस साल रबी की फसलीय सीजन में सीमित संख्या में कुछ किसानों के खेतों में मसाले की कुछ प्रजातियों की खेती शुरू होगी। कृषि विज्ञान केंद्र कुशीनगर के प्रभारी अशोक राय के अनुसार कुशीनगर में हल्दी की खेती की परंपरा पुरानी है। कुशीनगर और आसपास की जलवायु बीजीय मसालों के लिए भी अनुकूल है। इसलिए यहां इसकी अच्छी संभावना है। यहां के किसान भी जागरूक हैं। इसलिए अपेक्षाकृत अधिक लाभ वाले मसालों की खेती की संभावना और बेहतर हो जाती है। किसानों के बीच टाटा ट्रस्ट और अजीमजी प्रेमजी फाउंडेशन की मदद से कई वर्षों से हल्दी की खेती पर फोकस होकर काम करने वाले सस्टेनेबल ह्यूमन डेवलपमेंट के बीएम त्रिपाठी मसालों की खेती के लिए भी राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र से भी कोऑर्डिनेट कर रहे हैं। अनुसंधान केंद्र का भी मेथी, सौंफ, जीरा और अजवाइन के फ्लेवर और औषधीय गुणों के कारण इनके प्रसंस्करण पर खासा जोर है। इनको मिलेट के साथ मिलाकर और पौष्टिक बनाया जा सकता है। कालांतर में कुशीनगर के किसानों को भी अगर मसाले की खेती रास आई तो उनके लिए भी ये सारी संभावनाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ किसानों के हित के प्रति जिस तरह प्रतिबद्ध हैं उसमें कोई एफपीओ खेती से लेकर प्रसंस्करण इकाई लगाने और मार्केटिंग की अगुआई कर सकता है। योगी सरकार की यही मंशा भी है।

विदेशी मुद्रा कमाने में मसालों का भी महत्वपूर्ण योगदान

मसाले भारतीय भोजन की जान होते हैं। देश दुनिया में जहां भी भारतीय हैं वहां बिना मसाले के उनके किचन की कल्पना नहीं की जा सकती। बढ़ती बीमारियों और औषधीय खूबियों के कारण मसालों का क्रेज और बढ़ा है। खासकर कोविड के बाद तो और भी। इसलिए इसकी खेती की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। कुशीनगर का इंटरनेशनल एयरपोर्ट इन संभावनाओं को आने वाले समय में और चार चांद लगाएगा।

एक नजर

मानवाधिकार फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने छात्र-छात्राओं का किया सम्मान

चंदौली। मानवाधिकार फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने अपने बैनर तले महाबलपुर स्तिथ भारतीय विद्या मंदिर स्कूल में रविवार को सामान्य ज्ञान

प्रतियोगिता का आयोजन कराया था, जिसमे जिन छात्र-छात्राओं ने सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया है मानवाधिकार फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने बुधवार को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। संगठन के अध्यक्ष कमरुल ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 50 प्रश्न पूछे गए थे, जो संस्कृति, धर्म और राजनीति से संबंधित थे। 15 स्कूलों से करीब 300 छात्र-छात्राओं ने इसमें प्रतिभाग किया था। स्कूल केआर्यन सिंह,सैक रफी,खुशी यादव,सूर्यांश सिंह,समां,दीपक,साइमा को पुरस्कार मिला है।सम्मान समारोह में उपाध्यक्ष नीरज पटेल ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी संगठन की तरफ से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया,जा रहा हैं,जिससे उनका मनोबल बढे।कार्यक्रम में मुख्य रूप से अध्यक्ष -कमरुल इस्लाम,उपाध्यक्ष-नीरज पटेल,युवाप्रमुख-शिवम गुप्ता,श्वेता पटेल के साथ महेंद्र यादव,हमीदुल्लाह अंसारी मौजूद रहे

बैठक में व्यापारियों की सुरक्षा , समस्या पर हुई चर्चा

चंदौली। पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे की अध्यक्षता में गुरुवार को पुलिस लाइन सभागार में व्यापारी बन्धुओं साथ बैठक हुई। इस दौरान व्यापारियों के सुरक्षा व समस्या पर चर्चा पर विस्तार से चर्चा किया। वही व्यापारियों की समस्याओं व शिकायतों को सुनकर तत्काल संबंधित अधिकारियों को निस्तारण करने का निर्देश दिया। और व्यापारियों से आपरेशन त्रिनेत्र के तहत अपने-अपने प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरा लगाने का आव्हान किया। बैठक में जिलाध्यक्ष लक्ष्मीकांत अग्रहरि ने नगर निगम,यातायात पुलिस,पुलिस,विद्युत विभाग एवं नगर पालिका से संबंधित व व्यापारियों द्वारा रेहडी,ऑटोरिक्शा बैट्री रिक्शा को पटरी पर लगाए जाने से मुख्य बाजारों में अतिक्रमण की समस्या को उठाया। वही एसपी आदित्य लांग्हे ने कहा कि पुलिस व्यापारियों के सहायता व सुरक्षा देने के लिए लगातार तत्पर है। कोई भी व्यापारी अपनी समस्या शिकायत पुलिस से कह सकता है। जिसका समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाएगा। सभी व्यापारी अपने-अपने दुकानों प्रतिष्ठानों पर आपरेशन त्रिनेत्र के तहत सीसीटीवी कैमरा अवश्य लगाएं। कहा कि समस्त थाना क्षेत्र के व्यापारियों, मनी कलेक्शन एजेंट व सम्भ्रान्त व्यक्तियों द्वारा बड़ी मात्रा में नगदी का स्थानान्तरण करने पर यदि नजदीकी थानें पर सूचना देगें तो पुलिस द्वारा अवश्य मदद की जायेगी। इस दौरान जिला अध्यक्ष लक्ष्मीकांत अग्रहरि, अशोक केशरी,राकेश मोदनवाल, महमूद आलम,भगवान दास,अवतार सिंह,गुरुदीप सिंह,मोहन सेठ,सूरज केशरी,भानु यादव,राजकुमार पाल,गुलाब केशरी मौजूद रहे।

त्वरित व सुलभ न्याय पाने के लिए करें स्थाई लोक अदालत का रुख

मऊ। बृहस्पतिवार को एक प्रेस नोट जारी कर के स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष अच्छे गुप्ता ने कहा कि सुलभ व त्वरित न्याय पाने के लिए स्थाई लोक अदालत का रुख करे। स्थाई लोक अदालत में वायु, बिजली, सड़क, जलमार्ग, यातायात, डाक सेवा, तार, बीमा, टेलिफोन के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, सहित अन्य मामले भी देखे जाते है। इस समय स्थाई लोक अदालत में पेशकार एक पद मानदेय रु.9000 व आशुलिपिक एक पद मानदेय रु. 9000 एवं चपरासी एक पद मानदेय रु.7000 की नियुक्ति होनी है।

खबरें फटाफट

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, मचा कोहराम

मऊ। हलधरपुर थाना क्षेत्र के जमीन सहरुल्लाह ग्राम पंचायत स्थित महाराजपुर पूरवे में बृहस्पतिवार को प्रातः काल एक चौबीस वर्षीया विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। जिसके बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिवारीजनों का कहना था कि उसकी तबियत खराब थी। घटना बाद परिजन उसके शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जाने की तैयारी करने लगे ।इसी दौरान सूचना पाकर मौके पर उप निरीक्षक नंदकिशोर के साथ पहुंचे पुलिसकर्मियों ने घटना की बावत गहन जांच की। इसके बाद परिजनों की सहमति से शव का पंचनामा तैयार करा कर शव विच्छेदन हेतु जिला मुख्यालय स्थित शव विच्छेदन घर भेज दिया। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कि मृतका का अंतिमा पांडेय का विवाह लगभग 2 वर्षों पूर्व जमीन शहरुल्लाह (महाराजपुर) गाँव निवासी सुनील पांडेय पुत्र मारकंडेय पांडेय के साथ हुआ । इनका का एक पुत्र आयुष है जिसकी उम्र लगभग एक वर्ष है। मृतका का पति अपने स्वसुर एवं साले के साथ कहीं बाहर रहकर कोई प्राइवेट काम करता है। परिजनों अनुसार मृतका अंतिमा का मायका बलिया जनपद के हल्दी थाना क्षेत्र के हल्दी गायघाट गांव में है।

कांवण यात्रा को लेकर किया गया रूट मार्च

मऊ। पुलिस अधीक्षक मऊ इलामारन जी द्वारा भारी संख्या में जनपदीय पुलिस बल के साथ मऊ कोपागंज कस्बा क्षेत्र के संवेदनशील/ मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों, बाजार, भीड़-भाड़ वाले स्थानों एवं महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के आस-पास रूट मार्च/पैदल गस्त कर आम जनमानस में शांति/सुरक्षा व्यवस्था के प्रति आश्वस्त किया गया तथा आस-पास शांति/सुरक्षा व्यवस्था आदि का जायजा लिया गया। साथ ही साथ समस्त थाना क्षेत्रान्तर्गत क्षेत्राधिकारी/प्रभारी निरीक्षकों के नेतृत्व में रूट मार्च/पैदल गस्त कर आम जनमानस में शांति/सुरक्षा व्यवस्था के प्रति आश्वस्त किया जा रहा है तथा संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल, 343 करोड़ आएगी लागत

गोरखपुर में यूपी एसएसएफ की बनेगी हाईटेक बिल्डिंग

♦ गोरखपुर के ताल जहदा में 50 हेक्टेयर भूमि पर स्थापित होगी वाहिनी

♦ प्रक्रियात्मक कार्य पूरे, बरसात के बाद शुरू होगा निर्माण

केटी न्यूज/ गोरखपुर

खास स्थानों, प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए गठित उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल (यूपी एसएसएफ) की द्वितीय वाहिनी गोरखपुर में है। अभी यह वाहिनी अपना कामकाज पीएसी कैम्पस से कर रही है लेकिन आने वाले समय में इसकी खुद की हाईटेक बिल्डिंग होगी। शासन की तरफ से यूपी एसएसएफ द्वितीय वाहिनी के अत्याधुनिक और सभी सुविधाओं से युक्त भवन के लिए करीब 343 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। यह बिल्डिंग गोरखपुर के चिलुआताल क्षेत्र स्थित ताल जहदा में 50.136 हेक्टेयर भूमि पर बनेगी। इसके लिए प्रक्रियात्मक कार्य पूरे कर लिए गए हैं। बरसात का सीजन समाप्त होते ही इसका निर्माण शुरू हो जएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सितंबर, 2020 में न्यायालयों, प्रमुख धार्मिक स्थलों, प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल का गठन किया था। जिसके बाद जून, 2021 में यूपी एसएसएफ की पांच वाहिनी गठित की गई थीं, जिनमें लखनऊ, गोरखपुर, प्रयागराज, मथुरा व सहारनपुर शामिल हैं। इसके बाद छठवीं वाहिनी अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा के लिए गठित की गई। गोरखपुर के लिए गठित एसएसएफ की द्वितीय वाहिनी गोरखपुर और कुशीनगर एयरपोर्ट की सुरक्षा की जिम्मेदारी उठा रही है। जल्द ही इसके जिम्मे कुछ अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान भी आएंगे। यूपी एसएसएफ के गठन के बाद से ही योगी सरकार इसे सूबे की सबसे एडवांस फोर्स बनाने में जुटी है। इस फोर्स को अत्याधुनिक असलहों से लैस करने के साथ ही इसकी बटालियन के लिए हाईटेक इंफ्रास्ट्रक्चर की व्यवस्था की जा रही है। इसी क्रम में सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी व्यवस्थाओं के लिए करीब 343 करोड़ रुपये की धनराशि को मंजूरी दी है।

गोरखपुर में यूपी एसएसएफ की द्वितीय वाहिनी के आवासीय भवनों के लिए योगी सरकार ने 186 करोड़ 33 लाख 43 हजार रुपये तथा अनावासीय भवनों के निर्माण के लिए 156 करोड़ 39 लाख 89 हजार रुपये स्वीकृत किए हैं। कार्यदायी संस्था के रूप निर्माण की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग के निर्माण खंड (भवन) को दी गई है। कार्यदायी संस्था की तरफ से निर्माण के लिए टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। लोक निर्माण विभाग निर्माण खंड (भवन) के अधिशासी अभियंता अर्जुन मित्रा का कहना है कि बरसात के बाद निर्माण युद्ध स्तर पर शुरू करा दिया जाएगा।

ताल जहदा में यूपी एसएसएफ द्वितीय वाहिनी के परिसर में लिफ्ट युक्त टाइप ए, बी और टाइप फोर व फाइव के बहुमंजिला भवन बनाए जाएंगे। इसके अलावा लिफ्ट युक्त प्रशासनिक भवन, क्वार्टर गार्ड, पार्किंग, संतरी पोस्ट, अस्पताल, इंडोर जिम, डॉग कैनेल, टॉयलेट ब्लॉक और 400 की क्षमता का बैरक बनाया जाएगा। यहां सलामी मंच के साथ भव्य परेड ग्राउंड का विकास भी होगा। सभी आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के साथ इसके परिसर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग का भी इंतजाम होगा।

डॉ. राजकुमार बने पीयू के मानद पुस्तकालय अध्यक्ष

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय का मानद पुस्तकालय अध्यक्ष पद पर इंजीनियरिंग संस्थान के गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राजकुमार को नियुक्त किया गया है। कुलपति प्रो. वंदना सिंह के आदेश पर इस आशय का पत्र कुलसचिव कार्यालय से मंगलवार को जारी किया गया है। प्रो. राजकुमार ने लाइब्रेरियन पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है। कार्यभार लेने के बाद उन्होंने लाइब्रेरी के सभी कर्मचारियों के साथ गुरुवार को औपचारिक बैठक की। उन्होंने सभी कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने कर्मचारियों का कार्य पद्धति पर कुछ निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेरी पूरी कोशिश होगी कि लाइब्रेरी में बच्चे और शिक्षक नियमित आएं। इसे अपडेट करने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। इसके पूर्व इस पद पर प्रबंध अध्ययन संकाय के प्रो. मानस पांडेय थे। डॉ. राजकुमार इसके पूर्व चीफ वार्डेन, प्राक्टर, मीडिया प्रभारी समेत कई महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं। वर्तमान में कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र के नोडल अधिकारी का भी प्रभार उनके पास है। विश्वविद्यालय के कार्य परिषद और विद्या परिषद के भी सदस्य रह चुके हैं।

जौनपुर के अटाला मस्जिद का सर्वे करने आयी न्यायालय की टीम बैरंग वापस लौटी

♦ स्वराज वाहिनी संस्था और पीस पार्टी के मध्य न्यायालय में वाद चल रहा है लंबित

केटी न्यूज/जौनपुर

स्वराज वाहिनी संस्था के अध्यक्ष संतोष कुमार मिश्रा ने अटाला मस्जिद ही अटला माता का मंदिर है इसको लेकर के न्यायालय सिविल जज जूनियर डिवीजन शहर जौनपुर में मुकदमा दाखिल किया हुआ है। न्यायालय के आदेश से वादी अधिवक्ता राम सिंह के साथ न्यायालय अमीन व अमीन के सहयोगी अटाला मस्जिद का सर्वे करने के लिए आए। वादी अधिवक्ता राम सिंह ने बताया कि सर्वे टीम ने अदालत मस्जिद के चारों तरफ घूम कर देखा अटाला मस्जिद के तीनो गेट बंद मिले। अटाला मस्जिद की देखरेख करने वाला कोई उपस्थित नहीं मिला। मस्जिद का गेट बंद होने के कारण सर्वे नहीं हो पाया सर्वे टीम अब वापस जा रही है।कोर्ट की सर्वे टीम न्यायालय को रिपोर्ट करेगी। न्यायालय अमीन राम स्वारथ मिश्र ने बताया कि स्वराज वाहिनी बनाम पीस कमेटी के नाम सिविल जज जूनियर डिवीजन शहर जौनपुर न्यायालय में मुकदमा लंबित है। मस्जिद के सभी गेटों में ताला बंद होने के कारण पैमाइश नहीं हो पाई। इसकी जानकारी न्यायालय को दे देंगे,आगे न्यायालय का जो आदेश होगा पालन किया जाएगा।

बेसिक शिक्षा विभाग में संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक संपन्न

मऊ। जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र की अध्यक्षता में कायाकल्प एवं निपुण शिक्षा,नामांकन एवं बच्चों की उपस्थिति तथा शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर करने के उद्देश्य से समस्त खंड शिक्षा अधिकारी एवं अधिशासी अधिकारियों के साथ जिलाधिकारी कैंप कार्यालय पर बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी द्वारा सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए गये कि बच्चों की बेहतर शिक्षा के लिए जितना प्रयास हो सके हर संभव करें, उन्होंने कहा कि प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों की सीखने एवं जानने की जिज्ञासा अत्यधिक होती है। इसलिए बच्चों के भविष्य को बेहतर करने में भरपूर सहयोग करें। बच्चों के नामांकन में वृद्धि करने के भी निर्देश समस्त खंड शिक्षा अधिकारियों को दिए।

युवक को गोली मारने के आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़े

चंदौली । सदर कोतवाली के झांसी गांव में दो दिन पूर्व युवक पर जानलेवा हमला करने वाले दो आरोपितों कन्हैया पासवान उर्फ कृष्णा पासवान व जितेंद्र पासवान निवासी झांसी को गुरुवार को पुलिस ने नौबतपुर पिकेट के समीप से गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों ने पुराने विवाद को लेकर श्याम सुंदर पाल को जान से मारने की नियत से गोली मार दी थी। जिसका इलाज वाराणसी में चल रहा है। पकडे गए आरोपित कन्हैया पासवान ने बताया कि फरवरी माह में अपने ही गांव के श्याम सुंदर पुत्र विरेंद्र पाल से हम लोगों का विवाद हो गया था। श्याम सुंदर पाल की ओर से हमलोगों को मारा पीटा गया था। इसकी सूचना थाने पर न देकर बदला लेने के फिराक में थे। योजना के अनुसार 23 जुलाई को कन्हैया पासवान, जितेंद्र पासवान व विशाल की ओर से एक अपाचे बाइक से श्याम सुंदर (जो खेत से वापस घर जा रहा था) के नजदीक जाकर पीछे से गोली मार दी।

जिला अधिकारी ने एआरटीओ, नगर पालिका परिषद सहित कई कार्यालयों का किया औचक निरीक्षण

नगर पालिका परिषद के दो कर्मचारी निलंबित किए गए

♦ लोगों से मिले फीडबैक के आधार पर जौनपुर के जिलाधिकारी ने की कार्रवाई, मचा हड़कंप

केटी न्यूज / जौनपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लोक व्यवस्था में स्वच्छ एवं पारदर्शी व्यवस्था बनाने के लिए निर्देश दिए हैं। इसके लिए डायरेक्ट पब्लिक से फीडबैक लिया जा रहा है, कि कहीं किसी कार्यालय में कोई भ्रष्टाचार व्याप्त नहीं है और लोगों को किसी भी सरकारी कर्मचारियों को अपना काम करने के लिए पैसा ना देना पड़े। इस उद्देश्य से गुरुवार को जिलाधिकारी रविंद्र कुमार व अन्य अधिकारियों द्वारा जिले के उप संभागीय परिवहन विभाग नगर पालिका परिषद, सदर तहसील डूडा आफिस सीएमओ आफिस आदि का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। साथ ही वहां पर मौजूद लोगों से सरकारी कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे कार्य के बारे में जिलाधिकारी द्वारा फीडबैक प्राप्त किया गया। अचानक इस कार्रवाई से कार्यालय में हड़कंप मच गया। हालांकि जिलाधिकारी द्वारा निरीक्षण की जाने के दौरान नगर पालिका परिषद के दो कर्मचारियों को कार्य में लापरवाही बरतने पर निलंबित कर दिया गया है। वहीं इस मामले में जानकारी देते हुए जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांडेड ने बताया, कि आज मैं स्वयं और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को लगाकर ऐसे विभाग जहां ज्यादा पब्लिक के लोग आते हैं, जो वेलफेयर डिपार्मेंट है मुख्यमंत्री जी ने पारदर्शी व्यवस्था बनाने के लिए निर्देश दिए हैं। कि कहीं किसी कार्यालय में किसी सरकारी कर्मचारियों द्वारा किसी से काम के बदले में पैसे तो नहीं लिए जा रहे हैं, कहीं भ्रष्टाचार ना हो लोग काम के लिए पैसे ना मांग रहे हों। इसको देखने के लिए आज हम सभी लोग निकले थे। सबसे पहले एआरटीओ विभाग गया जहां लगभग 50 लोगों से फीडबैक लिया लेकिन किसी ने भी सीधे तौर पर पैसे लेने की बात नहीं कही है। लोगों के काम भी वहां पर हो रहे हैं। इसके बाद नगर पालिका कार्यालय परिषद पहुंचा जहां एक फाइल के पेंडिंग के मामले की जानकारी मिली थी। इस मामले में कर निर्धारण अधिकारी की शिकायत थी जो ऑफिस के लोगों ने बताया कि वह समय से नहीं आती हैं ठीक है। उसे काम भी नहीं करती हैं। जिस कारण ज्यादा मामले पेंडिंग में पड़े हुए हैं। उनके सस्पेंशन की कार्रवाई की जा रही है इसकी अतिरिक्त हमारे और भी अधिकारी सीडीओ, एडीएम, सीआरओ, लोगों ने भी ऑफिसों का निरीक्षण किया है मैं खुद तहसील का निरीक्षण किया है इस दौरान कहीं कोई लेखपाल या कानून के द्वारा पैसा मांगने की बात सामने नहीं आई है।

वहां उनके काम हो रहे हैं। जो विधिक रूप से होने वाले काम न्यायालय के आदेश में है वह भी किया जा रहे हैं इस प्रकार औचक निरीक्षण लगातार जारी रहेंगे। अभी सिटी मजिस्ट्रेट को सीएमओ ऑफिस का निरीक्षण करने के लिए भेजा गया है। तहसील ब्लाक थाने अस्पताल सीएमओ ऑफिस जहां पब्लिक आती है। वहां लगातार निरीक्षण किया जाता रहेगा उसमें कहीं किसी भ्रष्टाचार की व्यवस्था में लिप्त पाया गया पब्लिक का काम नही करते है तो हम लोग फिर उसमें सस्पेंशन या नौकरी जाने की कार्यवाही की जाएगी।

सुभाषितम्

अज्ञानता और विचार हीनता मानवता के विनाश के दो सबसे बड़े कारण है। - जॉन टिलोटसन

प्रतिबंध मुक्त संघ एक नयी किरण का आगाज

- ललित गर्ग

केंद्र की राजग सरकार ने एक महत्वपूर्ण एवं साहसिक आदेश के जरिये सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की गतिविधियों में शामिल होने पर लगी रोक को हटा कर लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक भावना एवं मूल्यों का जीवंत किया है। भले ही इस आदेश को लेकर विपक्षी राजनीतिक दलों की तल्ख प्रतिक्रिया सामने आ रही है। वहीं संघ ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा है कि तत्कालीन सरकार ने निराधार ही शासकीय कर्मियों के संघ की गतिविधियों में भाग लेने पर रोक लगायी थी। निश्चित ही वर्तमान सरकार का यह निर्णय लोकतांत्रिक व्यवस्था को पुष्ट करने वाला है क्योंकि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ एक गैर-राजनीतिक संगठन है, गत 99 वर्षों से सतत राष्ट्र के पुनर्निर्माण एवं समाज की सेवा में संलग्न संघ एक रचनात्मक, सृजनात्मक एवं सांस्कृतिक संगठन है। राष्ट्रीय सुरक्षा, एकता-अखंडता एवं प्राकृतिक आपदा के समय में संघ के योगदान की विभिन्न राजनीतिक विचारधारा के नेताओं एवं दलों ने प्रशंसा भी की है। इस नये आदेश को लेकर इंडी गठबंधन के दलों में खलबली एवं बौखलाहट का सामने आना स्वाभाविक है, क्योंकि इस आदेश से संघ की ताकत बढ़ेगी,

जो इन विपक्षी दलों की चिन्ता का बड़ा कारण है। दरअसल, आरोप है कि पूर्व की कांग्रेस सरकारों ने समय-समय पर सरकारी कर्मचारियों की संघ के कार्यक्रमों में शामिल होने पर रोक लगा दी थी। संघ की गतिविधियों में शामिल होने पर कर्मचारियों को कड़ी सजा देने तक का प्रावधान लागू किया गया था। सेवानिवृत होने के बाद पेंशन लाभ इत्यादि को ध्यान में रखते हुए भी अनेक सरकारी कर्मचारी चाहते हुए भी संघ की गतिविधियों में शामिल होने से बचते थे। हालांकि, इस बीच मध्यप्रदेश सहित कई राज्य सरकारों ने इस आदेश को निरस्त कर दिया था, लेकिन इसके बाद भी केंद्र सरकार के स्तर पर यह वैध बना हुआ था। इस मामले में एक वाद इंदौर की अदालत में चल रहा था, जिस पर अदालत ने केंद्र सरकार से सफाई मांगी थी। इसी पर कार्रवाई करते हुए केंद्र सरकार ने नौ जुलाई को एक ऑर्डर जारी करते हुए उक्त प्रतिबंधों को समाप्त करने की घोषणा कर दी। निश्चित ही यह आदेश संघ से जुड़े एवं राष्ट्रीय विचारधारा वाले सरकारी कर्मचारियों के लिये एक नयी किरण है। आपातकाल में इंदिरा गांधी सरकार की तानाशाही खुलकर सामने दिखी थी, लेकिन उससे पहले भी तानाशाही कदम उठाए जाते रहे थे। दरअसल, 7 नवंबर 1966 को संसद के सामने गोहत्या के खिलाफ एक बड़ा प्रदर्शन हुआ था। 30 नवंबर 1966 को संघ-जनसंघ के प्रभाव से हिलकर इंदिरा गांधी ने सरकारी कर्मचारियों के संघ में शामिल होने पर प्रतिबंध लगा दिया। क्योंकि संघ व जनसंघ के प्रयासों से लाखों लोग जुटे थे और पुलिस के साथ टकराव में कई लोगों की जान गई थी। गोलीबारी में सैंकड़ों निर्दोष साधु-संत मारे गये थे। इस जघन्य हत्याकांड से क्षुब्ध होकर तत्कालीन गृहमंत्री गुलजारी लाल नंदा ने अपना त्यागपत्र दे दिया था। कांग्रेस पार्टी ने 58 साल पहले वर्ष 1966 में संघ पर लगाये गए प्रतिबंध को हटाने के औचित्य पर सवाल उठाए हैं। कहा जा रहा है कि जनसंघ, वाजपेयी सरकार और मोदी सरकार की पिछली एक दशक की सरकार के दौरान भी यह प्रतिबंध नहीं हटाया गया था, फिर अभी हटाने के पीछे गहरी राजनीतिक चाल है। वहीं संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर का कहना है कि संघ पिछले 99 साल से राष्ट्र के सतत निर्माण व समाज सेवा में संलग्न रहा है। अपने राजनीतिक स्वार्थ के चलते तत्कालीन सरकार ने शासकीय कर्मचारियों को संघ जैसे रचनात्मक संगठन की गतिविधियों में भाग लेने हेतु निराधार प्रतिबंधित किया था। क्रांति का फलित है व्यापक स्तर पर होने वाला कोई बड़ा परिवर्तन। व्यक्ति जिस समाज में जीता है, उसकी व्यवस्थाओं, नीतियों और परम्पराओं में जब घुटन का अनुभव करता है जो वह किसी नए मार्ग का अनुसरण करता है। आज आजादी के बाद की राजनीतिक विसंगतियों से पनपी ऐसी ही घुटन से बाहर निकालने के प्रयत्न वर्तमान सरकार द्वारा हो रहे हैं। ऐसा ही एक विशिष्ट उपक्रम है सरकारी कर्मचारियों के संघ की गतिविधियों में भाग लेने पर लगा प्रतिबंध का हटना। इसको लेकर भी विपक्षी दलों द्वारा जनता को गुमराह किया जा रहा है, राष्ट्र की एकता को विखंडित करने के प्रयास हो रहे हैं। लेकिन केंद्र सरकार ने संघ की गतिविधियों में कर्मचारियों के शामिल होने पर लगे प्रतिबंध को हटाकर नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा की है। निःसंदेह, सरकार का यह निर्णय लोकतंत्र और संविधान की भावना को मजबूत करनेवाला है। भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को यह अधिकार देता है कि वह विविध सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक संगठनों में शामिल हो सके। एक सामान्य नागरिक की भांति यह अधिकार कर्मचारियों को भी प्राप्त है कि अपने कार्यालयीन समय के बाद सामाजिक गतिविधियों का हिस्सा हो सकते हैं। परंतु, लोकतंत्र और संविधान की दुहाई देनेवाली कांग्रेस की सरकार ने तानाशाहीपूर्ण तरीके से संघ की गतिविधियों में सरकारी कर्मचारियों के भाग लेने पर प्रतिबंध लगा दिया था, जो एक प्रकार से राष्ट्रीय विचार के प्रति झुकाव रखनेवाले लोगों को हतोत्साहित करने का प्रयास ही था। कांग्रेस की नीयत को समझिए कि उसने ऐसा कोई प्रतिबंध इस्लामिक, ईसाई, कम्युनिस्ट और अन्य प्रकार के संगठनों की गतिविधियों में शामिल होने पर नहीं लगाया था। यानी कर्मचारी इस्लामिक एवं ईसाई संगठनों से जुड़ सकता था लेकिन हिन्दू संगठन की गतिविधियों में शामिल नहीं हो सकता था। कांग्रेस की इस तानाशाही एवं द्वेष का उत्तर संघ ने तो कभी नहीं दिया लेकिन समाज ने अवश्य ही कांग्रेस को आईना दिखाने का कार्य किया। कांग्रेस लगातार आठ दशकों में हिन्दू-संस्कृति को कमजोर करने की राजनीतिक चालें चलती रही है। जबकि हिन्दू धर्म नहीं, विचार है, संस्कृति है। हिन्दू राष्ट्र होने का अर्थ धर्म से न होकर हिन्दू संस्कृति के सर्वग्राही भाव से है। हिन्दू संस्कृति उदारता का अन्तर्निहित शंखनाद है क्योंकि पूरे विश्व में यह अकेली संस्कृति है जो बहुविचारवाद यानी सभी धर्म, विचार एवं संस्कृतियों को स्वयं में समेटे हैं। हमारे ऋषियों ने हमें यह उपदेश दिया कि ह्यसत्यं बूर्यात न बूर्यात सत्यं अप्रियंह्न अर्थात सच बोलो मगर कड़वा सच मत बोलो। हिन्दू संस्कृति की यही महानता और विशेषता रही है कि प्रिय सत्य की वकालत तो करती है मगर इसके कटु होने पर निषेध करने को भी कहती है। यह हिन्दू संस्कृति अहिंसा की संस्कृति है पर जरूरत पड़ने पर शस्त्र उठाकर स्व-रक्षा की बात भी कहती है। हिन्दू शब्द से ही स्वराष्ट्र का बोध होता है जो कि हिन्दू संस्कृति के वृहद स्वरूप का ही सौपान है। लेकिन राजनीतिक कारणों से कांग्रेस एवं अन्य ताकतों ने हिन्दू संस्कृति को निस्तेज करने, संघ को दबाने एवं समाप्त करने के लिए अनेक प्रयत्न किए। इस आदेश के अतिरिक्त तीन बार संघ पर पूर्ण प्रतिबंध भी लगाया। संघ की छवि खराब करने के लिए बड़े-बड़े नेताओं की ओर से मिथ्या प्रचार भी किया गया। अपने समर्थक बुद्धिजीवियों से पुस्तकें भी लिखवायी गईं।

भाजपा के लिए अस्तित्व का संकट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार का तीसरे कार्यकाल का पहला बजट संसद में प्रस्तुत हो गया है। इस बजट को लेकर देश मे बड़ी तीखी क्रिया-प्रतिक्रिया हो रही है। 2024-25 के केन्द्रोय बजट में सरकार ने बिहार और आंध्र प्रदेश के लिए विशेष पैकेज की घोषणाएं की हैं। जिसके कारण अन्य राज्यों के साथ भेदभाव होने की बातें सामने आ रही है। संसद के दोनों सदनों में बजट का मुद्दा लगातार गर्मा रहा है। इंडिया गठबंधन के सभी राजनीतिक दल बड़े मुखर होकर बजट का विरोध कर रहे हैं। इस बजट को जन विरोधी भी बताया जा रहा है। सरकार ने आंध्र और बिहार राज्य को विशेष पैकेज देने के लिए, जिस तरह से अन्य राज्यों की उपेक्षा मनरेगा एवं शिक्षा के बजट मे कटौती की है। उसका बड़े पैमाने पर विरोध हो रहा है। बेरोजगारी बढ़ती चली जा रही है, लोगों को काम नहीं मिल रहा है। मनरेगा का बजट बढ़ाने की बजाये कम कर दिया गया है। इसका असर ग्रामीण अर्थव्यवस्था में पड़ेगा। शहरी क्षेत्र के बेरोजगारों के लिए मनरेगा जैसी योजना लाने की मांग हो रही थी। इस बजट में शहरी मजदूरों के लिए रोजगार उपलब्ध कराने का कोई प्रस्ताव नहीं है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, दो राज्यों को छोड़कर अन्य राज्यों को बजट मे कुछ भी नहीं मिला। सबकी थाली खाली करके 2 थालियों में सरकार ने पकोड़ा और जलेबी परोस दी है। उन्होंने व्यंग्यात्मक रूप से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को माता जी कहकर राज्यसभा में संबोधित किया। जो विपक्ष की पीड़ा को जग जाहिर कर रहा था। इस बयान की बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया सत्ता पक्ष और विपक्ष में देखने को मिली। विपक्ष ने संसद परिसर के बाहर जिस तरह एकत्रित होकर बजट का विरोध किया। सामूहिक रूप से नारेबाजी की। केंद्र सरकार के ऊपर आरोप लगाया, सरकार संघीय व्यवस्था को भूलकर केवल सरकार बचाने के लिए बजट लेकर आई है। सदन के दोनों सदनों में सत्ता पक्ष के सांसदों मे भी बजट को लेकर निराशा देखने को मिल रही है। देश के कई राज्यों में डबल इंजन की भाजपा सरकारें हैं। इस बजट में उन राज्य सरकारों की भी उपेक्षा हुई है। जिन राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं। उनकी भी बजट मे उपेक्षा हुई है। इस बजट से भाजपा के सांसद और भाजपा शासित राज्यों के विधायक भी मायूस हैं। 2024-25 के बजट में जिस तरह से आंध्र और बिहार को अतिरिक्त राशि दी गई है। वहीं अन्य राज्यों के मनरेगा और शिक्षा के बजट में कमी की गई है। नए बजट में 2 राज्यों को छोड़कर अन्य राज्यों को कुछ नहीं मिला है,जिसकी वह आशा कर रहे थे। ऐसी स्थिति में भाजपा शासित राज्यों के सांसदों और विधायकों के लिए मतदाताओं को संतुष्ट करना बहुत मुश्किल हो गया है। डबल इंजन के सरकारों को भरोसा था, इस बजट में उन्हें ज्यादा आर्थिक सहायता मिलेगी। डबल इंजन की राज्य सरकारों के मुखिया अपने आपको ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। अगले कुछ महीनो में हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड, जम्मू कश्मीर के विधानसभा चुनाव होने हैं। आंध्र और बिहार को विशेष पैकेज देने के कारण, जिन राज्यों में अगले कुछ महीनो में चुनाव होना है। वहां भारतीय जनता पार्टी की स्थिति पहले से कमजोर है। रही-सही कसर इस बजट ने आग में घी डालने जैसा काम कर दिया है। बजट में जिस तरह से मध्यम वर्ग के ऊपर कैपिटल गेन एवं संपत्ति की बिक्री पर टीडीएस काटने जैसे प्रावधान बजट मे होने से मध्यमवर्गीय परिवारों में तीखा विरोध हो रहा है। इस बजट से राज्यों के साथ भेदभाव का मामला तूल पकड़ने लगा है। विपक्ष कह रहा है,कि केंद्र सरकार ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए तमिलनाडु,केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों की भारी उपेक्षा की है। इस बजट का यह संदेश देश भर में, भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ जाएगा। इसका अंदाजा सरकार को नहीं रहा होगा।

चिंतन-मनन

व्यक्तिगत चेतना का विस्तार

दूसरों के सुख-दुख का भागी बनने से हमारी व्यक्तिगत चेतना विकसित होकर विश्व चेतना बन जाती है। समय के साथ जब ज्ञान की वृद्धि होती है, तब उदासीनता संभव नहीं। तुम्हारा आंतरिक स्त्रोत ही आनन्द है।अपने दुःख को दूर करने का उपाय है विश्व के दुख में भागीदार होना और अपनी खुशी को बढ़ाने का उपाय है विश्व के आनन्द में सहभागी होना। जब सभी लोग इस विचार से आएंगे कि वे समाज को अपना क्या योगदान दें, तो वह दैवी समाज होगा।हम सबको अपनी व्यक्तिगत चेतना को शिक्षित और शिष्ट करना है ताकि समय के साथ ज्ञान की वृद्धि हो, परिवर्तन आए। यदि ध्यान में तुम्हें गहन अनुभव न हो रहे हों तो और सेवा करो- ध्यान में अधिक गहराई आएगी।ध्यान तुम्हारी मुस्कान वापस लाता है। कई व्यक्ति सेवा करना छोड़ देते हैं जब वे अपनी छवि, प्रतिष्ठा, सम्मान, सुविधा और आराम को लक्ष्य की प्राप्ति से अधिक महत्व देने लगते हैं। कई बार लोग सेवा से कतराने लगते हैं, जब उन्हें कोई पद नहीं मिलता या जब वे अपमानित महसूस करते हैं। जब उन्हें अपेक्षानुसार कम मिलता है या जब वे लक्ष्य की प्राप्ति को चुनौती न समझकर संघर्ष समझते हैं। इसीलिए, संसार में कुछ ही लोग लक्ष्य तक पहुंचने में कामयाब होते हैं। जब ऐसा कुछ करना है जो तुम नहीं कर सकते, तब विश्राम नहीं कर सकते और तब भी विश्राम नहीं कर सकते जब लगता है कि तुम्हें वह बनना है जो तुम नहीं हो। ऐसा कुछ नहीं करना जो तुम नहीं कर सकते। तुमसे वह देने के लिए नहीं कहा जाएगा जो तुम नहीं दे सकते। जितना तुम कर सकते हो, केवल वही तुम्हारे हिस्से की सेवा है।यह समझ गहरा विश्राम देती है। यदि तुममें आकांक्षा या आलस्य है, तुम विश्राम नहीं कर सकते।दोनों ही गहरे विश्राम के विरुद्ध हैं। एक आलसी व्यक्ति रात भर करवटें बदलेगा, बेचैन रहेगा और एक आकांक्षी व्यक्ति अंदर ही अंदर जलेगा।गहन विश्राम तुम्हारी कलाओं और योग्यताओं को उभारता है और तुम्हें अपने स्वरूप के समीप लाता है।

बजट में रोजगार के नए अवसर निर्मित करने व आर्थिक विकास को गति देने का प्रयास किया गया है

- प्रहलाद सबनानी

हाल ही में लोकसभा के लिए सम्पन्न हुए चुनाव में भारतीय नागरिकों ने लगातार तीसरी बार एनडीए की अगुवाई में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को सत्ता की चाबी आगामी पांच वर्षों के लिए इस उम्मीद के साथ पुनः सौंपी है कि आगे आने वाले पांच वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा देश में आर्थिक विकास को और अधिक गति देने के प्रयास जारी रखे जाएंगे। भारत की वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन ने 23 जुलाई 2024 को मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट भारतीय संसद में पेश किया है। इस बजट के माध्यम से भारत की आर्थिक विकास दर को उच्च स्तर पर ले जाने का प्रयास किया गया है। केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 9 प्राथमिकताएं तय की है। कृषि क्षेत्र में उत्पादकता को बढ़ाना, युवाओं के लिए रोजगार के अधिकतम अवसर निर्मित करना एवं उनके कौशल को विकसित करना, गरीब नागरिकों को भी विकास में हिस्सेदारी देना एवं उन्हें सामाजिक न्याय देना, विनिर्माण इकाईयों को बढ़ावा देना, शहरी क्षेत्रों को विकसित करना, ऊर्जा की उपलब्धता सुनिश्चित करना, आधारभूत ढांचा विकसित करना, नवाचार, शोध एवं विकास करना तथा नई पीढ़ी के सुधार कार्यक्रमों को लागू करना। केंद्र सरकार एवं कुछ राज्य सरकारों द्वारा पूंजीगत खर्चों में लगातार की जा रही वृद्धि के चलते भारत की आर्थिक विकास दर को पंख लगते दिखाई दे रहे हैं। वर्ष 2022-23 के बजट में केंद्र सरकार द्वारा 7.5 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चों का प्रावधान किया गया था, वित्तीय वर्ष 2023-24 में इसमें 33 प्रतिशत की

भारी भरकम वृद्धि करते हुए इसे बढ़ाकर 10 लाख करोड़ रुपए का कर दिया गया था। अब वित्तीय वर्ष 2024-45 के लिए इसे और आगे बढ़कर 11.11 लाख करोड़ रुपए का कर दिया गया है, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद का 3.4 प्रतिशत है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था में न केवल स्थिरता दिखाई देने लगी है बल्कि यह लगातार तेज गति से आगे बढ़ रही है। आज पूरे विश्व में केवल भारतीय अर्थव्यवस्था ही एक चमकते सितारे के रूप में दिखाई दे रही है। बजट का गहराई से अध्ययन करने पर ध्यान में आता है कि केंद्र सरकार ने अब भारत में रोजगार के अधिकतम अवसर निर्मित करने की ठान ली है। भारत के युवाओं एवं महिलाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने एवं कौशल विकसित करने की दृष्टि से 2 लाख करोड़ रुपए की 5 योजनाओं के एक पैकेज की घोषणा की है। शिक्षा, रोजगार एवं कौशल विकास के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपए की राशि इस बजट में आबंटित भी कर दी गई है। प्रधानमंत्री पैकेज के अंतर्गत एढत्रह्ण के प्रथम बार सदस्य बनने पर औपचारिक क्षेत्र के कर्मचारियों के एढत्रह्ण खातों में एक माह का वेतन जमा किया जाएगा। इन कर्मचारियों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना के अंतर्गत एक माह का वेतन (15000 रुपए की अधिकतम राशि तक) तीन किश्तों में उनके खातों में जमा किया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत एक माह में एक लाख रुपए तक का वेतन पाने वाली कर्मचारी ही पात्र होंगे। इससे 2.1 करोड़ युवाओं को लाभ होने की सम्भावना बजट में व्यक्त की गई है।

ऐसे भी कई निर्णय लिए जा रहे हैं जिनसे आने वाले समय में धरातल पर युवाओं को लाभ होता दिखाई देगा। एक करोड़ युवाओं को आगामी 5 वर्षों के दौरान इंटर्नशिप योजना के अंतर्गत काम दिया जाएगा। ताकि ये युवा वर्ग के नागरिक रोजगार प्राप्त करने हेतु सक्षम हो सकें। इन युवाओं को प्रति माह 6,000 रुपए तक का वाजीफा सम्बंधित कम्पनियों द्वारा अदा किया जाएगा। वजीफे की इस राशि को कम्पनियों के लिए लागू निगमित सामाजिक दायित्व योजना के अंतर्गत किया गया खर्च माना जाएगा। भारत की सबसे बड़ी 500 कम्पनियों को इस योजना के अंतर्गत युवाओं को इंटर्नशिप की सुविधा देनी होगी। साथ ही, केंद्र सरकार द्वारा भी इन युवाओं को प्रतिमाह 5000 रुपए अदा किए जाएंगे। यह केंद्र सरकार का एक सूझबूझ भरा निर्णय कहा जा सकता हैं। साथ ही, विनिर्माण के क्षेत्र के रोजगार के नए अवसर निर्मित करने की पहल भी की जा रही है। नए कर्मचारियों के एढत्रह्ण खाते में जमा होने वाली राशि को आगामी 4 वर्षों तक केंद्र सरकार द्वारा वहन किया जाएगा, इससे कर्मचारी एवं नियोक्ता दोनों को ही लाभ होगा। इस योजना का लाभ 30 लाख युवाओं को होने जा रहा है। एक अन्य योजना के अंतर्गत नियोक्ता को अपने नए कर्मचारियों के एढत्रह्ण खातों में जमा की जाने वाली राशि की प्रतिपूर्ति आगामी 2 वर्षों तक केंद्र सरकार द्वारा की जाएगी। इससे रोजगार के 50 लाख नए अवसर निर्मित होने की सम्भावना है। केंद्र सरकार द्वारा हाल ही के समय में भारतीय सनातन संस्कृति के संस्कारों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से धार्मिक पर्यटन को देश में बढ़ावा दिया जा रहा है। धार्मिक पर्यटन से देश में रोजगार के लाखों अवसर निर्मित हो रहे हैं एवं गरीब वर्ग की आय में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। श्री विष्णुपाद मंदिर कोरिडोर, गया, बिहार एवं श्री महाबोधि मंदिर कोरिडोर बोधगया, बिहार को विकसित किए जाने की घोषणा की गई है। इसे काशी विश्वनाथ मंदिर कोरिडोर की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। इसी प्रकार देश में अन्य मंदिरों को भी विकसित किया जा रहा है ताकि देश में इन मंदिरों में श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो तथा भारत को वैश्विक पटल पर एक बहुत बड़े धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में दिखाया जा सके। भारत के ग्रामों में निवास कर रहे नागरिक रोजगार प्राप्त करने के उद्देश्य से शहरों की ओर पलायन करते हैं। अतः ग्रामों में ही रोजगार के अधिकतम अवसर निर्मित करने के उद्देश्य से ग्रामीण विकास की मद पर 2.66 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान इस बजट में किया गया है। साथ ही, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुद्रा लोन योजना के अंतर्गत प्रदान की जाने वाली ऋण राशि की सीमा को 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 20 लाख रुपए कर दिया गया है। यह सुविधा तरुण श्रेणी के अंतर्गत प्राप्त ऋण के व्यवसाईयों को प्राप्त होगी एवं जिन्होंने पूर्व में लिए गए 10 लाख रुपए के ऋण की राशि को समय पर अदा कर दिया है।

आखिर संसद का मौसम गड़बड़ क्यों ?

- राकेश अचल

संसद के बजट सत्र का मौसम खराब हो रहा है। खासतौर पर लोकसभा का मौसम ठीक नहीं दिखाई दे रहा। तृण मूल कांग्रेस ने तो खराब मौसम की चेतावनी देते हुए सत्ता पक्ष से अपनी-अपनी कुर्सियों की पेटी बाँधने के लिए कहा है। हिचकोले खाती संसद में लोकसभा अध्यक्ष सत्ता पक्ष के सर पर छाता ताने खड़े रहना चाहते हैं ,ताकि सरकार विपक्ष के बादलों के बरसने पर ज्यादा भींगे नहीं। लोकसभा में अध्यक्ष पद पर श्री ओम बिरला का ये दूसरा कार्यकाल है। वे संसद को कैसे चला रहे हैं ,इसके बारे में किसी टिप्पणी की जरूरत नहीं है। ये जानने के लिए सदन की कार्रवाई का सीधा प्रसारण देखकर ही अनुमान लगाया जा सकता है । सदन प्रमुख होने के नाते बिरला जी न तो विपक्ष को संरक्षण दे पा रहे हैं और न सत्ता पक्ष की ही ढंग से चाकरी कर पा रहे हैं। लोकसभा के इतिहास में ओम जी किस रूप में दर्ज किये जायेंगे ,ये कहना कठिन है। लोकसभा में बुधवार को केंद्रीय बजट 2024 पर चर्चा के दौरान तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी और लोकसभा स्पीकर ओम बिरला में तीखी नोकझोंक से इस बात के संकेत एक बार फिर मिले की ओम बिरला जी सदन चलने में असुविधा का अनुभव कर रहे है। विपक्षी सांसदों के बोलते ही लोकसभा अध्यक्ष को लगता है कि वे सरकार के दुश्मन हैं। तृण मूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी ने चर्चा के दौरान दावा किया कि सदन में तीन कृषि कानूनों पर चर्चा नहीं की जिन्हें बाद में वापस ले लिया गया था । अभिषेक बनर्जी के दावे पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने आपत्ति जताई और कहा कि इस सदन में तीन कृषि कानूनों पर करीब साढ़े पांच घंटे तक चर्चा हुई। बिरला की दावे पर अभिषेक ने जोर देकर कहा कि चर्चा नहीं हुई तो स्पीकर बोले कि जब अध्यक्ष बोलते हैं तो सही ही बोलते हैं और आपको रिकॉर्ड देखना चाहिए। लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका राष्ट्रपति के अभिभाषण पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी के प्रति जैसी थी ठीक वैसा ही वे तृण मूल कांग्रेस के अभिषेक के साथ कर रहे हैं। सत्ता के खिलाफ बोलते ही सत्ता पक्ष की और से लोकसभा अध्यक्ष खुद बचाव की मुद्रा में बोलना शुरू कर देते हैं। वे अक्सर भूल जाते हैं कि लोकसभा अध्यक्ष किसी दी का नहीं बल्कि सभी सांसदों के हितों का संरक्षक होता है। मेरे दिमाग में लोकसभा अध्यक्ष की जो छवि है उसमें पता नहीं क्यों बिरला जी समा नहीं रहे हैं। वे अक्सर संघ की शाखा प्रमुख के हिसाब से बर्ताव करने दिखाई देते हैं। कभी-कभी ऐसा लगता है की उन्होंने संघ की शाखाओं में केंद्रीय कर्मचारियों पर लगे प्रतिबंध की समाप्ति को अपने ऊपर भी लागू कर लिया है। चर्चा के दौरान अभिषेक बनर्जी ने 2016 में की गई नोटबंदी का जिक्र किया जिस पर स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि माननीय सदस्य आप वर्तमान बजट पर बात करें क्योंकि 2016 के बाद तो काफी समय निकल गया, इसके बाद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि कोई पूर्व पीएम जवाहरलाल नेहरू की बात बोलेगा तो आप कुछ नहीं कहेंगे और मैं 2016 की नोटबंदी की बात कर रहा हूं तो आप कह रहे हैं कि वर्तमान बजट पर बोलिए। अभिषेक बनर्जी बोले कि ये पक्षपात नहीं चलेगा क्योंकि जब कोई इमरजेंसी के मुद्दे को उठाता है तो आप चुप रहते है। किसी भी लोकसभा अध्यक्ष के लिए ये लज्जा की बात है की सदन का कोई भी सदस्य उनके ऊपर पक्षपात का आरोप लगाए। दुर्भाग्य से ओम जी के साथ ऐसा हर दिन हो रहा है।

आज का राशिफल

मेष दिन शुभ है और भाग्य आपका साथ दे रहा है। कार्यक्षेत्र में आपके पक्ष में कुछ बदलाव हो सकते हैं।

तुला आज आपको शिक्षा व प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि मिलने के योग हैं।

वृषभ आपके सुख में वृद्धि होगी। परिवार के लोगों के साथ आपका दिन खुशहाली में बीतेगा।

वृश्चिक आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होकर धन, सम्मान और यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।

मिथुन किसी बहुमूल्य वस्तु अथवा संपत्ति की प्राप्ति की अभिलाषा आज पूरी होगी।

धनु धन गृहोपयोगी वस्तुओं पर खर्च होगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी।

कर्क आज भाग्य साथ देगा और आपके लिए उत्तम वस्तुओं की प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

मकर आज लाभ होगा और आपको हर्ष होगा। आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में बेहतर होगी।

सिंह दिन सफलता से भरा होगा और सभी रुके कार्य पूर्ण होंगे। संतान के प्रति दायित्व की भी पूर्ति होगी।

कुंभ आज दिन मिलाजुला रहेगा और आज आपको अधिक खर्च करना पड़ सकता है।

कन्या आपको किस्मत का साथ मिलेगा आपके परिवार में मंगल कार्य की खुशी होगी।

मीन आपका जीवन आनंद में बीतेगा। पास और दूर की सकारणीय यात्रा भी हो सकती है।

विशेष

भारत की अर्थव्यवस्था में सब चंगा सी

वित्त मंत्री के रूप में निर्मला सीतारमण ने वर्ष 2023-24 का आर्थिक सर्वेक्षण प्रस्तुत किया। इस सर्वेक्षण में जो सुनहरी तस्वीर दिखाई गई है। उसके अनुसार भारत आर्थिक दृष्टि से सबसे मजबूत देश है। सर्वे में सरकार ने जो आर्थिक पक्ष दिखाया है। उसके अनुसार भारत में सब चंगा सी है। आम जनता हैरान परेशान घूम रही है। सरकार महंगाई और बेरोजगारी को नियंत्रित नहीं कर पा रही है। बचत खत्म हो गई है। आम लोग कर्जदार हो रहे हैं। अमीर-अमीर होते जा रहे हैं। गरीब- गरीब होते जा रहे हैं। इसके बाद भी सरकार के लिए अर्थव्यवस्था में सब चंगा सी है।

नेम प्लेट बनाम जाहिल नेम प्लेट

उत्तर प्रदेश सरकार ने कावड़ यात्रा के मार्ग पर जितनी भी दुकान, रेहणी और ठेले वाले थे। उनके मालिकों को अपनी दुकान के सामने मालिक का नाम, मोबाइल नंबर और काम करने वालों के नाम लिखने के आदेश दिए थे। थानेदारों द्वारा सभी दुकानदारों को आदेश दिए गए। जिसके कारण सभी होटल ढाबे और फल-सब्जी बेचने वालों को भी अपने नाम लिखने पड़ रहे थे। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर रोक लगा दी है। 26 जुलाई को अब इस मामले की सुनवाई होगी। उत्तर प्रदेश के इस आदेश को जाहिल नेम प्लेट के रूप में नई पहचान मिली है। भारत सरकार ने जो कानून बनाया है। उसके अनुसार शाकाहारी एवं मांसाहारी के रूप में प्रदर्शन अनिवार्य किया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने यह निर्णय क्यों किया, इसके पीछे कहा जा रहा है। उत्तर प्रदेश में 10 विधानसभा सीटों के उपचुनाव होना है। बीजेपी इन चुनाव को हर हालत में जीतना चाहती है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1563: फ्रांस ने अंग्रेजों से ली हार्वे पुनः छीन लिया. 1824: रूस ने तुर्की से संबंध तोड़ लिए. 1856: आयरिश नाटककार जार्ज बर्नार्ड शा का जन्म हुआ. 1897: फ्रांस ने ताहिती द्वीप पर कब्जा किया. 1926: फिलीपींस की संसद ने स्वाधीनता के मसले पर जनमत संग्रह का आह्वान किया जिस पर अमरीका ने वीटो का प्रयोग किया. 1942: ब्रिटिश वायुसेना ने द्वितीय विश्व युद्ध में हैम्बर्ग पर जबरदस्त बमबारी की. 1945: द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रिटेन अमरीका और चीन ने जापान से बिना शर्त समर्पण की मांग की. 1952: मिस्त्र के शाह फारुख ने गद्दी छोड़ी. 1956: मिस्त्र के राष्ट्रपति गमाल अब्दुल नासिर ने स्वेज नहर का राष्ट्रीयकरण किया. 1974: यूनान में सात साल के सैनिक शासन के बाद कांस्टेटइन कारमैनलिस ने सरकार का गठन किया.

दैनिक पंचांग

26 जुलाई 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शुक्रवार 2024 वर्ष का 208 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2081 शक संवत् 1946
मास श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ़)
पक्ष कृष्ण तिथि षष्ठी 23.31 बजे को समाप्त। नक्षत्र उत्तराभाद्रपद 14.30 बजे को समाप्त। योग सुकर्मा 01.32 बजे रात को समाप्त।
करण गर 12.43 बजे तदनन्तर वणिज 23.31 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 20.0 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 19° 32'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872052
जूलियन दिन 2460517.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना मोहर्रम तारीख 19
विशेष कारगिल विजय दिवस।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	07.06 बजे से
चंद्र	मीन में	कन्या	09.17 बजे से
मंगल	वृष में	तुला	11.28 बजे से
बुध	सिंह में	वृश्चिक	13.43 बजे से
गुरु	वृष में	धनु	15.59 बजे से
शुक्र	कर्क में	मकर	18.04 बजे से
शनि	कुंभ में	कुंभ	19.50 बजे से
राहु	मीन में	मीन	21.23 बजे से
केतु	कन्या में	मेष	22.54 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		वृष	00.34 बजे से
		मिथुन	02.32 बजे से
		कर्क	04.45 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.11 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

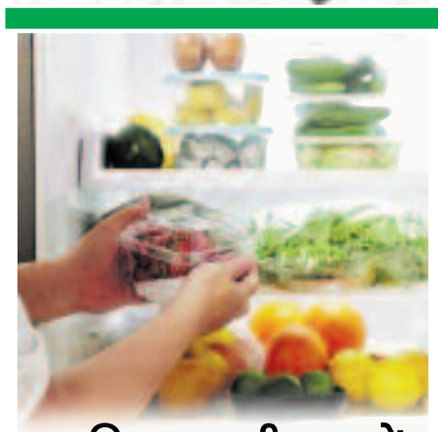

बारिश का सीजन में फ्रिज में रखते ही जहर बन जाएंगी ये सब्जियां

बरसात के मौसम में हेल्दी रहने के लिए खान-पान का खास ख्याल रखना होता है। छिले हुए लहसुन को फ्रीज करने से यह गल जाता है। शहद को रेफ्रिजरेट करने से यह बेस्वाद हो जाता है। 24 घंटे से ज्यादा समय तक चावल को फ्रिज में रखने के बाद खाने से फूड पॉइजनिंग हो सकती है। आइए जानते हैं ऐसी कौन-कौन सी सब्जियां हैं, जिन्हें फ्रिज में नहीं रखना चाहिए।

आमतौर पर हम खाने-पीने की हर चीज को फ्रिज में रख देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हर एक चीज फ्रिज में रखने लायक नहीं होती है। कई ऐसी चीजें हैं जिन्हें अगर हम फ्रिज में रखते हैं तो उनके रंग, सुगंध और स्वाद में कमी आ जाती है। आयुर्वेदिक डाइट एक्सपर्ट डॉ. डिंपल जांगड़ा यहां बता रही हैं कि वो कौन सी सब्जियां हैं जो फ्रिज में रखने पर जहरीली हो सकती हैं।

अदरक

अदरक को फ्रिज में रखने से भी उसमें जल्दी फफूंदी लग जाती है और यह किडनी और लिवर फेल होने का कारण बन सकता है। इसलिए अदरक को भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए। अदरक एक बहुत ही पौष्टिक औषधि है। ऐसा कहा जाता है कि अदरक खाने से अपच, कब्ज और पेट फूलने जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। यह एंटीऑक्सीडेंट से भी भरपूर होता है।

लहसुन

लहसुन को छीलकर फ्रिज में नहीं रखना चाहिए, क्योंकि इसमें जल्दी फफूंदी लग जाती है और फफूंदी लगे लहसुन के सेवन से कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। फ्रिज में रखने से लहसुन के तेल भी खत्म हो जाते हैं, जिससे इसका स्वाद भी खराब हो जाता है। इसलिए लहसुन को हमेशा बिना छिले ही खरीदें और इस्तेमाल से पहले ही छीलें। इसे फ्रिज में रखने के बजाय बाहर ही रखें।

प्याज

अक्सर लोग आधा प्याज काटकर बाकी आधा फ्रिज में रख देते हैं, ऐसा नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से आसपास के वातावरण के सभी हानिकारक बैक्टीरिया प्याज में चले जाते हैं और उसमें फफूंदी लग जाती है। जब घर में कोई बीमार होता है तो हम अक्सर एक प्याज काटकर कमरे के कोने में रख देते हैं ताकि वातावरण में मौजूद सभी हानिकारक बैक्टीरिया उसमें समा जाएं।

आलू-शिमला

आलू को फ्रिज में रखने से उसका टेक्सचर और स्वाद खराब हो जाता है। इसे पेपर बैग में लपेटकर कमरे के तापमान पर स्टोर करना बेहतर होता है। फ्रिज में रखने से शिमला मिर्च भी मुलायम हो जाती है और इसका स्वाद भी खराब हो जाता है। इसे भी कमरे के तापमान पर ही स्टोर करना चाहिए।

लिवर की बीमारी होने से पहले आपका शरीर आपको देता है ये संकेत

अगर आपकी स्किन पर इसमें से कोई संकेत दिख रहे हैं तो ये जरूरी है कि आप पहले अपने डॉक्टर से संपर्क करें। लिवर की बीमारी होने से पहले स्किन पर ये लक्षण दिखते हैं।

हमारी स्किन कई बार हमें आने वाले खतरे का इशारा कर देती है। कुछ बीमारियां खासतौर पर स्किन के जरिए दिखती हैं। उदाहरण के तौर पर जब पीलिया या जॉइन्डिस होता है तो स्किन पीली होने लगती है। इसका सीधा सा संकेत है कि लिवर में पित्त बहुत ज्यादा बन गया है और स्किन पर इसका असर दिखने लगता है। पीलिया होते ही हम डॉक्टर के पास जाकर ट्रीटमेंट शुरू करवाते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि लिवर की बीमारी होने से पहले स्किन पर और भी संकेत मिलते हैं। लिवर की अलग-अलग कंडीशन होने पर स्किन हमें संकेत देती है कि अब टेस्ट करवाने की जरूरत है। डायटीशियन और होलिस्टिक न्यूट्रिशनिस्ट और डाइट पोडियम की फाउंडर शिखा महाजन से हमने बात की और इस बारे में और जानने की कोशिश की। उन्होंने विस्तार से हमें स्किन पर होने वाले रिएक्शन्स के बारे में बताया।

लिवर की बीमारी में स्किन में शुरू हो जाती है खुजली

आपका लिवर डैमेज हो रहा है इसका एक लक्षण खून में पित्त का बनना भी हो सकता है। ऐसा होने पर स्किन में खुजली शुरू हो जाती है। जब पित्त का डक्ट ब्लॉक होता है तो पित्त धीरे-धीरे खून में मिलने लगता है और स्किन के निचले हिस्से पर इकट्ठा हो जाता है। यही कारण है कि स्किन में खुजली होने लगती है और आपको थोड़ी असहजता होती है।

शरीर पर पड़ते हैं नीले चकत्ते या होती है ब्लीडिंग

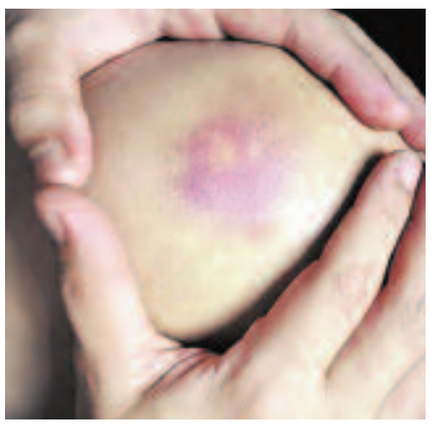

लिवर के डैमेज होने के कुछ सबसे पहले लक्षणों में से एक है शरीर में जगह-जगह नील पड़ जाना और बहुत आसानी से खून निकल आना। ये लक्षण कहते हैं कि आपका लिवर स्वस्थ नहीं है और ब्लड क्लॉटिंग रोकने के लिए जिन प्रोटीन्स की जरूरत होती है वो लिवर में सही मात्रा में नहीं बन रहे हैं।

स्पाइडर एंजियोमास का बनना

स्किन पर दिखने वाले कई लक्षणों में से एक है स्पाइडर एंजियोमास का दिखना। ये छोटी-छोटी कोशिकाएं होती हैं जो मकड़ी के जालों की तरह दिखती हैं। ये भी स्किन के निचले हिस्से में होती हैं और जब शरीर में एस्ट्रोजन लेवल बढ़ता है तो ये दिखने लगती हैं। अगर ये दिखती हैं इसका मतलब लिवर ठीक तरह से काम नहीं कर रहा है और आपके हार्मोन्स मेटाबोलाइज्ड नहीं हो रहे हैं।

मुंह से बहुत बदबू आना

मुंह से बहुत बदबू आना भी इस बात का लक्षण है कि आपका लिवर सही तरह से काम नहीं कर रहा है। dimethyl sulfide का हाई लेवल इस बात की ओर इशारा करता है कि आपको लिवर सिरोसिस हो रहा है और इससे फरूटी, सड़ी हुई बदबू आपके मुंह से आती है। लिवर डैमेज के द्वारा मुंह की दुर्गंध को Fetor hepaticus कहा जाता है।

चेहरे पर हाइपरपिगमेंटेशन

अगर आपके चेहरे पर एकदम से झाइयां और हाइपरपिगमेंटेशन होने लगा है तो ये भी लिवर डैमेज का एक लक्षण हो सकता है। जब लिवर ठीक से काम नहीं करता है तो शरीर में एस्ट्रोजेन का स्तर बढ़ जाता है। ऐसे में tyrosinase नामक एक एन्जाइम शरीर में बढ़ता है जिसमें कॉपर होता है। ये मेलानिन का प्रोडक्शन बढ़ाता है और इससे पिगमेंटेशन की समस्या होती है। हथेलियों पर होती है खुजली, जलन और लालिमा लिवर डैमेज का एक और लक्षण ये होता है कि आपकी हथेलियों में लालिमा, जलन, खुजली बहुत ज्यादा बढ़ जाती है। ये शरीर में असमान्य हार्मोन लेवल्स के कारण होता है।

अगर आपको कोई भी अलग लक्षण अपनी स्किन पर दिख रहा है तो एक बार अपने डॉक्टर से चेक करवा लेना जरूरी है। हो सकता है ये लिवर के कारण नहीं बल्कि किसी और कारण से हो रहा हो, लेकिन स्किन पर अक्सर इसके लक्षण दिखने लगते हैं। रेगुलर चेकअप किसी गंभीर समस्या से बचा सकता है और आपको ऐसा कुछ भी होने पर हमेशा मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह लेनी चाहिए जो आपको विस्तार से इसके बारे में बताएगा।

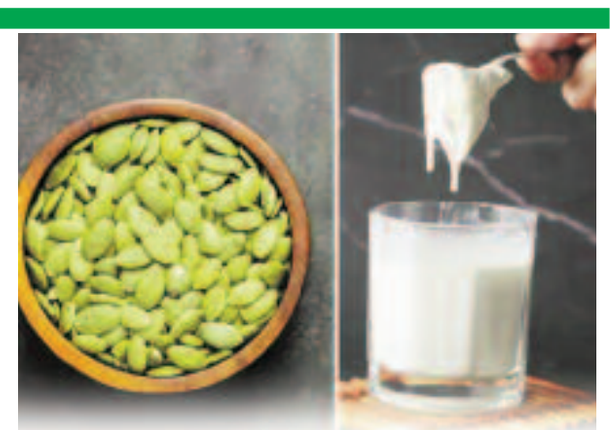

बरसात में शरीर को ले डूबेगी ज़िंक की कमी, आता-जाता इंफेक्शन कर देगा बुरा हाल

इस मानसून कद्दू के बीज, ओट्स, फलियां, डेयरी उत्पाद और डार्क चॉकलेट जरूर खाएं। ये फूड जिंक से भरपूर हैं और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने का काम करते हैं। जिंक इम्यून सेल्स को संक्रमण से लड़ने में मदद करता है।

ज़िंक एक ज़रूरी मिनरल है जो हेल्दी इम्यून सिस्टम के लिए ज़रूरी है। यह इंफेक्शन से लड़ने में अहम रोल निभाता है क्योंकि यह इम्यून सेल्स के विकास और काम में मदद करता है। इस मानसून के मौसम में अपनी डाइट में ज़िंक से भरपूर फूड्स को शामिल करके अपनी इम्यूनिटी को बढ़ावा दे सकते हैं। क्योंकि इस समय कीटाणु और वायरस तेज़ी से बढ़ते हैं।

इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए क्या करें

ये 5 फूड्स ज़िंक से भरपूर होते हैं जो प्रतिदिन ज़िंक की रोज़ाना की ज़रूरतों को पूरा कर सकते हैं। पुरुषों को रोजाना 11

कद्दू के बीज

30 ग्राम कद्दू के बीज में लगभग 2.2 मि.ग्रा. ज़िंक होता है। इन्हें सलाद पर छिड़कें, अपनी सुबह के ओट्स में शामिल करें या नाश्ते के रूप में खा सकते हैं। ये बीज प्रोस्टेट हेल्थ को सपोर्ट कर सकते हैं और यहां तक कि अपने उच्च ज़िंक कंटेंट और अन्य लाभकारी पोषक तत्वों के कारण डायबिटीज को मैनेज करने में भी मदद कर सकते हैं।

फलियां

छोले, दाल और बीन्स जैसी फलियां ज़िंक से भरपूर होती हैं। 100 ग्राम पकी हुई दाल में पुरुषों के लिए रोजाना का 12% और महिलाओं के लिए 16% जिंक होता है। फलियां फाइबर, प्रोटीन और विभिन्न विटामिन और खनिजों से भी भरपूर होती हैं, जो उन्हें बैलेंस्ड डाइट बनाता है। फलियों के नियमित सेवन से पाचन स्वास्थ्य बेहतर होता है और क्रॉनिक डिजीज का खतरा कम होता है।

ओट्स

ओट्स ज़िंक का एक और बेहतरीन सोर्स हैं, जो पानी में पकाए जाने पर एक कप में लगभग 2.3 मि.ग्रा. प्रदान करते हैं। ये न केवल ज़िंक से भरपूर होते हैं बल्कि फाइबर से भी भरपूर होते हैं, जो पाचन स्वास्थ्य को सपोर्ट करता है।

डेयरी प्रॉडक्ट

शोध के मुताबिक पनीर और दूध जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स बायोअवेलेबल ज़िंक के जाने-माने स्रोत हैं, जिसका अर्थ है कि हमारा शरीर इन वस्तुओं में मौजूद अधिकांश ज़िंक को अवशोषित कर सकता है। एक कप फुल क्रीम दूध में पुरुषों के लिए दैनिक आवश्यकता का 9% और महिलाओं के लिए 13% जिंक होता है। डेयरी प्रोडक्ट्स कैल्शियम और विटामिन डी भी प्रदान करते हैं, जो हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।

डार्क चॉकलेट

मीठा पसंद करने वालों के लिए, डार्क चॉकलेट ज़िंक की मात्रा को बढ़ावा देने का एक स्वादिष्ट तरीका है। 70%-85% डार्क चॉकलेट के 100 ग्राम बार में 3.31 मि.ग्रा. ज़िंक होता है। डार्क चॉकलेट ज़िंक और एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होती है मगर यह कैलोरी और शुगर में भी अधिक होती है, इसलिए इसका सेवन कम मात्रा में करना चाहिए।

बरसात के दिनों अक्सर मच्छरों से होने वाली बीमारियां भी काफी बढ़ जाती हैं। सिर्फ गर्मी ही नहीं, बरसात में भी शरीर में पानी की कमी हो सकती है। ऐसे में इससे बचने के लिए हाइड्रेड रहना बेहद जरूरी है। अपने बच्चों की इम्युनिटी मजबूत करने के लिए उन्हें हेल्दी डाइट दें।

बच्चों की इम्युनिटी होती है कमजोर, बारिश के मौसम में वायरल होने की बढ़ जाती है आशंका

वर्षा के चलते कई जगहों पर जलभराव और गंदगी होने से मच्छर और खतरनाक बैक्टीरिया जन्म ले लेते हैं। पानी और हवा के जरिए ये बैक्टीरिया खाने और शरीर तक पहुंचते हैं। हम बुखार व फ्लू जैसी बीमारियों की जकड़ में आ जाते हैं, लेकिन अगर थोड़ी सावधानी बरती जाए, तो इन बीमारियों से बचा जा सकता है। चूंकि बच्चों की इम्युनिटी कमजोर होती है, तो इस वायरल की चपेट में वह जल्दी आ जाते हैं। मौसम बदलने के साथ ही वायरल बुखार की शुरुआत हो चुकी है।

बासा खाना बिल्कुल भी न दें

काफी संख्या में बच्चे ओपीडी में पहुंच रहे हैं। इस वायरल से बचने का तरीका यही है कि बच्चे खाने से पहले हाथ धो लें। पेरेंट्स बच्चों को डाइट अच्छी दें। ताजा खाना और ताजे फल ही खिलाएं। बाहर का खाना खाने से बचें और बासा खाना बिल्कुल भी न दें। फिर भी यदि आपका बच्चा वायरल की चपेट में आ जाता है तो अच्छे डॉक्टर को दिखाएं और प्रॉपर दवा लें। यदि आपके घर में दूसरा बच्चा भी है, तो उसके साथ प्रिकोशन रखें, वरना वह भी वायरल की चपेट में आ सकता है।

आसपास पानी का भराव न होने दें

वायरल के दौरान पौष्टिक चीजें ही बच्चे को दें। ठंडा और खट्टा देने से बचें। बच्चे का टॉवेल और हैंकी अलग कर दें। आने वाले समय में मच्छर से होने वाले मलेरिया, डेंगू के केस भी बढ़ेंगे। इसके लिए जरूरी है कि अपने आसपास पानी का भराव न होने दें। जहां तक हो सके बच्चों को फुल बांह के कपड़े पहनाएं।

डिमेंशिया के जोखिम को कम करती हैं सरल दैनिक आदतें

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर आप स्मार्टफोन और गूगल को समय देने के बजाय सरल दैनिक आदतों की ओर ध्यान दें तो यह आपके मस्तिष्क को स्वस्थ रखने के साथ मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के जोखिम को भी कम कर सकता है। वाटरलू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ने अपनी नई पुस्तक आईमाइंड- आर्टिफिशियल एंड रियल इंटेलिजेंस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तुलना में सरल दैनिक आदतों पर ध्यान देने को कहा है। उन्होंने कहा है कि लोगों का फोकस सेल्फ लर्निंग से हटकर गूगल पर निर्भर हो गया है, जिसके गंभीर दूरगामी परिणाम हो सकते है। उन्होंने अपनी किताब आईमाइंड में कहा है कि कोई भी चीज मानव मस्तिष्क-मन की क्षमता, भंडारण, दीर्घायु, ऊर्जा दक्षता या आत्म उपचार क्षमताओं की नकल नहीं कर सकती। वर्तमान स्मार्टफोन की उपयोगी जीवन प्रत्याशा लगभग 10 वर्ष है। जबकि एक स्वस्थ मानव शरीर के अंदर एक स्वस्थ मस्तिष्क-मन 100 वर्ष या उससे अधिक समय तक जीवित रह सकता है। स्मार्ट डिवाइस तेजी से अपनी जगह बना रहे हैं, लेकिन वह मानव मस्तिष्क की भंडारण क्षमता या स्व-उपचार क्षमताओं की नकल कभी नहीं कर सकते। इस किताब में मनोभ्रंश के कारण होने वाले व्यक्तिगत नुकसान के बारे में बात की गई है। उन्होंने मस्तिष्क की दीर्घकालिक क्षमता की तुलना स्मार्टफोन के सीमित जीवनकाल से करते हुए कहा कि यदि स्वस्थ मस्तिष्क का पोषण किया जाए तो वह 100 वर्षों से अधिक समय तक चल सकता है। दैनिक मस्तिष्क व्यायाम जैसे मेमोरी वर्कआउट, एसोसिएटिव मेमोरी विकसित करना, शराब को नियंत्रित करना, आराम करना और नियमित झपकी लेना जैसे दैनिक व्यायाम मस्तिष्क के स्वास्थ्य को बढ़ाने में मदद करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

नए सरलीकृत आयकर कानून का पहला मसौदा कर विभाग पैनल द्वारा तैयार किया जाएगा: संजय मल्होत्रा

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने गुरुवार को कहा कि बजट में प्रस्तावित नए सरलीकृत आयकर कानून का पहला मसौदा कर विभाग की एक आंतरिक समिति द्वारा तैयार किया जाएगा। इसके बाद विधेयक को अंतिम रूप देने से पहले हितधारकों से परामर्श किया जाएगा।

प्रक्रिया की स्पष्टता- मल्होत्रा ने स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया नई प्रत्यक्ष कर संहिता लाने से जुड़ी नहीं है, बल्कि आयकर कानून की व्यापक समीक्षा से संबंधित है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में घोषणा की थी कि आयकर अधिनियम, 1961 की व्यापक समीक्षा छह महीने में पूरी की जाएगी। उन्होंने कहा था कि इसका उद्देश्य अधिनियम को संक्षिप्त, सुस्पष्ट और समझने में आसान बनाना है, जिससे विवाद और मुकदमेबाजी कम होगी और करदाताओं को कर निश्चितता मिलेगी।

आगे की योजना- मल्होत्रा ने बताया कि समीक्षा के बाद सरलीकृत आयकर कानून का पहला मसौदा कर विभाग की एक आंतरिक समिति द्वारा तैयार किया जाएगा। उद्योग निकाय फिक्की के साथ एक परिचर्चा सत्र में मल्होत्रा ने कहा, हम एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाना चाहेंगे....पहला मसौदा एक आंतरिक दल द्वारा तैयार किया जाएगा। फिर हम देखेंगे कि इसे हितधारकों के परामर्श के साथ आगे कैसे बढ़ना है।

अच्छा रिटर्न दे रहा सुजलॉन एनर्जी का शेयर

लगातार लग रहा अपर सर्किट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड के शेयर लगातार फोकस में हैं। कंपनी के शेयर में बंपर खरीदारी हो रही है। सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड के शेयर में आज गुरुवार को भी 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लग गया है और यह शेयर 63.74 रुपये के रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया। यह इसका 52 वीक का नया हाई है। इससे पहले कल बुधवार और मंगलवार को भी इसमें अपर सर्किट लगा था। शेयरों में इस तेजी के पीछे जून तिमाही के नतीजे हैं। दरअसल, जून तिमाही में सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड को जबरदस्त फायदा हुआ है। जून तिमाही में कंपनी के मुनाफे में 200 प्रतिशत की तेजी देखी गई और यह 302 करोड़ पर पहुंच गया। वहीं, कंपनी ने 30 जून, 2024 तक नेट कैश स्टेटस 1,197 करोड़ बताया है। इतना ही नहीं, जून तिमाही के अंत तक सुजलॉन की ऑर्डर बुक रिकॉर्ड 3.8 गीगावॉट तक पहुंच गई। यह कंपनी के हिस्ट्री में सबसे ज्यादा है।

शेयर लगातार दे रहा मुनाफा- 2024 में अब तक यह शेयर 65 प्रतिशत और पिछले एक साल में 234 प्रतिशत चढ़ गया है। पांच साल में इस शेयर में 1400 प्रतिशत तक की तेजी आई है। इस दौरान इसकी कीमत 4 रुपये से बढ़कर वर्तमान प्राइस तक पहुंच गई। इसका 52 वीक का हाई और 52 वीक का लो प्राइस क्रमशः 63.74 रुपये और 17.43 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 85,618.77 करोड़ रुपये हो गया है। नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने कहा कि कंपनी ने जून तिमाही के नतीजों में मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया है, जिसका ऑपरेटिंग मार्जिन स्ट्रीट उम्मीदों से कहीं अधिक है, जिससे टैक्स के बाद लाभ (पीएटी) साल-दर-साल 3 गुना तक बढ़ गया है।

दो लाख रुपये से व्यवसाय शुरू किया, अब 10,000 करोड़ रुपये का साम्राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी। मीरा कुलकर्णी फॉरेस्ट एसेंशियल्स की संस्थापक और सीएमडी हैं। उनकी सफलता के सफर में कदम-कदम पर बाधाएं आईं। लेकिन, वह उनसे जरा भी नहीं घबराईं। 28 साल की उम्र में अपने माता-पिता को खो देने के बाद मीरा कुलकर्णी ने दो लाख रुपये से एक व्यवसाय शुरू किया। यह अब 10,000 करोड़ रुपये का साम्राज्य बन गया है। फॉर्च्यून पत्रिका उन्हें भारत में कारोबार की सबसे शक्तिशाली महिलाओं में से एक का खिताब देती रही है। आइए, यहां मीरा कुलकर्णी के बारे में जानते हैं।

टूट गई शादी, माता-पिता नहीं रहे- मीरा की कहानी कठिनाइयों और दृढ़ता का प्रमाण है। पति के व्यापारिक संकटों और शराब की लत के कारण शादी टूटने के बाद मीरा

अपने दो छोटे बच्चों के साथ माता-पिता के घर वापस चली आई थीं। फिर उन्हें 28 साल की उम्र में अपने माता-पिता दोनों को खो देने का दुख झेलना पड़ा। अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए वह अकेली रह गईं। लेकिन, मीरा ने हार नहीं मानी। हर चुनौती का सामना पूरे साहस से किया।

छोटे से गैरेज से शुरू की कंपनी - 45 साल की उम्र में बेटी की शादी के बाद मीरा को मोमबत्तियां और हाथ से बने साबुन का शौक हुआ। यह शौक आगे चलकर एक व्यावसायिक विचार में बदल गया और 2000 में उन्होंने फॉरेस्ट एसेंशियल्स की स्थापना की। सिर्फ दो लाख रुपये और एक छोटे से गैरेज में दो कर्मचारियों के साथ शुरुआत करके मीरा ने नैचुरल इंग्रीडिएंट्स पर फोकस किया। आयुर्वेद का उपयोग करके अपने उत्पादों को खास बनाया। उनकी कड़ी मेहनत रंग लाई और कंपनी तेजी से बढ़ी। आज फॉरेस्ट एसेंशियल्स भारत के 28 शहरों में फैली हुई है। यह कई करोड़ का व्यवसाय बन गई है।

करोड़ों की बन गईं मालकिन

2008 में एस्टी लॉडर कंपनीज ने फॉरेस्ट एसेंशियल्स में हिस्सेदारी का अधिग्रहण कर महत्वपूर्ण साझेदारी की। हयात और ताज जैसी प्रतिष्ठित होटल श्रृंखलाओं के साथ कोलैबरेशन ने ब्रांड की प्रतिष्ठा को और बढ़ाया। कोटक वेल्थ हुरुन के 2020 के संस्करण के अनुसार, मीरा की कुल संपत्ति 1,290 करोड़ रुपये थी। फॉरेस्ट एसेंशियल्स के अब भारत में 110 से ज्यादा स्टोर हैं। यह चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय स्थानों पर भी उपलब्ध है। ब्रांड ताज और हयात जैसी लग्जरी होटल श्रृंखलाओं के साथ-साथ दुनिया भर के हाई-एंड स्पा को अपने उत्पाद प्रदान करता है।

कड़ी मेहनत सफलता का मंत्र

मीरा कुलकर्णी की कहानी दिखाती है कि कैसे कड़ी मेहनत और दृढ़ता से सपने हकीकत में बदल सकते हैं। चुनौतियों का डटकर सामना करने और अपने जुनून को आगे बढ़ाने की उनकी अटूट भावना ने उन्हें एक सफल उद्यमी बना दिया है। उनकी यात्रा दूसरों को प्रेरित करती है कि वे अपने सपनों का पीछा करें और बाधाओं को खुद को परिभाषित न करने दें।

एक लाख बन गए 33 लाख रुपये, इंसोलेशन ने दिया छप्परफाड़ रिटर्न

सोलर एनर्जी से जुड़ी इस कंपनी ने निवेशकों को किया मालामाल

नई दिल्ली, एजेंसी। सोलर पैनल से जुड़ी एक कंपनी के शेयर स्टॉक मार्केट में रॉकेट बने हुए हैं। इस कंपनी का नाम इन्सोलेशन एनर्जी लिमिटेड है। इसके शेयरों ने निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। करीब 3 महीने में इस शेयर ने निवेशकों की रकम दोगुनी कर दी है। अभी भी इस कंपनी के शेयर लगातार ऊपर चढ़ रहे हैं। इस समय इस कंपनी के एक शेयर की कीमत 3329 रुपये है। आज इसमें 5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। इस कंपनी के शेयरों की कीमत आने वाले समय में और बढ़ सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को पेश किए बजट में सोलर ऊर्जा पर ज्यादा जोर दिया है।

इंसोलेशन एनर्जी लिमिटेड कंपनी के शेयर ने करीब 3 महीने में ही निवेश को दोगुना और 6 महीने में तीन गुना कर दिया है। 12 अप्रैल को एक शेयर की कीमत करीब 1676 रुपये थी। अब इसकी कीमत 3329 रुपये हो गई है। ऐसे में करीब तीन महीने में ही निवेश की रकम दोगुनी कर दी है। वहीं 6 महीने के रिटर्न की बात करें तो कंपनी ने इतने समय में बंपर रिटर्न दिया है। 6 महीने में रिटर्न 50, 100 या 200 नहीं बल्कि 208 फीसदी रहा है। यानी कंपनी ने मात्र 6 महीने में ही निवेश की रकम को तीन गुना कर दिया है। अगर आपने 6 महीने पहले कंपनी में एक लाख रुपये निवेश किए होते तो आपको 2 लाख 8 हजार रुपये का फायदा हो चुका होता।

एक साल में कर दिया मालामाल

इस कंपनी ने एक साल में निवेशकों को मालामाल कर दिया है। इस एक साल में कंपनी के शेयरों ने 1760 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। अगर आपने एक साल पहले इस कंपनी के एक लाख रुपये के शेयर खरीदे होते तो आपको 17.60 लाख रुपये का फायदा हो चुका होता। ऐसे में आपका कुल निवेश 18.60 लाख रुपये होता।

21 महीने में एक लाख के बना दिए 33 लाख

इस कंपनी का यह शेयर अक्टूबर 2022 को शेयर मार्केट में लिस्ट हुआ था। उस समय इसकी कीमत 97 रुपये थी। ऐसे में इस शेयर ने अब तक 21 महीनों में जबरदस्त रिटर्न दिया है। इन 21 महीने में में कंपनी ने निवेशकों की रकम 33 गुना से ज्यादा कर दी है। अगर आपने अक्टूबर 2022 को इस कंपनी के एक लाख रुपये के शेयर खरीदे होते तो आज उनकी वैल्यू 34.33 लाख रुपये होती यानी आपको 33.33 लाख रुपये का फायदा हो चुका होता।

क्या करती है कंपनी

Insolation Energy Ltd कंपनी सोलर पैनल और इसके मॉड्यूल बनाती है। साल 2016 में स्थापित हुई इस कंपनी की 200 मेगावाट एसपीवी मॉड्यूल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट जयपुर में लगी है। इसके अलावा कंपनी लेड एसिड वाली बैटरी भी बनाती है। कंपनी का मार्केट कैप करीब 7 हजार करोड़ रुपये है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का रेवेन्यू 741.32 करोड़ रुपये था। यह पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 165 फीसदी ज्यादा रहा। वहीं कंपनी का प्रॉफिट करीब 55 करोड़ रुपये था। यह भी पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 400 फीसदी से ज्यादा रहा।

कतर एयरवेज ने बिजनेस क्लास वालों के लिए नई सुविधा शुरू की

क्यूसुइट में सफर करने वालों को कई तरह की आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बेहतर सुविधा देने वाली एयरलाइंस में से एक कतर एयरवेज ने एक नई बिजनेस क्लास शुरू की है। इस क्लास का नाम क्यूसुइट है। इस क्लास को बेस्ट बिजनेस क्लास का अवॉर्ड मिला है। इसमें मिलने वाली सुविधाओं के आगे 5 स्टार होटल भी फेल हैं। यह क्लास दिखने में जितनी लग्जरी है, किराया भी उतना ही ज्यादा है। इस क्लास की विडियो कतर एयरवेज से अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट की है। इसमें आप इस सुइट की खूबसूरती और सुविधाओं को देख सकते हैं। फोर्ब्स में प्रकाशित खबर के अनुसार इस क्यूसुट के बारे के बारे में एयरलाइंस ने साल 2017 में दुनिया को रू-ब-रू कराया था। अब इसे हवाई यात्रियों के लिए शुरू कर दिया है।

हमने इस एयरलाइंस के किराए को चेक किया तो पता चला कि यह तो होश उड़ा देने वाला है। कतर एयरवेज की ऑफिशल वेबसाइट के अनुसार एक अगस्त को दिल्ली से लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट तक का अधिकतम किराया इस क्लास में करीब 4.70 लाख रुपये है। करीब 15 घंटे के इस सफर में फ्लाइट का एक स्टॉपेज है जो दोहा में है। यहां से ब्रिटिश एयरवेज की कनेक्टिंग फ्लाइट है। वहीं मेक माई ट्रिप वेबसाइट पर इंडिगो की ऐसी ही कनेक्टिंग फ्लाइट का एक अगस्त को दिल्ली से लंदन तक का किराया 20103 रुपये है। ऐसे में देखा जाए तो कतर एयरवेज की इस फ्लाइट का किराया इंडिगो की फ्लाइट से करीब 23 गुना ज्यादा है।

सीटों को जोड़कर बना सकते हैं डबल बेड

कतर एयरवेज ने इस क्यूसुइट को क्यूसुइट नेट जनरेशन नाम दिया है। एयरलाइंस का कहना है कि इस सुइट में यात्रियों को सफर का ऐसा अनुभव मिलेगा जो पहले कभी नहीं रहा। इसकी सीटें काफी बड़ी और चौड़ी हैं ताकि यात्री आराम से सफर कर सकें। दो सीटों को जोड़कर डबल बेड बना सकते हैं और आराम से सो सकते हैं।

टेक्नॉलजी का जबरदस्त इस्तेमाल

इसमें पेनासिक कंपनी का 22 इंच का 4के आएलइडी टीवी लगा है जिसे किसी भी दिशा में घुमा सकते हैं। एयरलाइंस का दावा है कि टीवी स्क्रीन में इस टेक्नॉलजी का इस्तेमाल कतर एयरवेज के अलावा दुनिया की और कोई एयरलाइंस कंपनी नहीं कर रही है। टीवी को अपने हेडफोन के ब्लूटूथ से कनेक्ट कर सकते हैं। इसके अलावा इसमें वायरलेस चार्जिंग और 1101 का मल्टीकंट्री सॉकेट दिया है।

सेफ्टी और प्राइवेसी का पूरा ध्यान

इस सुइट में यात्रियों की सेफ्टी और प्राइवेसी का भी पूरा ध्यान रखा गया है। टेक्नॉलजी से भरपूर यहां ऐसे बॉक्स हैं जिनमें आप अपना कीमती सामान रख सकते हैं। यहां पर तरह-तरह की लाइट का भी लुत्फ उठा सकते है। इन लाइट का कलर अपने मूड के हिसाब से बदल सकते हैं। प्राइवेसी के लिए इसमें दीवारों को बड़ा रखा गया है।

निजी क्षेत्र को रोजगार सृजन के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करने की जरूरत: आनंद महिंद्रा

नई दिल्ली, एजेंसी। महिंद्रा समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने बुधवार को कहा कि भारत के निजी क्षेत्र को रोजगार सृजन तथा युवाओं को रोजगार योग्य बनाने की दिशा में सरकार के साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयास के अभाव में देश का जनसांख्यिकीय लाभांश, जनसांख्यिकीय आपदा में बदल सकता है। वित्त वर्ष 2024-25 के केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि यह इस बात का प्रमाण है कि सरकार रोजगार सृजन के साथ-साथ वृद्धि के महत्व को पहचानती है।

आनंद महिंद्रा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर लिखा, ''जीडीपी में हमारी वृद्धि के मामले में हम दुनिया के लिए

ईर्ष्या का विषय हैं। हमारे भविष्य को लेकर आश्वस्त होने के कारण हम निवेश के लिए दुनिया का पसंदीदा गंतव्य हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे लिए महत्वपूर्ण कार्य यह सुनिश्चित करना है कि इस वृद्धि के साथ-साथ रोजगार सृजन में भी तेजी आए। महिंद्रा ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा घोषित योजनाएं आशाजनक हैं।

निजी क्षेत्र से भी अपनी भूमिका निभाने का आग्रह करते हुए महिन्द्रा ने कहा कि उसे ''आगे आकर रोजगार तथा रोजगार योग्यता दोनों में निवेश करके अपनी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने आगाह किया, ''यदि हम सब इस काम के लिए एक साथ नहीं आएंगे, तो जनसांख्यिकीय लाभांश, एक जनसांख्यिकीय आपदा में बदल जाएगा।

68177 पर आ गया 10 ग्राम सोने का भाव, चांदी 3061 लुढ़की

नई दिल्ली, एजेंसी। बजट के दिन से ही सोने-चांदी के भाव में गिरावट जारी है। आज चांदी 3061 रुपये प्रति किलो सस्ती होकर 81801 रुपये पर खुली। जबकि, सोना 974 रुपये प्रति 10 ग्राम टूटकर 68177 रुपये पर खुला। बजट के दिन मंगलवार को एक झटके में ही सोना 3616 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता हो गया था। जबकि, चांदी 3277 रुपये प्रति किलो के दर से टूट गई। तीन दिन में सोना करीब 5000 रुपये सस्ता हुआ है तो चांदी 6000 रुपये से अधिक टूट चुकी है।

दूसरी ओर आज सुबह एमसीएक्स पर सोने का भाव 1,159 रुपये या 1.68 प्रतिशत की गिरावट के साथ 67,793 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था। एमसीएक्स पर चांदी की कीमत 3,343 रुपये यानी 3.94 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,551 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। अंतरराष्ट्रीय मार्केट में स्पॉट गोल्ड 0.9 प्रतिशत गिरकर 2,377.29 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि अमेरिकी सोना वायदा 1.6 प्रतिशत गिरकर 2,376.70 डॉलर पर आ गया।

39884 रुपये में भी मिल रहा 10 ग्राम सोना- आईबीजेए के मुताबिक आज 24 कैरेट गोल्ड की कीमत 69151 रुपये प्रति 10 ग्राम से घटकर 68177 रुपये पर आ गई है। वहीं, 23 कैरेट गोल्ड का भाव भी 67904 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। 22 कैरेट गोल्ड की कीमत भी अब 62450 और 18 कैरेट गोल्ड 51133 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। 14 कैरेट गोल्ड का भाव भी 39884 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। चांदी में आज बड़ी गिरावट दर्ज की गई है।

सस्ते सोने-चांदी के लिए ग्राहकों में मची होड़- जॉय अलुक्कास के सीईओ बेबी जॉर्ज ने ईटी से कहा, हमारे स्टोर पर ग्राहकों की संख्या बढ़ी है और हमें मांग में 15 से 20 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है। मांग भारी और हल्के दोनों तरह के आभूषणों की है। यह तिमाही सभी ज्वैलर्स के लिए अच्छी रहेगी। कल्याण ज्वैलर्स के कार्यकारी निदेशक रमेश कल्याणरामन ने कहा कि बुधवार सुबह से ही ग्राहकों की ओर से सोने की ताजा कीमतों और मौसमी ऑफर के बारे में पूछताछ की बाढ़ आ गई है।

क्यों गिरे सोने-चांदी के भाव

दरअसल वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को अपने बजट भाषण में सोने और चांदी पर कस्टम ड्यूटी को 10 प्रतिशत से घटाकर 6 प्रतिशत करने की घोषणा की। इसका असर सर्राफा मार्केट पर भी पड़ा। व्यापार घाटा बढ़ने के बाद जुलाई 2022 में केंद्र ने सोने पर सीमा शुल्क बढ़ा दिया था। चूंकि भारत घरेलू मांग को पूरा करने के लिए सोने के आयात पर निर्भर करता है, इसलिए सोने की खपत में कोई भी वृद्धि व्यापार घाटे को प्रभावित करती है। अगर निर्यात में वृद्धि नहीं होती तो ऐसी स्थिति में सरकार को एक बार फिर सोने पर सीमा शुल्क बढ़ाने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। भारत सालाना 800-850 टन सोना आयात करता है।

डिस्क्लेमर- सोने-चांदी के ये रेट आईबीजेए द्वारा जारी किए गए हैं। इस पर जीएसटी और ज्वेलरी मेकिंग चार्ज नहीं लगे हैं। हो सकता है आपके शहर में सोने-चांदी के भाव में 1000 से 2000 का अंतर आ रहा हो।

बोनस शेयर के ऐलान से ठीक पहले दमानी ने बेचे लाखों शेयर, घटाया अपना हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज निवेशक राधाकिशन दमानी ने बोनस शेयर के ऐलान से ठीक पहले वीएसटी इंडस्ट्रीज के लाखों शेयर बेच दिए हैं। दमानी ने ओपन मार्केट ट्रांजैक्शंस के जरिए वीएसटी इंडस्ट्रीज के 142 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे हैं। उन्होंने यह शेयर अपनी दो इनवेस्टमेंट इकाइयों के जरिए बेचे हैं। वीएसटी इंडस्ट्रीज की 25 जुलाई को बोर्ड मीटिंग है। इस बैठक में कंपनी का बोर्ड तिमाही नतीजों के साथ बोनस शेयर जारी करने का ऐलान कर सकता है। वीएसटी इंडस्ट्रीज के शेयर गुरुवार को 5 पर्सेंट की तेजी के सात 4103.70 रुपये पर पहुंच गए हैं।

दमानी ने बेचे 3 लाख से ज्यादा शेयर- राधाकिशन दमानी ने बुधवार को अपनी इनवेस्टमेंट इकाई डेराइव ट्रेडिंग एंड रिजॉर्ट्स के जरिए करीब 2.62 लाख शेयर या कंपनी में 1.7 पर्सेंट हिस्सेदारी बेची है। दमानी ने यह शेयर 4102.57 रुपये प्रति शेयर के दाम पर बेचे हैं और इस ट्रांजैक्शन की वैल्यू 107 करोड़ रुपये थी। वहीं, दमानी की दूसरी इनवेस्टमेंट फर्म दमानी एस्टेट एंड फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड ने वीएसटी इंडस्ट्रीज के 90000 शेयर बेचे हैं। यह शेयर 3983.84 रुपये प्रति शेयर के दाम पर बेचे गए हैं।

दमानी और उनकी इकाइयों की हिस्सेदारी- राधाकिशन दमानी के मालिकाना हक वाली इनवेस्टमेंट फर्म डेराइव ट्रेडिंग एंड रिजॉर्ट्स की वीएसटी इंडस्ट्रीज में 5.24 पर्सेंट हिस्सेदारी थी। यह डेटा जून 2024 तिमाही तक का है। वहीं, दमानी एस्टेट एंड फाइनेंस की वीएसटी इंडस्ट्रीज में 0.60 पर्सेंट हिस्सेदारी थी। वहीं, दमानी की इनवेस्टमेंट फर्म ब्राइट स्टार इनवेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड की वीएसटी

इंडस्ट्रीज में 25.95 पर्सेंट हिस्सेदारी है। ब्राइट स्टार इनवेस्टमेंट के पास वीएसटी इंडस्ट्रीज के 40 लाख से ज्यादा शेयर हैं। इसके अलावा, दमानी के पोर्टफोलियो में भी वीएसटी इंडस्ट्रीज के 5 लाख से अधिक शेयर हैं।

पहली बार बोनस शेयर दे सकती है वीएसटी इंडस्ट्रीज- वीएसटी इंडस्ट्रीज का बोर्ड अगर बोनस शेयर जारी करने की मंजूरी देता है तो यह पहला मौका होगा, जब कंपनी अपने निवेशकों को बोनस शेयर देगी। कंपनी ने कभी अपने शेयरों का बंटवारा (स्टॉक स्प्लिट) भी नहीं किया है।

संक्षिप्त समाचार

विधानसभा चुनाव से पहले झारखंड में 78 अफसरों का तबादला

रांची, एजेंसी। झारखंड में राजस्व विभाग के 78 अफसरों का तबादला कर दिया गया है. राजस्व निबंधन और भूमि सुधार विभाग ने इसकी अधिसूचना बुधवार को जारी कर दी.चुनाव से महज कुछ माह पहले बड़े पैमाने पर राजस्व अधिकारियों का तबादला किया गया है. राजस्व निबंधन और भूमि सुधार विभाग ने 78 अफसरों के तबादले की अधिसूचना जारी कर दी है. जारी अधिसूचना के मुताबिक हिम्मत लाल महतो को अगले आदेश तक रांची हेहल का अंचल अधिकारी बनाया गया है. तो वहीं कमल कांत वर्मा को हजारीबाग डाड़ी का राजस्व अधिकारी बनाया गया है. वहीं जीतेंद्र प्रसाद को धनबाद के टुंडी में अंचल अधिकारी के रूप में पदास्थापित किया गया है.

कांवरिया वाहन व मोटरसाइकिल के बीच टक्कर में मोटरसाइकिल सवार घायल

दुमका/शिकारीपाड़ा, एजेंसी। दुमका–रामपुरहाट मार्ग में गुजिसीमल के समीप कांवरिया वाहन व मोटरसाइकिल के बीच टक्कर में मोटरसाइकिल सवार घायल हो गया। ग्रामीणों के अनुसार बिहार के रोहतास जिले के कांवरिया मारुति से देवघर बासुकीनाथ में जलार्पण पूजा करने के बाद तारापीठ की ओर जा रहे थे की राष्ट्रीय उच्च पथ 114ए पर गुजीसिमल पत्ताबाड़ी के बीच लगे अवैध रूप से दर्जनों अवरोधक के कारण काँवरिया वाहन जैसे ही ब्रेक लगाया कि पीछे से आ रही मोटरसाइकिल सवार मारुति से टकरा गया जिससे मोटरसाइकिल सवार को हल्की–हल्की चोटें आई मौके पर ग्रामीणों की मदद से घायल को स्थानीय प्राथमिक उपचार के बाद वापस भेज दिया गया। उक्त मामला में थाना प्रभारी हरिप्रसाद साह ने बताया के बीच हल्की–फुल्की टक्कर हुई थी जिसमें किसी के कोई हताहत होने की सूचना नहीं है दोनों पक्ष के अनुरोध को ध्यान में रखते हुए छोड़ दिया गया।

पत्नी ने शराब की बोतल छीन कहा- नहीं पीने दूंगी, पति ने कर ली आत्महत्या

रांची , एजेंसी। कोकर चूना भट्ठा के रहने वाले संजय कुमार सिंह ने फंदे से झूलकर आत्महत्या कर ली। उसका शव मंगलवार देर रात छत से बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार, संजय को शराब पीने से पत्नी ने रोका। इसी गुस्से में आकर संजय ने फंदे से झूलकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलने के बाद सदर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस की टीम ने शव को अपने कब्जे में लिया और रिम्स में बुधवार को पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। मामले में पत्नी उषा सिंह के बयान पर यूडी केस दर्ज किया गया। पत्नी ने पुलिस को बताया कि मंगलवार की रात उनके पति खाना खाने के बाद कमरे में सोने के लिए चले गए। वह भी उन्हीं के साथ कमरे में थी। इसी दौरान संजय ने शराब पीने के लिए बोतल निकाला। पत्नी ने उसे छीन लिया और कहा कि वह उसे शराब पीने नहीं देगी। इसके बाद संजय कमरे से बाहर निकल गया और छत पर चला गया। छत पर ही उसने रेलिंग में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। इसकी जानकारी परिजनों को देर रात को हुई। पत्नी ने पुलिस को बताया कि उनके पति का लीवर में इनफेक्शन हो चुका था। उसका इलाज भी चल रहा था।

तीन साइकिल एवं 10 बाइक व स्कूटर चालकों पर कोयला तस्करी की प्राथमिकी

गिरडीह, एजेंसी। तीन साइकिल एवं 10 बाइक व स्कूटर चालकों पर कोयला तस्करी को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह प्राथमिकी सीसीएल गिरिडीह के सुरक्षा विभाग के सुरक्षा प्रभारी महेशलुण्डी निवासी मनोज सुण्डी की शिकायत पर दर्ज की गई है। पुलिस मामले की तहकीकात कर रही है।मनोज का कहना हैकि महाप्रबंधक के निर्देश पर 22 जुलाई को सीसीएल क्षेत्र में कोयला चोरी की रोकथाम हेतु सुरक्षा विभाग का विशेष गश्ती दल का गठन किया गया था। विशेष दल ने सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों में छापामारी की। छापामारी के दौरान बहेरवाटांड़ में क्रशर के पीछे काफी संख्या में लोग कोयला को बोरा में भरते दिखे। उन लोगों को आते देख सभी इधर–उधर भाग गये। यहां से दल ने एक टन कोयला, एक बाइक एवं तीन साइकिल को जब्त किया। यहां के बाद 18 नंबर के बगल में छापामारी की गई। छापामारी के दौरान इन्हें आते देख कोयला तस्कर जंगल झाड़ी का लाभ उठाकर भाग गये।

हर ब्लॉक में गोशाला बनाने की तैयारी में सरकार

कृषि मंत्री दीपिका ने कहा- ऑर्गेनिक खेती पर भी कर रहे काम

रांची, एजेंसी। कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि राज्य में मात्र 23 गो शाला निबंधित है। यह संख्या बहुत कम है। हमारा प्रयास होगा कि प्रखंड स्तर पर गोशाला का चलाई जाए। गो सेवा आयोग की ओर से हमारी गोमाता, हमारा दायित्व के जरिए आमजन को गो सेवा से जोड़ा जाना बहुत बेहतरीन प्रयास है। इससे लोग गो सेवा कर पाएंगे।

दीपिका पांडेय गो सेवा आयोग की गोबर प्रसंस्करण प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहीं थी।उन्होंने कहा कि प्रखंड स्तर पर गो शाला चलेगी तो गाय या गो वंश की तस्करी की शिकायत नहीं मिलेगी। गोबर को बहुत प्रकार से उपयोग में लाया जा सकता है। इससे गोबर गैस बनती है।

दीपिका पांडेय ने कहा कि ऑर्गेनिक फार्मिंग सहित अन्य कार्य हो रहा है। इसके लिए रांची के दस प्रखंडों के महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जाना बहुत अच्छी पहल है। प्रशिक्षण के बाद महिलाएं स्वरोजगार कर पाएंगी। विभाग का प्रयास होगा कि इन महिलाओं को बैंक की ओर से पूंजी उपलब्ध कराई जाए ताकि महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत हो सकें।गो सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि हमारी गो माता, हमारा दायित्व के तहत आयोग ने एक वेबसाइट बनाई है, जिसके तहत विश्व के किसी भी कोने से कोई भी गो माता को गोद लेकर सहायता राशि दे सकता है। वह राज्य के किसी भी गो शाला के खाते में सीधी राशि दे सकता है। आयोग के अध्यक्ष होने के नाते गो वंश का संरक्षण और संवर्धन करना की जिम्मेदारी है। गाय और गो वंश की तस्करी को रोकने के प्रयास किया जा रहा है। गो शाला को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। आयोग ने गोबर प्रसंस्करण से कई वस्तुएं बनाने का महिलाओं को पांच दिन का प्रशिक्षण दिया गया है। इससे महिलाओं की आय बढ़ेगी। कई बार देखा जाता है कि जब गाय दूध नहीं देती है, तो उसे ऐसे ही छोड़ दिया जाता है। लेकिन अब सरकार की ओर से गोबर से बनने वाले वस्तुओं का प्रशिक्षण दिए जाने से लोग इनको अपने पास रखेंगे और उसकी देखभाल भी की जाएगी। गोबर से कंडा और अन्य वस्तुएं बनाए जाने से जंगल की कटाई भी कम होगी।

इस दौरान मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने महिलाओं को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र दिया। इसके बाद हमारी गो माता, हमारा दायित्व के तहत आयोग की बेवसाइट का उद्घाटन भी किया। कार्यक्रम में आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन, उपाध्यक्ष राजू गिरी, पशुपालन निदेशक किरण पासी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

ग्राम प्रधान करा रहा था क्वार्टजाइट पत्थर का अवैध खनन

जमशेदपुर, एजेंसी। धालभूमगढ़, गुड़ाबांधा के बाद अब जादूगोड़ा के इलाके में भी क्वार्टजाइट पत्थर (सफेद पत्थर) का अवैध खनन का धंधा फल-फूल रहा है। डीएमओ सतीश नायक ने जादूगोड़ा के धोबनी गांव में छापामारी कर करीब 300 मैट्रिक टन सफेद पत्थर बरामद किया। डीसी अनन्य मित्तल को किसी व्यक्ति ने इस अवैध खनन व परिवहन की जानकारी दी थी। इसके बाद डीसी ने डीएमओ को छापामारी करने का आदेश दिया।

डीएमओ ने धोबनी गांव में छापामारी की तो ग्राम प्रधान नसीब बेसरा की रैयती भूमि पर क्वार्टजाइट पत्थर का अवैध खनन होते पाया गया। डीएमओ ने ग्राम प्रधान को बुलाकर पूछताछ की। ग्राम प्रधान का कहना था कि उनकी रैयती जमीन पर सफेद पत्थर का अवैध खनन धालभूमगढ़ निवासी वरुण पाल द्वारा किया जा रहा है।

अवैध खनन की जांच करते डीएमओ : ग्राम प्रधान व खनन करनेवाले के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज = जांच में पाया गया कि ग्राम प्रधान और वरुण पॉल की मिलीभगत से सफेद पत्थर खनिज का अवैध खनन किया जा रहा है। डीएमओ नायक ने बताया कि उक्त स्थल पर अवैध खनन का कार्य होते पाया गया है जो सरकारी राजस्व की चोरी है। इस संबंध में ग्राम प्रधान नसीब बेसरा तथा वरुण पॉल के विरुद्ध जादूगोड़ा पुलिस ने खान निरीक्षक अरविंद उरांव के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कराई है।

गोबर की राखियां बना रहीं स्वदेशी मंच की महिलाएं

जमशेदपुर, एजेंसी। रक्षाबंधन की तैयारी शुरू हो गई है। बाजारों में राखियों की दुकानें सजने लगी हैं और खरीदारी का सिलसिला भी शुरू हो गया है। इस बार राखियों पर भी महंगाई हावी है। इस बार धार्मिक और राष्ट्रभक्ति की राखियों की भी कई वैरायटियां हैं। साकची, जुगसलाई, बिष्टुपुर आदि बाजार में अस्थायी दुकानें सज गई हैं। स्वदेशी जागरण मंच की महिलाएं इन दिनों स्वदेशी राखियां तैयार कर रही हैं।मंच के अमित मिश्रा ने बताया कि स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और आर्थिक रूप से पिछड़ रहे समाज के वर्ग को स्वयं सहायता समूह को बढ़ावा देने के लिए यह पहल की गई है। अभी मुसाबनी में गोबर की राखियां बन रही हैं, जबकि जुगसलाई में रेशम धागे, मोतियों से राखियां तैयार कर रही हैं।

धार्मिक राखियों की मांग : राखी विक्रेता सत्या ने बताया कि इस बार चांदी की परंपरागत राखियों के साथ धार्मिक राखियों की डिमांड भी ज्यादा है। शिवलिंग के अलावा त्रिशूल, रुद्राक्ष की राखियों को लोग ज्यादा पसंद कर रहे हैं। इनकी कीमत भी 50 रुपये से 150 रुपये प्रतिनग है। थोक विक्रेता राहुल साहू ने बताया कि हमारे पास 2 रुपये से 500 रुपये प्रतिनग वाली राखी है। 500 रुपये प्रतिनग वाली रजवाड़ी राखी को भी काफी पसंद किया जा रहा है।

मासस का सीपीआई में विलय, विधानसभा चुनाव में अधिक सीटों पर ठोक सकती है दावा

राज्य ब्यूरो, रांची। रांची के पुराना विधानसभा में मार्क्सवादी समन्वय समिति (मासस) और भाकपा माले के वरिष्ठ नेताओं ने बुधवार को संयुक्त रूप से बैठक की। बैठक में दोनों ही दलों ने एनडीए के विरुद्ध एकजुट होने के लिए विलय पर सहमति बनाई है।

विलय की प्रक्रिया पर अंतिम फैसला जल्द ही मासस की केंद्रीय कमेटी और भाकपा माले के पोलित ब्यूरो की बैठक में लिया जाएगा।

अब आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव (में दोनों ही दल मिलकर पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ेंगे। मासस राज्य में सत्तारूढ़ महागठबंधन का सदस्य नहीं था।

झारखंड में सिर्फ भाकपा माले महागठबंधन में सहयोगी दल है। ऐसी स्थिति में अब भाकपा माले की ताकत बढ़ेगी। विधानसभा चुनाव में भाकपा माले अब ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने का दबाव बनाएगा।

बैठक में दोनों ही दलों के केंद्रीय नेताओं ने कहा कि कॉरपोरेट लूट, देश में सांस्कृतिक-सामाजिक मूल्यों के विरुद्ध हमलों से पूरा देश जूझ रहा है।

ऐसे दौर में मासस का भाकपा माले में विलय केंद्र सरकार के विरुद्ध आंदोलन को नई ताकत देगा। सार्वजनिक क्षेत्र के निजीकरण के विरुद्ध और रोजगार के लिए आंदोलनों का विस्तार होगा।

माले नेताओं ने कहा कि आदिवासियों व झारखंड के दबे-कुचले समुदायों का जल-जंगल जमीन पर उनके सामुदायिक नियंत्रण और राज्य के संविधान की पांचवी अनुसूची को लागू करना झारखंड आंदोलन के प्रमुख एजेंडा में शामिल था।

क्रांतिकारी कम्युनिस्ट धाराओं के रूप में मासस व भाकपा माले एक ही दौर में उभरे थे। एके राय के नेतृत्व में मासस ने कोलियरियों के राष्ट्रीयकरण के लिए मजदूरों का नेतृत्व किया और मजदूर आंदोलन औस झारखंड आंदोलन को एक मंच पर लाया। दोनों ही दलों ने क्रांतिकारी संघर्षों को आगे ले जाने के लिए अपने नेता गुरुदास चटर्जी व महेंद्र सिंह को खोया भी है।

बैठक में भाकपा माले के राष्टीय महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य, पोलित ब्यूरो सदस्य स्वदेश भट्टाचार्य, कुणाल, जनार्दन प्रसाद, विनोद, मनोज भक्त, केंद्रीय केटी सदस्य शुभेंदु सेन, गीता मंडल और मासस के कार्यकारी अध्यक्ष अरूप चटर्जी, महासचिव हलधर महतो, केंद्रीय सचिव मिथलेश सिंह व कई अन्य नेता मौजूद रहे।

डेढ़ लाख रुपए से भरा बैग मिला; पर नीयत नहीं बदली, पुलिस को सौंपा

रांची, एजेंसी। आज भी ईमानदारी कायम है। लोगो की नियत नोटों से भरा बैग देख बदल जाता है। लेकिन धुर्वा के रहने वाले मिथलेश यादव की नियत पैसों को देख नहीं बदली। घटना धुर्वा थाना क्षेत्र की है। बुधवार को धुर्वा निवासी मिथलेश यादव को डेढ़ लाख रुपए से भरा एक बैग मिला। लेकिन उन्होंने पैसों से भरे बैग को अपने पास नहीं रखा। धुर्वा थाना की पुलिस को उसे सौंप दिया और कहा कि जिस व्यक्ति का यह पैसा है, उसे लौटा दें, ताकि वह परेशानी में ना पड़े।

पुलिस ने भी मिथलेश यादव की ईमानदारी को देख उनकी सराहना की और कहा कि वे अन्य लोगों के लिए प्रेरणा हैं। पैसों के लिए पुलिस ने उनका आभार भी जताया, क्योंकि घटना के बाद चोरी का एक मामला दर्ज होता और पुलिस को चोर को ढूंढना पड़ता। पुलिस ने मिले पैसों के बारे में जानकारी ली और जिसका था, उसे पूरी संतुष्टि के बाद लौटा दिया।

होटवासी के रहने वाले ओम शंकर मिश्रा का था पैसा : घटना के संबंध में पुलिस को जानकारी मिली कि रुपए होटवासी निवासी ओम शंकर मिश्रा के हैं। उन्होंने कुछ काम के लिए डेढ़ लाख रुपए बैंक से निकाले थे। बुधवार को पैसे के साथ वे जगन्नाथपुर मंदिर के पास स्थित पहाड़ी के समीप शराब पीने बैठ गए थे। उसी दौरान उनके बगल में बैठे एक युवक को पैसों की भनक लग गई। वह उनका बैग लेकर भाग निकला। मिश्रा को इसकी जानकारी मिली तो वे शोर मचाने लगे। वहां बैठे अन्य लोग भी उसके पीछे भागे। कुछ दूरी पर युवक ने पुलिस की गाड़ी देखी तो वह डर गया और पैसों से भरा बैग रोड पर फेंक कर भाग निकला। वहां से मिथलेश यादव गुजर रहे थे। उन्हें रुपयों से भरा बैग मिला। रुपए देखे तो उन्हें लगा किसी जरूरतमंद का होगा। इसके बाद उन्होंने पुलिस की गाड़ी को देखा तो उन्हें रोका और रुपए सौंप दिए।

मंत्रियों को मोबाइल, कर्मचारियों का बढ़ा एचआरए, हेमंत सोरेन सरकार ने दिए कई तोहफे

रांची , एजेंसी। झारखंड के करीब 1.80 लाख सरकारी कर्मचारियों का आवास किराया भत्ता (एचआरए) तीन प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया है। वहीं, गेस्ट हाउस, होटल समेत डेली एलाउंस में भी वृद्धि की गई है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की बैठक में इस पर मंजूरी दी गई। मंत्रिपरिषद ने 30 प्रस्तावों पर मुहर लगाई। मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद यह जानकारी कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने दी। कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री बहन-बेटी मई-कुई स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना का नाम बदलकर झारखंड मुख्यमंत्री मइयां योजना के नाम को भी मंजूरी दी गई।

मेडिकल कॉलेजों में संविदा पर की जाएगी भर्ती

झारखंड के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में प्राध्यापक, सह प्राध्यापक और सहायक प्राध्यापक के खाली पदों पर दो साल के लिए संविदा पर नियुक्ति होगी। प्राध्यापकों को 2.50 लाख, सह प्राध्यापक को दो लाख और सहायक प्राध्यापक को 1.50 लाख रुपये हर माह दिये जाएंगे। अगर स्थाई नियुक्ति या प्रोन्नति या 70 साल की आयु पूरी में जो पहले होगा उनकी सेवा समाप्त हो जाएगी। बैठक में ग्राम गाड़ी योजना से जुड़े एक करोड़ पहचान पत्र बनाने की बात कही गई।

रांची में खुलेगा ताज होटल एमओयू पर हुआ हस्ताक्षर : रांची में अगले चार वर्ष में 400 करोड़ रुपए की लागत से ताज होटल का निर्माण होगा। इसके निर्माण को लेकर बुधवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और टाटा स्टील के सीईओ और एमडी टीवी नरेंद्रन की उपस्थिति में झारखंड मंत्रालय में एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया।

मंत्रियों को 60 हजार रुपये का मिलेगा मोबाइल

झारखंड सरकार के मंत्रियों, उप मंत्री, विभागों के प्रधान सचिव, सचिव को अब 60 हजार रुपये का मोबाइल मिलेगा। वहीं, हर महीने मोबाइल रिचार्ज के लिए 3000 रुपये दिये जाएंगे। इसके अलावे विशेष सचिव को 45 हजार का मोबाइल और 2000 रुपये मोबाइल रिचार्ज के लिए दिया जाएगा।

बिहार में जमशेदपुर के कांवड़िये की करंट लगने से मौत

कटोरिया, एजेंसी। बिहार के कटोरिया थाना अंतर्गत कटोरिया-देवघर कांवड़िया पथ पर एक कांवड़िये की करंट लगने से मौत हो गयी. मृतक की पहचान जमशेदपुर के आदित्यपुर निवासी स्वर्गीय राम रोहितास आजीवाल के 55 वर्षीय पुत्र रमेश कुमार आजीवाल के रूप में हुई है. जानकारी के मुताबिक मृत कांवड़िया कोल्हुआ गांव स्थित एक चाय नाश्ता की दुकान पर ठहरा था उसी दौरान ये हादसा हो गया. जानकारी मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मृत कांवड़िये के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

मृत कांवड़िया के साथ यात्रा कर रहे चचेरा भाई मनोज कुमार आजीवाल ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान वे लोग गुरुवार की सुबह करीब 9:30 बजे कोल्हुआ स्थित एक चाय नाश्ता की दुकान में विश्राम करने ठहरे थे. इस दौरान कांवड़िया रमेश कुमार आजीवाल बाथरूम जाने के लिए निकला. उसी वक्त वह वहां पर लगे स्टैंड फैन के तार की चपेट आ गया. जिससे वह नीचे गिर पड़ा.

अचेत अवस्था में उन्हें बिहार के कटोरिया रेफरल अस्पताल लाया गया. जहां प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर एसडी मंडल ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. घटना के बाद साथी कांवड़ियों के बीच मातम पसर गया. उधर, सूचना मिलने के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है.

90 लाख का बिजली बिल देख चकराया किसान का सिर, शिकायत के बाद विभाग बता रहा 1 करोड़ पेंडिंग

बरकटठा, एजेंसी। झारखंड के हजारीबाग जिले में बरकट्ठा के अलपीटो निवासी नारायण प्रसाद महतो बिजली बिल को लेकर प्रखंड से लेकर जिला मुख्यालय तक चर्चा में हैं। कारण है बरही सब डिवीजन बिजली विभाग द्वारा एक करोड़ तीन लाख रुपये का बिल, जिसे लेकर नारायण प्रसाद परेशान हैं। नारायण प्रसाद महतो बताते हैं कि कंज्यूमर नंबर बीकेबीएल 6602 है। फिलहाल उनके कंज्यूमर आइडी में बकाया बिल एक करोड़ तीन लाख 40,516 रुपये दिख रहा है।

उपभोक्ता के अनुसार, ज्यादा दिनों तक बिजली बिल नहीं आने पर माह नवंबर 2022 को विभाग में पता करने गए, तो उन्हें जानकारी मिली कि उनका बिल लगभग 90 लाख है। बिल में असामान्य राशि देखकर विभाग ने उन्हें रसीद नहीं दिया। इसके बाद नारायण प्रसाद ने बिल सुधार का आवेदन भी दिया, लेकिन सुधार नहीं हो पाया।

बुधवार को उन्होंने पुनः ऐप पर जानकारी ली तो सुधार की जगह एक करोड़ से अधिक की बकाया राशि देखकर चकरा गए।

अब उपभोक्ता परेशान हैं कि उनकी समस्या समाप्त होने की जगह बढ़ती हीजा रही है। कनीय अभियंता अभिषेक कुमार के अनुसार, विभाग साफ्टवेयर अपडेटिंग में मिस्टेक से इस तरह के मामले आते हैं। ऊर्जा मित्र को उपभोक्ता नारायण प्रसाद की मीटर रीडिंग के लिए भेजा गया है। जल्द ही बिल सुधार कर उनकी समस्या का निवारण कर लिया जाएगा।

दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर पेरिस ओलिम्पिक से हटे

पेरिस, एजेंसी। दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर गले में संक्रमण (टॉन्सिल) के कारण बुधवार को पेरिस ओलिम्पिक से हट गए। इटली के इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि डॉक्टर ने उन्हें सलाह दी है कि वह ओलंपिक खेलों में हिस्सा नहीं लें। जनवरी में ऑस्ट्रेलिया ओपन के साथ अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब

जीतने वाले सिनर पिछले महीने फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचकर एटीपी रैंकिंग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बने थे। ओलिम्पिक टेनिस का ड्रॉ गुरुवार को होगा जबकि मुकाबले शनिवार से शुरू होंगे। सिनर ने इतालवी में लिखा कि ओलिम्पिक से चूकना बड़ी निराशा है क्योंकि इस सत्र में यह मेरे मुख्य लक्ष्यों में से एक था। उन्होंने लिखा कि मैं इस बेहद महत्वपूर्ण टूर्नामेंट में अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का सम्मान पाने के लिए इंतजार नहीं कर सकता था।

पेरिस ओलंपिक्स

तैयारी में ज्यादा प्रयोग..., भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों को कोच गोपीचंद से मिली खास नसीहत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के मुख्य राष्ट्रीय बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद ने बुधवार को देश के खिलाड़ियों को पेरिस ओलंपिक से पहले अपनी तैयारी में ज्यादा प्रयोग नहीं करने की सलाह दी और कहा कि दो बार की पदक विजेता पीवी सिंधू में इस खेल महासमर में फिर से चमकने की काबिलियत है।बैडमिंटन प्रतियोगिता में भारत के सात खिलाड़ी पांच में से चार स्पर्धाओं में प्रतिनिधित्व करेंगे। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू (महिला एकल) की अगुआई वाली इस टीम में

एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन (पुरुष एकल), सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी (पुरुष युगल) तथा अश्विनी पोनप्पा और तनिषा क्रास्टो (महिला युगल) शामिल हैं। भारत ने बैडमिंटन में अब तक तीन पदक जीते हैं। इनमें एक रजत और दो कांस्य पदक शामिल हैं। सिंधू ने 2016 रियो ओलंपिक में रजत और 2020 टोक्यो ओलंपिक में कांस्य जीता था। वहीं, साइना नेहवाल ने 2012 लंदन ओलंपिक में कांस्य अपने नाम किया था। गोपीचंद ने शुक्रवार के उद्घाटन समारोह से पहले कहा, मुझे लगता है कि सभी खिलाड़ियों के लिए सामान्य संदेश यही होगा कि इसे एक अन्य मुकाबले की तरह ही लें। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि आप तैयारी के लिए कोई प्रयोग नहीं करें। इसे सरल रखें और इसे एक अन्य खेल की तरह ही लें, तैयारी सही करें और मैच अपने आप ठीक रहेंगे।

महिला एशिया कप

भारत और पाकिस्तान के बीच हो सकती है खिताबी जंग

दांबुला, एजेंसी। महिला एशिया कप 2024 अब अपने अंतिम पड़ाव पर है। श्रीलंका में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम का प्रदर्शन अब तक शानदार रहा है। भारत ने सेमीफाइनल में जगह बनाई और अब खिताबी जंग से मात्र एक कदम दूर है।

टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले से पहले फैंस के बीच भारत और पाकिस्तान की एक बार फिर टक्कर को लेकर चर्चा शुरू हो चुकी है। दोनों देशों के क्रिकेट फैंस भारत और पाकिस्तान के बीच रोमांचक खिताबी मैच का लुत्फ उठाना चाहते हैं।

दरअसल, महिला एशिया कप 2024 के सेमीफाइनल की तस्वीर साफ हो गई है। टूर्नामेंट के इस संस्करण का पहला सेमीफाइनल भारत और बांग्लादेश के बीच खेला जाएगा। यह मैच शुक्रवार को दांबुला में दोपहर दो बजे से शुरू होगा। जबकि दूसरा सेमीफाइनल उसी दिन पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच शाम 7 बजे खेला जाएगा।

ऐसे में अगर सेमीफाइनल में भारत ने बांग्लादेश और पाकिस्तान ने श्रीलंका को हरा दिया तो भारत और पाकिस्तान के बीच महिला एशिया कप का फाइनल हो सकता है। हालांकि, पाकिस्तान के लिए श्रीलंका को हराना इतना आसान नहीं होगा, क्योंकि मेजबान टीम पाक के मुकाबले मजबूत नजर आ रही है। वहीं, भारत ने इसी साल मई महीने में बांग्लादेश का दौरा किया था। जहां भारत ने पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में बांग्लादेश को 5-0 से पटखनी दी थी। भारत एशिया कप के मौजूदा संस्करण में अपने तीनों लीग मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंचा है। जबकि बांग्लादेश को ग्रुप स्टेज में श्रीलंका के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। भारत महिला एशिया कप का प्रबल दावेदार है। हालांकि भारत की तरह ही श्रीलंका भी इस टूर्नामेंट में अब तक अपराजित रहा है। अब तक इस टूर्नामेंट के कुल आठ संस्करण खेले गए हैं जिसमें भारत ने 7 बार इसका खिताब अपने नाम किया है। वहीं 2018 में यह ख़िताब बांग्लादेश ने जीता था। यह टी20 प्रारूप में महिला एशिया कप का पांचवां संस्करण है, जिसमें तीन बार ट्रॉफी भारत के नाम हुई है।

ब्रायन लारा सरेआम माफी मांगे...वेस्टइंडीज के खिलाड़ी कर रहे है डिमांड

नईदिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज ब्रायन लारा अपनी किताब 'लारा, द इंग्लैंड क्रॉनिकल्स' को लेकर चर्चा में है। इस किताब में उन्होंने पूर्व कप्तान विवियन रिचर्ड्स और कार्ल हूपर को लेकर जो बयान दिए वह इन खिलाड़ियों को पसंद नहीं आए। उन्होंने इसके लिए ब्रायन लारा से माफी की मांग की है।

कार्ल हूपर और विवियन रिचर्ड्स को लेकर लिखी बड़ी बात

लारा ने अपनी किताब में विवयन और कार्ल हूपर को काफी बातें लिखी थी। उन्होंने लिखा, विवियन मुझे हर तीन हफ्ते में रुलाते थे, लेकिन वह कार्ल को हफ्ते में एक बार रुलाते थे। विव की आवाज का लहजा डराने वाला था। अगर आप मानसिक तौर मजबूत नहीं हैं, तो आप इसे व्यक्तिगत रूप से ले सकते हैं। ऐसे में इसका आप पर असर हो सकता है। मैं अपने बारे कहूं तो मेरे साथ ऐसा कभी नहीं हुआ। एक तरह से मैंने इसका स्वागत किया। कार्ल? मैं जानता हूं कि कार्ल विव रिचर्ड्स से दूर रहता था।

हूपर और विवियन रिचर्ड्स बयान से नाराज

विवियन और हूपर ने इन बयानों को बेबुनियाद बताया है। दोनों ने संयुक्त बयान जारी किया और कहा, 'यह दावा कि सर विवियन हूपर के प्रति आक्रामक थे और सप्ताह में एक बार रुलाते थे, बिल्कुल झूठ है। इस तरह के बयान सर विवियन को एक अपराधी के रूप में दर्शाते हैं। यह दावा न सिर्फ निराधार है, बल्कि दोनों पक्षों के लिए बहुत दुखदाई भी हैं।

फुटबॉल

रियल मेड्रिड ने कमाई में तोड़ा 161 साल का रिकॉर्ड

- 553 अरब रुपए है टीम की वैल्यू

नईदिल्ली, एजेंसी। क्लब फुटबॉल का इतिहास बहुत ही पुराना है. इसकी शुरुआत इंग्लैंड में हुई थी. ऐसा माना जाता है 1863 में पहली बार क्लब गेम खेला गया था, यानि इसे शुरू हुए 161 साल हो चुके हैं. समय के साथ ये खेल और भी प्रचलित हुआ धीरे-धीरे कमाई का एक बड़ा जरिया बन

गया. क्लब फुटबॉल में इंग्लैंड का प्रीमियर लीग और स्पेन में होने वाला ला लीगा सबसे मशहूर है फुटबॉल लीग. इसमें हिस्सा लेने वाले क्लब अरबों रुपयों की कमाई करते हैं. इसके बावजदू कोई भी क्लब वो कारनामा नहीं कर पाया, जो रियल मेड्रिड ने कर दिखाया. उसने कमाई करने के मामले फुटबॉल इतिहास के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं.

एक साल में 98 अरब की कमाई

रियल मेड्रिड दुनिया का सबसे बड़ा क्लब है. सफलता के मामले में ये किसी को भी अपने आसपास नहीं आने देता. अब इस क्लब ने रियल मेड्रिड ने हाल ही में अपना 2023-24 का फाइनेंशियल स्टेटमेंट जारी किया है.

553 अरब है वैल्यू

रियल मेड्रिड का स्थापना 1902 में हुई थी और 1909 में इस क्लब ने रॉयल स्पैनिश फुटबॉल फेडरेशन को जॉइन कर लिया था. फोर्ब्स ने मई 2024 में 122 साल पुराने इस क्लब वैल्यूएशन 6.1 बिलियन यूरो (करीब 553 अरब रुपए) लगाया था. रियल मेड्रिड दुनिया की 11वीं सबसे ज्यादा वैल्यू वाली स्पोर्ट्स टीम है. वहीं दुनिया में सबसे ज्यादा वैल्यू वाले फुटबॉल क्लब के मामले यह नंबर वन है. ये टीम यूएफा चैंपियंस लीग, ला लीगा, कोपा डेल रे, सुपरकोपा डे एस्पाना जैसे टूर्नामेंट में हिस्सा लेती है. रियल मेड्रिड की टीम 18 बार चैंपियंस लीग का फाइनल खेल चुकी है. इसमें उसने 15 टाइटल अपने नाम किए. वहीं ला लीगा के खिताब को उसने 36 बार जीता है. दोनों खिताब को सबसे ज्यादा बार जीतने का रिकॉर्ड इसी टीम के नाम है.

फिर एक दूजे के हो जाएंगे हार्दिक और नताशा

पांड्या ने इस तरह दिया बड़ा हिंट!

नईदिल्ली, एजेंसी। हार्दिक पांड्या और उनकी वाइफ नताशा स्टेनकोविक ने हाल ही में एक दूसरे से अलग होने का एलान किया था. दोनों ने सोशल मीडिया के ज़रिए इस बात की जानकारी दी थी कि 4 साल साथ रहने के बाद दोनों एक दूसरे से अलग हो रहे हैं. लेकिन, अब हार्दिक पांड्या ने एक ऐसा काम कर दिया जिससे जानकर आपके मन में भी ख्याल आने लगेगा कि क्या फिर से दोनों एक दूसरे के हो जाएंगे. तो आइए जानते हैं कि पूरा मामला क्या है. बता दें कि हार्दिक पांड्या से अलग होने का एलान करने से पहले नताशा को बेटे अगस्त्य के साथ सर्बिया जाते हुए देखा गया था. अब नताशा ने इंस्टाग्राम के ज़रिए एक पोस्ट शेयर की है, जिसमें वह बेटे अगस्त्य के साथ किसी वाइल्ड लाइफ म्यूजियम में दिख रही हैं. नताशा की इस पोस्ट पर अलग हो चुके हार्दिक पांड्या ने एक नहीं बल्कि दो कमेंट किए. एक कमेंट में तो हार्दिक ने हार्ट इमोजी बनाई. नताशा की पोस्ट पर मौजूद हार्दिक के दोनों कमेंट को 1-1 लाख से ज़्यादा लोग लाइक कर चुके हैं. नताशा की पोस्ट पर हार्दिक का कमेंट देखकर चारों तरफ चर्चाएं तेज़ हो गई हैं. इस पोस्ट पर किया कमेंट...

6 दिन पहले ही दोनों ने अलग होने की दी थी जानकारी

बता दें कि हार्दिक पांड्या और नताशा स्टेनकोविक ने 6 दिन पहले ही एक दूसरे से अलग होने का एलान किया था. दोनों ने अपने सोशल मीडिया के ज़रिए बताया कि 4 साल साथ रहने के बाद हम दोनों ने आपस में फैसला किया अलग होने का. आगे लिखा गया था कि हमने अपनी पूरी कोशिश की, लेकिन अलग होना हमारे लिए सही है. हमारे लिए यह फैसला मुश्किल था. आगे बेटे अगस्त्य के बारे में कहा गया था कि वह दोनों की ज़िंदगी का हिस्सा रहेगा और दोनों लोग मिलकर उसकी देखभाल करेंगे.

अर्जेंटीना और मोरक्को के मैच में बवाल

जान बचाकर भागी मेसी की टीम, मारपीट पर उतारू हुए फैंस

पेरिस, एजेंसी। फुटबॉल मैचों के साथ पेरिस ओलिंपिक 2024 का आगाज हो चुका है, लेकिन इसके साथ ह विवाद भी शुरू हो गया। अर्जेंटीना और मोरक्को के बीच खेले गए मुकाबले में वीएआर को लर खूब बवाल मचा। भारी हंगामे के बीच मैच को खाली स्टेडियम में पूरा कराया गया।

अर्जेंटीना के खिलाफ इस मुकाबले में मोरक्को की टीम एक समय तक 2-0 से बढ़त बनाकर मजबूत स्थिति में थी। सेंट एटीने के ज्योफ्री गुइचर्ड स्टेडियम में खेले गए इस मैच में अर्जेंटीना की टीम ने जैसे ही 2-2 की बराबरी की मोरक्को के फैंस और बेकाबू हो गए और मामला बिगड़ गया।

दर्शकों ने बरसाई खिलाड़ियों पर बोतल

मोरक्को के खिलाफ जैसे ही मैच में अर्जेंटीना ने बराबरी की तो बवाल शुरू हो गया। मोरक्को के फैंस पानी की बोतलें खिलाड़ियों पर बरसाने लगे, जिसके कारण खेल को बीच में ही रोकना पड़ गया।

मोरक्को के हक में गया मैच का फैसला- हालांकि, मैच का रिजल्ट अंत में मोरक्को के पक्ष में गया। दरअसल इंजरी टाइम में अर्जेंटीना के लिए क्रिस्टियन मेदिना ने जो बराबरी का गोल दागा था उसे ऑफसाइड करार देकर रद्द कर दिया गया।

स्टेडियम को कराया गया खाली

मैच में बढ़ते बवाल के बाद सुरक्षाकर्मियों ने पूरे स्टेडियम को खाली करा दिया। दर्शकों के स्टेडियम से बाहर जाने के बाद दोबारा मैच को शुरू किया गया। इस मैच में स्टार प्लेयर लियोनेल मेसी अर्जेंटीना के लिए मैदान पर नहीं उतरे थे।

इंडिया वर्सेस श्रीलंका रिकार्डस

भारत या श्रीलंका...टी-20 में कौन है सिकंदर?

सूर्यकुमार यादव के पास इतिहास रचने का मौका

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और श्रीलंका के बीच 27 जुलाई से टी20 सीरीज का आगाज होने जा रहा है. सीरीज के सभी मैच पल्लेकेल में होंगे. दोनों ही टीमों की कमान इस बार नए हाथों में है. भारत की कमान सूर्यकुमार यादव संभाल रहे हैं, जबकि श्रीलंका की टी20 टीम की कमान चरिथ असलंका संभाल रहे हैं. वहीं, इस सीरीज से भारत के लिए गौतम गंभीर के कोचिंग युग का आगाज होने जा रहा है. ऐसे में इस टी20 सीरीज में कौन से नए रिकॉर्ड बन सकते हैं... पहले दोनों देशों के बीच जब भी इस फॉर्मेट में मैच हुए हैं तो कौन भारी रहा है... दोनों ही देशों के बीच कौन रनवीर और कौन विकेटवीर रहा है. आइए आपको इस बारे में बताते हैं.

टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड बना सकते हैं सूर्या -दोनों ही देशों के बीच सबसे जब भी टी20 मुकाबले हुए हैं तो उसमें सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड दासुन शनाका के नाम है, जो इस बार भी टी20 टीम में शामिल हैं. शनाका ने भारत के खिलाफ 22 टी20 मैचों 430 रन बनाए हैं. वहीं, भारत की ओर से श्रीलंका के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड रोहित शर्मा के नाम हैं. रोहित ने

19 टी20 मुकाबलों में 411 रन बनाए हैं, हालांकि रोहित अब इस फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं. ऐसे में टीम इंडिया के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव के पास रोहित के इस रिकॉर्ड को तोड़ने का मौका है. सूर्या श्रीलंका के अ 5 टी20 मुकाबलों में 254 रन 63.50 के एवरेज और 158.75 के स्ट्राइक रेट से बना चुके हैं.

सूर्या के नाम श्रीलंका के खिलाफ 112 नॉट आउट शतक भी है. सूर्या का जिस तरह का टी20 फॉर्म श्रीलंका के खिलाफ है, वह रोहित का तो रिकॉर्ड तोड़ ही सकते हैं. वहीं शनाका अगर फ्लॉप गड़बड़ रहा तो सूर्या दोनों ही देशों के बीच सबसे ज्यादा टी20 रन बनाने वाले खिलाड़ी भी बन सकते हैं.

टी20 में सबसे ज्यादा विकेट चहल के नाम -दोनों ही देशों के बीच टी20 फॉर्मेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड युजवेंद्र चहल के नाम है. चहल ने कुल 13 टी20 मुकाबलों में 23 विकेट लिए हैं. इसके बाद दुष्मांथा चमीरा (16 विकेट), आर अश्विन (14) हैं. फिर दासुन शनाका (14), वानिंदु हसरंगा (13), कुलदीप यादव (12), हार्दिक पंड्या (11) हैं. इनमें से चमीरा और शनाका चहल का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं. वहीं, इस सीरीज के लिए शामिल सुंदर श्रीलंका के खिलाफ 6 टी20 मैचों में 8 विकेट हैं. दुष्मंता चमीरा श्वसन संबंधित समस्याओं से उबरने में विफल होने के कारण भारत के खिलाफ सीमित ओवरों की घरेलू सीरीज से बाहर हो गए हैं.

हर साल चैरिटी के लिए 30 करोड़ रुपये दान में देते हैं महेश बाबू?

कई एनजीओ से जुड़े हैं अभिनेता

महेश बाबू कई एनजीओ के साथ जुड़े हुए हैं। इनमें से एक संगठन रेनबो चिल्ड्रन हॉस्पिटल से जुड़ा है, जहाँ वह गरीब बच्चों को मुफ्त चिकित्सा उपचार प्रदान करने में मदद करते हैं। साउथ सुपरस्टार महेश बाबू तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं। फैंस को उनकी फिल्मों का बेसब्री से इंतजार रहता है।

अपने अभिनय कौशल के साथ-साथ अभिनेता को उनके चैरिटी कार्यों के लिए भी जाना जाता है। महेश बाबू कई एनजीओ के साथ जुड़े हुए हैं। इनमें से एक संगठन रेनबो चिल्ड्रन हॉस्पिटल से जुड़ा है, जहाँ वह गरीब बच्चों को मुफ्त चिकित्सा उपचार प्रदान करने में मदद करते हैं। खबर के मुताबिक, उन्होंने मुफ्त चिकित्सा उपचार के माध्यम से एक हजार से अधिक बच्चों को आवश्यक हृदय शल्य चिकित्सा प्रदान की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, महेश बाबू हर साल 30 करोड़ रुपये दान करते हैं। महेश बाबू ने दो गाँवों को गोद भी लिया है, जिसमें उनका पैतृक गाँव भी शामिल है। इन गांव में उन्होंने सड़क, बिजली, स्कूल और स्वास्थ्य सुविधाओं सहित सभी बुनियादी ढांचे उपलब्ध कराए हैं।

इसके अलावा वह हील ए चाइल्ड नामक चैरिटेबल ट्रस्ट और गैर-लाभकारी संगठन का सह-संचालन भी कर रहे हैं। महेश बाबू का नाम साउथ के सबसे अमीर सितारों की लिस्ट में आता है। महेश बाबू पोकिरी, अथाडु, गुंटूर कारम सहित कई फिल्मों में नजर आ चुके हैं। उन्होंने भारतीय सिनेमा में अपने अभिनय के लिए कई पुरस्कार जीते हैं। सोशल मीडिया पर महेश बाबू की तगड़ी फैन फॉलोइंग है। तमिल के साथ-साथ हिंदी पट्टी के दर्शकों को भी उनकी फिल्में खूब पसंद करते है। मगर पिछले कुछ समय से महेश बाबू अपनी फिल्मों के निराशाजनक प्रदर्शन से परेशान हैं।

अभिनेता को आखिरी बार बड़े पर्दे पर गुंटूर कारम नाम की फिल्म में देखा गया था। फिल्म को लोगों की मिश्रित प्रतिक्रिया मिली थी। इस फिल्म के बाद वे जल्द ही एसएस राजामौली की फिल्म में नजर आने वाले हैं, जिसमें वे अलग लुक में दिखेंगे।

रणवीर सिंह के किरदार रॉकी रंधावा के लिए मिले थे लंबे-लंबे लव लेटर

जब हम फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की पहली वर्षगांठ के करीब पहुंच रहे हैं - तो हमें भारत के दिलों की धड़कन रणवीर सिंह को मिली सबसे अच्छी तारीफ जरूर देखनी चाहिए! वैसे तो उनके सभी किरदारों ने खूब प्रशंसा बटोरी है, लेकिन रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में रॉकी रंधावा के किरदार ने खास तौर पर प्रशंसकों के दिलों में खास जगह बनाई है। यह तब स्पष्ट हुआ जब प्रशंसकों ने उन्हें लंबे-लंबे लव लेटर भेजे अब तक के सबसे ग्रीन फ्लैग किरदार के लिए। पिछले साल फिल्म की रिलीज के बाद प्रमोशन के दौरान, सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पर एक आस्क मी एनीथिंग सेशन आयोजित किया, जिसमें उनके प्रशंसकों ने उनसे पूछा कि उन्हें मिली सबसे अच्छी तारीफ क्या थी। जिस पर सुपरस्टार ने जवाब दिया, बहुत सारे! रॉकी के लिए इतना प्यार उमड़ रहा है। मैं अभिभूत हूँ...लंबे-लंबे प्रेम पत्र मिल रहे हैं.. मैं बहुत आभारी हूँ

दीपिका पादुकोण स्टारर कल्कि 2898 एडी की सफलता पर नेटिज़न्स ने जमकर बरसाया प्यार

दीपिका पादुकोण की फिल्म कल्कि 2898 एडी रिलीज होते ही चर्चा का विषय बन गई। बता दें कि दीपिका स्टारर तीन बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म्स जैसे जवान, पठान और फाइटर ने 2550 करोड़ से ज्यादा की कमाई अपने नाम की है। जिसके बाद सफलता के सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए उनकी हालिया सफल फिल्म कल्कि 2898,ष्ठ ने भी करोड़ों की कमाई जारी रखी है, जिससे उनका करियर शानदार तरीके से आगे बढ़ रहा है। कल्कि 2898एडी की रिलीज़ के बाद से ही दर्शक और क्रिटिक्स दोनों ही बॉलीवुड की क्वीन की लगातार बैक टू बैक हिट फिल्मों के बारे में बात कर रहे हैं। ऐसे में अब, कल्कि उनकी सफलता में एक और बड़ा इजाफा करती नज़र आ रही है। कई लोग सिनेमाघरों में जाकर फिल्म को बार बार देख रहे हैं। इस तरह से दीपिका की बेहतरीन परफॉर्मेंस की तारीफों के पुल भी सोशल मीडिया पर फैंस और दर्शकों द्वारा खूब बंध जा रहे हैं।

कम उम्र के रोल नहीं करना चाहतीं सोनम

सिनेमा की दुनिया में पहली फैशन आइकन बनने वाली सोनम कपूर पिछले कुछ समय से फिल्मों से दूर हैं, लेकिन अब शायद वापस आने का इंतजार कर रही हैं।

अब हाल ही में, डर्टी मैगजीन के लिए कवर इंटरव्यू में सोनम कपूर ने इस बारे में बात की कि उन्हें किस तरह की भूमिकाएं मिल रही हैं और साथ ही उन्होंने अपने बेटे वायु के मीडिया के सामने आने के बारे में भी बात की। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

सोनम को ऑफर हुए हैं ऐसे रोल

सोनम ने कहा, मैं फिर से अभिनय शुरू करने जा रही हूं, चाहे लोग चाहें या न चाहें। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें 20 की उम्र की भूमिकाएं ऑफर किए जाने पर अजीब लगता है। अभिनेत्री ने आगे याद किया कि उन्हें एक ऐसी लड़की की भूमिका का ऑफर किया गया था, जिसके माता-पिता चाहते हैं कि वह शादी कर ले। और यह तब था जब उन्होंने पूछा, क्या आप सच में मुझे यह फिल्म ऑफर करना चाहते हैं? इसका कोई मतलब नहीं है।

कम उम्र के किरदार नहीं निभाना चाहती हैं अभिनेत्री

सोनम कपूर ने आगे बताया कि उन्हें एक स्कूली छात्रा की भूमिका निभाने का ऑफर दिया गया था, जो बाद में एक खिलाड़ी बन गई। सोनम ने सोचा कि वह बड़ी उम्र का किरदार निभाएंगी और कोई दूसरी अभिनेत्री युवा किरदार निभाएगी, लेकिन निर्माता चाहते थे कि वह दोनों किरदार निभाएं। अभिनेत्री ने कहा, मैंने सोचा, नहीं, मैं ऐसा नहीं कर सकती! आप जानते हैं, क्योंकि अब वे आपकी उम्र कम कर सकते हैं। मैं कम उम्र की नहीं होना चाहती। क्या आप मेरी उम्र कम होने की कल्पना कर सकते हैं?

दर्दभरी प्रेम कहानी लेकर आ रहे हैं हिमेश रेशमिया, नई फिल्म का किया ऐलान

सिंगर, म्यूजिक डायरेक्टर और एक्टर हिमेश रेशमिया इंडस्ट्री का एक जाना-माना नाम है। उन्होंने बॉलीवुड में नाम कमाने के लिए लंबे समय तक संघर्ष किया है। वह उन सितारों में से एक हैं, जिन्होंने सिंगिंग के अलावा एक्टिंग में भी अपना जलवा बिखेरा। उन्होंने 23 जुलाई को अपना 51वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया और देर रात नई फिल्म की घोषणा भी की। हिमेश रेशमिया ने अपनी नई फिल्म जानम तेरी कसम लेकर आ रहे है। सिंगर ने फिल्म के ऐलान के साथ-साथ इसका एक पोस्टर और सॉन्ग टीजर भी जारी किया। इसके अलावा, फिल्म की रिलीज डेट से भी पर्दा उठाया। यह फिल्म 2025 में दशहरे के मौके पर रिलीज होगी। हिमेश ने अपने पोस्ट को कैप्शन दिया, जन्मदिन की शुभकामनाओं के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद! जानम तेरी कसम एक दर्दभरी प्रेम कहानी है। राव और सप्रू फिल्म्स के सहयोग से हिमेश रेशमिया मेलोडीज द्वारा निर्मित यह फिल्म दशहरा 2025 पर रिलीज होगी। इस फिल्म को राधिका राव और विनय सप्रू डायरेक्ट करेंगे।

फिल्म का टाइटल ट्रैक शेयर करते हुए हिमेश ने इंस्टा पर एक और पोस्ट शेयर किया, इस पर रील्स बनाने की अपील की। उन्होंने कैप्शन में लिखा, जिस दर्द में आराम है... इश्क उसी का नाम है... जानम तेरी कसम के टाइटल ट्रैक पर अपनी खुद की रील बनाएं. सिंगर के करियर की बात करें तो हिमेश रेशमिया ने म्यूजिक डायरेक्टर के तौर पर 1998 में प्यार किया तो डरना क्या से अपने करियर की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में संगीत दिया, जिसमें हेलो ब्रदर, दुल्हन हम ले जाएंगे, बंधन और तेरे नाम शामिल हैं। झलक दिखला जा, आशिक बनाया आपने, आप की कशिश, नाम है तेरा तेरा जैसे कई हिट गानों के जरिए उन्होंने लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई।

हिमेश ने एक्टिंग में भी किस्मत आजमाई। उन्होंने साल 2007 में फिल्म आप का सुरूर से बॉलीवुड में एक्टिंग करियर की शुरुआत की। इसके बाद वह फिल्म कर्ज में नजर आए। उन्होंने रेडियो, कजरारे, दमादम, द एक्सपॉज, तेरा सुरूर, खिलाड़ी 786 और हैप्पी हार्डी एंड हीर जैसी फिल्मों में काम किया। वह जल्द ही बडास रवि कुमार और जानम तेरी कमस में नजर आएंगे।

विदेश में शाहरुख के नाम का डंका

● फ्रांस के पुराने म्यूजियम में चलता है किंग खान के नाम का सिक्का

किंग खान के नाम से फेमस शाहरुख खान की न सिर्फ देश बल्कि विदेश में भी बड़ी फैन फॉलोइंग है। विदेश में भी सुपरस्टार के नाम का सिक्का चलता है। जी हां, यह सिर्फ कहावत नहीं, बल्कि बिलकुल सत्य बात है। हाल ही में पता चला है कि फ्रांस से म्यूजियम में किंग खान के नाम का सिक्का चल रहा है। यह कोई आम सिक्का नहीं बल्कि सोने का सिक्का है। शाहरुख खान के सम्मान में फ्रांस की राजधानी पेरिस के ग्रेविन म्यूजियम में शाहरुख खान के नाम का सोने का सिक्का जारी किया गया था। इसे पाने वाले वह बॉलीवुड के एक मात्र स्टार हैं। इससे पहले भी फ्रांस में शाहरुख का खूब सम्मान किया जा रहा है। साल 2008 में इसी म्यूजियम में शाहरुख खान का एक मोम का पुतला भी लगाया गया था। फ्रांस के अलावा अन्य कई देशों में भी शाहरुख खान के 14 वैक्स का स्टैचू बनवाए गए हैं। लेकिन एक्टर के नाम का सोने का सिक्का जारी करने वाला पेरिस का ग्रेविन म्यूजियम पहला संस्थान है।

क्वीन ऑफ क्वींस में दिखेगा काजोल का एक्शन अवतार

कई भाषाओं में होगी रिलीज

महारागनी-क्वीन ऑफ क्वींस में काजोल एक्शन करती दिखेंगी। हाल ही में फिल्म का टीजर सामने आया जिसमें काजोल उग्र अंदाज में दिखी। इस फिल्म की कहानी का केंद्रीय विषय संतान का अपने माता-पिता से प्यार करना है। फिल्म की कहानी के माध्यम से भी यही संदेश देने की कोशिश की गई है। इस फिल्म की शूटिंग बीती फरवरी में हैदराबाद में हुई थी। बाजीगर, कुछ कुछ होता है, गुप्त और फना जैसी फिल्मों से अभिनेत्री काजोल ने हिंदी सिनेमा के अपने 32 वर्ष के पेशेवर सफर में अभिनय के कई रंग दिखाए। हालांकि, इस बीच उनके हिस्से में कभी एक्शन नहीं आया। अब वह अपने पेशेवर सफर की पेंटिंग में एक्शन के रंग बिखेरने के लिए भी तैयार हैं। तेलुगु निर्देशक चरण तेज उप्पलपति के साथ काजोल अपनी पहली अखिल भारतीय फिल्म महारंगिनी-क्वीन आफ क्वींस कर रही हैं। हाल ही में फिल्म का टीजर सामने आया, जिसमें काजोल उग्र अंदाज में दिखी।

बेटी ने बदली अली फजल की किस्मत!

मशहूर एक्टर अली फजल अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को काफी एन्जॉय कर रहे हैं, एक तरफ जहां वह स्ट्रीमिंग शो मिर्जापुर के तीसरे सीजन की सफलता को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं, तो वहीं बेटी के जन्म के बाद पेरेंटिंग का लुत्फ उठा रहे है। खबर है कि एक्टर मशहूर साउट स्टार सामंथा रुथ प्रभु संग स्क्रीन शेयर किया। वह जल्द ही वेब सीरीज रक्त ब्रह्मांड में नजर आने वाले हैं। यह सीरीज एक पीरियड फैंटेसी थ्रिलर ड्रामा है और इसे राही अनिल बर्वे के साथ राज और डीके डायरेक्ट करेंगे। एक सूत्र ने कहा, यह प्रोजेक्ट राज और डीके का एक अद्भुत विजन है, फैंटेसी ड्रामा जोनर में उनके काम को नई ऊंचाई देगा। कास्ट फाइनल हो चुकी है और अगले हफ्ते से इसकी शूटिंग शुरू होने वाली है। अली अगस्त तक सीरीज की शूटिंग करेंगे और साथ ही अपने अन्य प्रोजेक्ट्स के छोटे शेड्यूल भी पूरे करेंगे। शो के विजन के चलते अली सीरीज का हिस्सा बनने के लिए काफी एक्साइटेड है। यह वास्तव में एक दिलचस्प हिस्सा है, ऐसा कुछ जो उन्होंने किरदार के नजरिए से और शैली के लिहाज से पहले कभी नहीं किया है। सीरीज में 6 एपिसोड होंगे। इस सीरीज की शूटिंग अगले हफ्ते मुंबई में शुरू होने की उम्मीद है। इसमें आदित्य रॉय कपूर और वामिका गब्बी भी लीड रोल में हैं।

-साभार एजेंसी